आह

कीमत १० पैसे

* आर. के. फिल्म *

कलाकार—राजकपूर, नर्गिस, विजयालक्ष्मी और प्राण

आह के गाने

निलू— १

जाने न नजर पहेचान जिगर ये कौन जो दिल परछाया
मेरा अंग अंग मुस्कराया
राज-जाने न नजर पहेचाने जिगर ये कौन जो दिल परछाया
मुझे रोज रोज तडपाया
निलू-आवाज ये किसीकी आती है जो छेडके दिल खोजती है
मै सुनके जिसे शरमा जाऊं, है कौन जो मुझमें समाया
मेरा अंग अंग मुस्कराया
राज-ढूंढेंगे उसे तारों में सावन की ठंडी बहारोंमें
पर हमभी किसीसे कम तो नहीं क्यों रुपको हमने छुपाया
मुझे रोज रोज तडपाया
निलू-बिन देखे जिसको प्यार करुं, गर देखू उसको जानभी दूं
इकबार कहूं ओ जादुगर ये कौनसा खेल रचाया
मेरा अंग अंग मुस्कराया

लडकियां— २

झनन झनन झनन झनन घुंघरवा बाजे
आई हूं मै सजके कमर मोरा लचके
ये नैन भरे रसके झनक

चंदा के शीशेमें बनठनके भाई, तारोंके डोलमें अरमान लाई
देखो खुश है दुल्हन, गाए दुल्हा का मन, चुंदरी ढलक
रंग मेरा झलक नैना छलके झनन झनन
मिलन दिलका ही कहते है वादा
उल्फत उसीकी है जिसने निभादी ये जहां आस्तां
क्या मिलन का समां, चंदा बनके मुख मेरा चमके
बिंदिया दमके झनन झनन...
उल्फत के गहनासे किस्मत सजी है
अंगना में शहनाई दिलकी बजी है देखो आई बरात
लिए हाथों में हाथ, गजरा महके पिया संग रहके
दिल मेरा झनन बहके झनन झनन

निलू— ३

जो मै जानती उनके लिए
मेरे दिलमें कितना प्यार है इतना मै प्यार करती क्यों
जो मै समझ के चलती हद से आप गुजरती क्यों
अनजाने नैनोंसे उलझके जिते जी मै मरती क्यों
जो मै जानती...
हरदम उलझी लटसे उलझू काजल फेरु अखियन में
ओ जो न आते तो मै इतना बनती और सबरती क्यों
जो मै जानती...
हायरे मिठा दर्द जिगर का, हायरे पहेला २ प्यार

जो मै जानती ये सब होगा इस मुश्किल में क्यों
जो मै जानती...

राज—
४

रात अंधेरी दूर सवेरा, बरबाद है दिल मेरा, रात अंधेरी
आना भी चाहे आ न सके हम कोई नहीं आसरा
खोई है मंझिल रस्ता है मुश्किल चांद भी आज छुपा
रात अंधेरी
आह भी रोए राह भी रोए सुझे न बात कोई
थोडी उमर है सुना सफर है, देगा न साथ कोई
रात अंधेरी...

निलू—
५

ये शाम की तन्हाईयां ऐसे में तेरा गम
पत्ते कहीं खडके, हवा आई, तो चौंके हम
जिस राहसे तुम आने को थे
उसके निशां भी मिटने लगा
आए न तुम सौ सौ दफा आए गए मौसम
ये शामा की तन्हाईयां
सीनेसे लगा तेरी याद रोती राही मै रातको
हालत पे मेरी चांद तारे रोगमें शबनम
ऐ शामा की तन्हाईयां

तडपाके प्यार ने हमको न्यार से
छेडा तो डोला जिया झूम झूमके, सुनते थे नाम हम
पहले कहीं थे दिल न झुका था
क्या जानूं अब क्या हो गया मै
जाओ न आज कहीं तुम हमको छोडके
अपना तो डोला जिया झुम के

निलू— ८

राजाकी आएगी बरात रंगीली होगी रात, मगन मै नाचुंगी
जिन आंखों में इन्तजार के दिये जले दिन रात
उन आंखों में प्यार बसेगा दिलको मिलेगा चैन
रंग लाएगी हरबात, पुरानी मुलाकात मगन मै नाचुंगी
रानी के माथे तिलक लगेगा रानी के मांग सिंदूर
मै जो अपने मनकी आशा पुरी करुंगी जरुर
मेंहदी से पिले होंगे हात सहेलिया के साथ, मगन मै नाचुंगी
राजा के संग डोली सजा के चले जाओगे परदेस
जब जब उनकी याद आएगी दिल पे लगेगी ठेस
नैनों में होगी बरसात, अन्धेरी होगी रात
अकेली मै नाचुंगी

तांगेवाला— ९

छोटी सी है जिंदगानी
ये चार दिन की जवानी तेरी

हाय रे हाय गमकी कहानी तेरी

छोटी है जिंदगानी...

शाम हुई ये देश विराना
तुझको अपने बलम घर जाना, सजन घर जाना
राह में मूरख मत लूट जाना

छोटीसी है जिंदगानी...

बाबुल का घर छुटा जाए
अखियन घोर अन्धेरा छाए दिल घबराए
आंख से टपके दिल का खजाना

छोटीसी है जिंदगानी...

१०—जनाना देखके मेरा निकल जाए वो घबराए
किसीने कह दिया मैयत जवां मालूम होता है
जाजारे अब मेरा दिल पुकारा, रो २ के गम भी हारा
बदनाम न हो प्यार मेरा, आजारे...

प्रकाशक—एफ. बी. बुरहानपुरवाला, सेंट्रल प्रकाशन, सिंप्लेक्स बिल्डिंग, पाववाला स्ट्रीट, ड्रीमलेंड सिनेमा, न्यू चर्निरोड, बंबई ४
मुद्रक—एस. के. खरगोनवाला
बाकिर प्रिंटिंग प्रेस, मुझफराबाद हॉल, ग्रांट रोड, बंबई ७

राज-हठ

किंमत २० पैसे

स्ट्रीट, बंबई-४०० ००४.

❊ मिनर्व्हा मुव्हीज प्रेझेंट ❊

डायरेक्टर–सोहराब मोदी ❊ म्यु.–शंकर जयकिशन

राजहठ के गाने

कलाकार–सोहराब मोदी, मधुबाला, प्रदीपकुमार, उल्हास

गीत–शैलेन्द्र, हसरत

कुमारी– १

कहां से मिलते मोती आंसू है मेरी तकदीर में
बदल दूं कैसे ऐ दिल लिखा है जो उस बेपीर नें
जिसकी मांग रह गई सुनी
जहर है उसका जीना बिन साजन के नारी
जैसे बिना तारकी बिना लगादी आग किसीने
मेरे प,व बांध जंजीर मे
किसके लिए सिंगार करेंगा यह बरबाद जवानी
धीरे २ घुटकर मरना यही है मेरी कहानी
ढुलक चले मेरे सपने नैनो के बहते निर में
कहां से मिलते मोती...

नटनी– २

आ गई लो आ गई मै झुमती
अखियों से अखियो को चुमती
तुमने बुलाया चली आई मै प्यार जताया ललचाई मै
नैन मिले तो घबराई मै आगई लो...

ऐंसे न देखा शरमाऊंगी
फिर कही जाके छुप जाऊंगी
लाख बुलाओ नहीं आऊंगी आ गई लो...
गैरो से बचके निकलती हुई
प्यासी निगाहो में ढलती हुई
दिल के इशारों पे चलती हूई
आ गई लो आ गई मै झुमती

कुमारी और जुही ३

अंतर मंतर जंतर से मैदान लिया है मार
हाथ में है तकदीर का नक्शा
हो गया बेडा पार अंतर मंतर...
जब आया दरवाजा पहला हमने उसे धकेला
खुलते ही दरवाजा देखा उजियारो का मेला
रस्ते में इक बुर्जी देखी धोखा देनेवाली
उस बुर्जी के पास गए तो सामने देखी जाली
अंतर मंतर जंतर से...
छोडके बुर्जि बढ गए आगे हम भी थे हूशियार
हाथ में है तकदीर का नक्शा हो गया बेडा पार
अंतर मंतर जंतर सें...
जब दुजा दरवाजा आया उसपर देखा ताला
अक्ल की चावी लग के हमने मजेंसे खोला ताला

फिर देखे चौबारे हमने जिनपर था अंधियारा
दुर कही पर खिडकी चमकी ज्यु बदली मे तारा
अंतर मंतर जंतर से...
आशा ओने दिप जलाये हमभी होगए पार
हाथ में है तकदीर का नक्शा
होगया है बेंडा पार, अंतर मंतर...
गैरो के महलो में पहुंचे भेंद चुराकर लाए
सब दरवाजे चोर बने ये चोरो से टकराये
चक्कर ने सौ चक्कर डाले फिरभी ना घबराए
जैसे चलकर हम पहूंचे थे वैसे वापस आए
अंतर मंतर जंतर...
अपनी मंजिल जीतके आए ना माने हम हारे
हाथ में तकदीर का नक्शा
होगया बेडा पार, अंतर मंतर...

कुमारी और कोरस— ४

सुन सखी मोरे मनकी बात
कोयल तरसे आम को और बनको तरसे मोर
मैं तरसु उस प्रितको और छाई घटा घनघोर
नदिया किनारे फिरु प्यासी
हाय पी बिन जियरा तरस २ रह जाए
ऐंसा भी आए कोई बादल हमारे अंगना

रिम झिम प्यार लुटाये
सजना मिलन के गाऊ मै तरानें
रंग भरे लो आ गये जमाने
खोई रहूं मै क्यो राम जाने
ढूंढ रही हो प्यार के खजानें
कुछ भी न अपनी खबरिया
मै ऐसी भोली दिन कब आए कब जाए नदिया...
प्यासे है दोनो अँखियों के भौरे
डालो किसी पर कजरा के डोरे
पंख पसारे चुप है निगोडे
लुटेंगे दिल मध के कटोरे ढुंढें किसीको नजरिया
ये बैरी मौसम आग है आग लगायें
नदिया किनारे...

५

कुमार–

आए बहार बनके लुभा कर चले गए
क्या राज था जो दिलमें छुपाकर चले गए
कहने को हसीन थे आंखें यी बेवफा
दामन मेरी नजर से बचाकर चले गए
इतना मुझे बताओ मेरे दिलकी धडकनो
वह कौंन थे जो ख्वाब दिखा कर चले गए
आए नहार बन के...

कुम... और कुमारी— ६

ये वादा करो, चांद के सामने
भुला तो न दोगे मेरे प्यार को
मेरे हाथ मे हाथ दे दो जरा
सहारा मिलेगा मेरे प्यार को
ये चन्दा, ये तारे, तो छुप जायेंगे
मगर मेरी नजरों से छुपना न तुम
बदल जाए दुनिया न बदलेगे हम
बसाया है जब अपनें दिल मे तूम्हे
निभाना ही होगा इस इकरार को
बहारो के साथे में आ झुम ले
भुला दे जमाने के गम आज तो
जमानें के गम से हमे काम क्या
हमे तुम मिले और क्या चाहिए
कि हम छोड बैठे है संसार को यह वादा...

कुमारी और कोरस— ७

नाचे अंग ३ तेरे आगे बाजे रे मन मृदंग बाजे
धडकते दिलका गीत मेरी प्रीत नाचेरे नाचे अंग २
सारे जग पे जो छाए तुफान है
जिनसे कांपे आज सातो आसमान है
ये तो मेरे अरमानो के उठान है सलोने नाचे अंग २

उस पार मेरा भोला भाला प्यार है
इस पार देखो सारा संसार है
तेरे हाथो में हमारी पतवार है सलोनें, नाचे...

८–कुमारी–मेरे सपनें मे आना रे सजना
वह बात जरा मेरे कानों में फिरसे कह जानारे मेरे...
थके २ नैन पिया देखे राह तेरी
धीरे २ जादु करे चांद की उजेरी
समां बडाही सुहाना रे सजना मेरे...
चोरी २ आके पिया बैठना सिरहानें
जानके मै चूप रहूंगी निद के बहाने
मुझे छेडके जगानारे सजना मेरे सपने

९–प्यारे बाबुल से बिछडके घरका आंगम सुना करके
गोरी कहां चली घुंघट में चांद छुपाये
सुनो कहती है शहनाई गोरी होगई पराई
चंचल घोडे पे सवार लेने साजना आए
सुने महल उदास अटारी रुठी २ सी फुलवारी
दिल में तडप चेहरे पे हंसी है हाय लगी कैसी कटारी
बाबुल काहे को छुपाये दर्द होटो से दबाये
तू ये चाहे कि न चाहें आंसू आंख मे आए
कैसे कहे यत जारी सजनियां कौन तुझे अब रोके रानी
गैरसे दिलका नाता जोडे ऐसी जालिम है ये जवानी

सारी सखियों को भुली बिती बतियो को भुली

दे के दर्द निशानी जाए देश पराए

जाने अंजाने भुल हुई तो ए री सखी उसे दिलसे भुलादे

नैहर का रहे नाम उजागररे बाबुल मोहे ऐसी दुआ दे

सबके दिलकी दुआएं तेरे संग २ जाए

कभी कोई भी दुख तेरे पास न आए, प्यारे बाबुल...

१०–कोरस–आजा आजा नदिया किनारे

तारों की छैयां तोहे कबसें पुकारे आजा

तेरें मनको मनका मित मिला तेरे भागसे बढकर भाग न[illegible]

कल तक डर था इन आहो सें

लग जाये न जग में आग कहीं

हंसकर यह सुहानी रात कहे कल शाम वादे पुरे कर

दिलने तेरे दुख दर्द सहें तू इरादे पूरे कर

बहते आंसू बह जानें दे

कुछ खो कर ही कुछ मिलता है

इक फुल कही मूर्झाता है इक फुल कही पर खिलता है

प्रकाशन :– एस्. युसूफ, मिनर्व्हा बुक डेपो,

म. फुले मार्केट, पोलीस चौकी जवळ, पुणें–४११ ०

मुद्रक स्थळः–एस्. अशफाक, न्यू स्टार प्रिंटिंग प्रेस,

३२१ घोरपडे पेठ, पोलीस चौकी समोर, पुणें–४११ ०

नौ दो ग्यारह

किमत १५ पैसे

कथासार

मदन एक मोटी के मकान में दो तिन हिने से बगैर किराया दिये रह रहा है वह उसका सामान उठाके बाहर फेकती है।

मोटी फेंक दो एक एक चीज फेंक दो तिन महीने हो गए किराया दिये, पैसा कहांसे आएगा दुसरे महीने पैसा आया और चोरी हो गया, अब कहता है नानी मर गई! देगा कहांसे दो सौ खर्च, सौ रुपये तनख्वाह उपर से डिंग मारता है मेरे चाचा बंबईमें लखपति है, चाहे तो सारी दिल्ली खरीद लेगा बेशर्म, बेहया आइन्दा किरायदार लाओ तो जोडा हो या साधु धर्मात्मा घर से आने जाने का पता तो रहेगा ये लफंगा तो न जाने कब आता है कब गायब हो जाता है सत्यानासी (बोर्ड हटाकर) श्री मदन-गोपाल मदन मालिक का बच्चा, यह घरभी गया, दोस्त आ आ मेरे ईदके चांद श्री मदन गोपाल मेरे घर के बाहर ताला किसने लगाया, दोस्त जवाब नहीं तुम्हारा तिन महीने का किराया नही दिया और दो महीने से गायब है मालिक मकान ताला नहीं लगायगा॥

आगे परदेपर देखिए

नवकेतन फिल्मस

डायरेक्टर–विजय आनंद　　म्यु.–एस. डी. बर्मन

कलाकार–कल्पना कार्तिक, देवआनंद, शशिकला, हेलन, इ.

नौ दो ग्यारह के गाने

किशोरकुमार—　　—१—

हम है राही प्यार के हमसे कुछ न बोलिये
जो भी प्यार से मिला हम उसी के होलिए
दर्द भी हमें कबुल चैन भी हमें कबुल
हम ने हर तरह के फुल हार में पिरो लिए
　　हम है राही प्यार के.........

धुप थी नसीब में धुप ने लिया है दम
चांदनी मिली तो हम चांदनी में सो गये
　　हम है राही........

दिलका आसरा लिए हम तो बस युं ही जिये
एक कदम पर हंस लिए
　　एक कदम पर रो लिये
हम है राही......—

राह में पडे है हम कबसे आपकी कसम
देखिये तो कम से कम बोलिये न बोलिये
　　हम है राही प्यार के......

२ फी, आशा— ३

कलीं के रूप में चली है धुप में कहां
सुनो जी मेहरबान हो गए न तुम जहां वहां
काहे को हो जलते के हम तोड़े चलते अपने
दिल के सहारे.........
अब न रूक ये तो दुखने लगेगे
पांव नाजुक तुम्हारे
छोड दिवाना पन अजी जनाब मन कहां
चल न सकेंगे सभल न सकेंगे हम
तुम्हारी बलासे
मिलेगा सहारा तो आवोगी दो बारह
खिचके मेरी सदा पर राहों में होके गुम
जाओगे छुप के तुम कहां
मानोगे न तुम भी तो ये चले हमभी
अब हमें न बुलाना
जाते हो तो जाओ अदाएं न दिखाओ
दिल न होगा निशाना.........
हवापे बैठके चले हो पेंठ के कहां कलीके रुपमें

किशोर, आशा— ३

आंचल में क्या जी?
रुपहला बादल ?

बादल में क्या जी ?
किसी का आंचल ? आंचल में क्या ?
अजब सी हलचल ?
रंगिन है मौसम तेरे दम की बहार है
फिर भी है कुछ कम बस तेरा इन्तजार है
देखने में भोले हो पर हो बडे चंचल
झुकती है पलके झुकने दो और झुम के
उडने दो जुल्फें उडने दो होंठ चुमके
देखने में भोले हो........
झुमें लहराए नैना मिल जाए नैन से
साथी बन जाए रास्ता कठ जाए चैनसे
देखने में भोले........

—४—

—रफी, आशा भोसले

आजा पंछी अकेला है
सो जा निंदिया की बेला है
उड गई निंदिया मेरे नैन से
बस करो युं ही पडे रहो चैन से
लागेरे डर मोहे लागेर
ये क्या डरने की बेला है

कितनी हंसी है ये फिज़ा
कितनी सुहानी है ये हवा
मर गए हम निकला दम–मरगए हम
मौसम क्या अलबेला है
बिन तेरे कैसी ये अंधेरी रात है
दिल में धडकने मेरे तेरे साथ है
तनहा है फिर भी दिल तनहा है
लागा सपनो का मेल है, आजा पंछी......

गीता दत्त, आशा भोसले— ५

क्या हो जो दिन फिर रंगिला हो
रेत चमके समुन्दर निला हो
और आकाश गीला गीला हो
फिर तो बडा मजा होगा अम्बर झुका २ होगा
सागर रुका रूका होगा, तूफान छुपा छुपा होगा
क्या हो जो दिन
जो धिर चंचल घटाएं हो होटो पे मचलती बातें हो
सावन भरी बरसाते हो, फिर तो
कोई कोई फिसल रहा होगा
कोई कोई संभल रहा होगा
कोई कोई मचल रहा होगा, क्या हो जो
क्या हो फिर जो दुनियां सोती हो

और तारों भरी खामोशी हो

हर आहट पर धड़कन होती हो, फिर तो बडा

दिल से दिल मिला होगा

तन मन खिला खिला होगा

दुश्मन जला जला होगा फिर तो बडा मजा

आशा भोसले— —६—

ढल की जाए चुनरिय हमारी हो राम

पी से मिलके बहकने के दिन आए हो

जैसे ठंडी पवन बन प्यार आ गई

जैसे चुपके से बन में बहार आ गई

फूल बनके महकने के दिन आए हो पी से मिलने

मैं सपनो की बगियों में डोलूंगीरे

बन के कोयलियां बन में बोलूंगीरे

डाली २ चहकने के दिन आए हो ढल की जाए...

आशा भोसले— —७—

जाने जिगर हाए देखो तो इधर हाए हाए

नजरें तो लाखों हैं मगर तेरी नजर हाए हाए

झुकी है बहार घटाओ के तले

जवां है खुमार कहां उठ के चले

देखो तो मेरा दिल है दिल ये हाए हाए

न ले दिलकी आह तेरा होगा भला

मिलाले निगाहें चाहे दिल ना मिला
नजरें मिला जादु चला जादुगर हाय हाय
नजरें मिलाके उमंगो पे आप
आप थे हुजुर बडी आस लगाए
मिलके जरा देख भी लोजी इधर हाय हाय
जाने जिगर हाय.. ......

८-गीतादत्त-सीले जुबां एसा न हो सबकुछ खोना पडे
नादां सीले जुबां
आहो को छुपाये जा होठो को दबाए जा
युं ही मुस्काए जा गम लिये
जुबां सिए तू जुबां सिये सी ले जुबां
नादां क्युं है बेकरार करते जाना इन्तजार
आही जायेगी बहार तेरे लिये
युं ही जिये जा तू यु ही जिए सीले जुबां
सुनो सुनो जाने जहां समझो गीतों की
जंजीरो का समां है तेरे लिए
हाये नजर किये जा तू नजर किए सी ले जुबां

प्रकाशक-एफ. बी. बुरहानपुरवाला, सेंट्रल प्रकाशन.
सिम्प्लेक्स बिल्डिग. पाववाला स्ट्रीट बंबई-४
मुद्रक—एस. के. खरगोनवाला
बाकीर प्रिंटिंग प्रेस, मुझफराबाद हॉल, ग्रांट रोड, बंबई ७

ए.के. मुवीज का

याराना

दिग्दर्शक राकेश कुमार संगीत राजेश रोशन

सह निर्माता एफ.ए.नडियादवाला छाया पिटर परेरा

कीमत — २५ पैसे

ए. के. मुव्हीज

डायरेक्टर–राकेश कुमार म्यु.–राजेश रोशन
कलाकार–अमिताभ, नितु सिंग, अमजद खान, रणजीत
गीतकार — अन्जान

याराना के गाने

१–कोरस–तेरे लियें कुछ भी करेंगे
जान तो क्या इमान भी देंगे जग रुठे या सब छुटे
यें हाथ से तेरा हाथ न छुटे सोलो–याराना २
टुटे कभी ना ना याराना याराना
कोरस–तेरे लिए हम कुछ भी करेंगे
जान तो क्या इमान भी देंगे
जग रुठे या सब छुटे
यें हाथ से तेरा हाथ न छुटे
सोलो–एक पतंग है जीवन अपना
यार के हाथ मे डोर जीसको तोड सके यें प्यार का
दुनिया मे है ताक्त किसकी
मस्त पवन के साथ उडे यें
एक दीन निल गगन को छुले
कोरस–जग रुठे या सब छुटे यें हाथसे
तेरा हाथ ना छुटे याराना याराना
सोलो–यार नही तो जग है सुना

सुनी सुनी दिल की राहे इन राहों है इक सहारा
पग पग पर यारा की बाहे इन राहों पर जान लुटा। कर
तेरी कसम हम भी दे देंगे
कोरस–जग रुठे या सब छुटे ये हाथसे—
२—पुरुष–भोले– ओ भोले–
वो रुठा दिल टुटा
पुरुष–मेरे यार को मनादे वो प्यार फिर जगादे
भोले ओ भोले–
परीच्छेद–वो बिछडा तो कसम से फिर मै ना जी सकुंगा
मेरे भोले तेरे जैसे मै जहर ना पी सकुंगा
जिस्म हु मै जान है
उसको नही पहचान है मेरी जिस्म हु मै
प्यार मेरा तु जाने मेरे यार को मनादे
वो प्यार फिर जगादे
भोले ओ भोले––
परीच्छेद–क्या होगा फिर तेरा गोरी जो रुठ जायें
शंकर तेरे माथे का चंदा जो टुट जायें
डम डम डमरु बाजे बम बम फिर तु ना नाचे
यार अगर ना माने मेरे यार को मनादे
वो प्यार फिर जगादे मेरे यार को मनादे
भोले ओ भोले–

३-पुरुष-हु-हु-हु-हु-हु ३
छुकर मेरे मनको कीया तुने क्या इशारा
बदला ये मौसम लगे प्यारा जग सारा
पुरुष-छुकर मेरे मनको—
परीच्छेद-तु जो कहे जीवन भर
तेरे लीए मैं गाऊं २ गीत मेरे बोलों पे
लीखता चला जाऊं २ मेरे गीतों मे
तुझे ढुन्ढे जग सारा
पुरुष-छुकर मेरे मनको—
कीया तुने क्या इशारा
परीच्छेद-आजा तेरा आंचल ये
प्यार से मै भर दु २ खुशीयां जहां भर की
तुझको नजर कर दु तु ही मेरा जीवन
पुरुष-छुकर मेरे मनको—
कीया तुने क्या इशारा
४-तेरे जैसा-यार कहां
कहां एसा याराना
याद करेगी दुनीया तेरा मेरा अफसाना
पुरुष-तेरे जैसा—
परीच्छेद-मेरी जिंदगी सवांरी मुझको गले लगाके
बैठा दीया फलक पे मुझे खाक से उठाले

पुरुष-मेरी जिंदगी सवांरी
पुरुष-यारा तेरी यारी को मैने तों खुदा माना
याद करेगी दुनीया
तेरा मेरा अफसाना
परीच्छेद-मेरे दील की यें दुआं है कभी दुर तु ना जाये
तेरे बीना हो जीना वो दीन कभी ना आये
पुरुष-मेरे दीलकी यें दुआं है तेरे संग जीना यहां
तेरे संग मर जाना याद करेगी दुनीया
तेरा मेरा—अफसाना
पुरुष-तेरे जैसा यार कहां

५-पुरुष-हे सारा जमाना   कोरस-सारा जमाना
पुरुष-हसीनों का दीवाना   कोरस-हसीनों का दीवाना
पुरुष-जमाना कहे फीर क्यों   को.-जमाना कहे फीर क्यों
पुरुष-बुरा है दील लगाना   को.-बुरा है दील लगाना
पुरुष-हे सारा जमाना—
परीच्छेद-यें कौन कह रहा है तु आ प्यार करले
जो कभी भी खत्म ना हो ओं एतबार करले
कोरस-यें कौन कह रहा है
पुरुष-मानले मानले मेरी बात   कोरस-मेरी बात
पुरुष-सारा जमाना   कोरस-सारा जमाना
परीच्छेद-जब हुस्न ही नही तों

दुनिया मे क्या कशिश
दिल दिल वही है जिसे मै
कही प्यार की खजीश है
कोरस–जब हुस्न ही नही तो
पुरुष–मानले मानले मेरी बात
पुरुष–सारा जमाला

कोरस–मेरी बात
कोरस–सारा जमाना

६–अमजद खान–कोरस–बिशन चाचा कुछ गाओ
पुरुष–अरे एसा तराना झुमके गाऊ
संग संग दुनिया झुमे
कोरस–बिशन चाचा कुछ गाओ
बिशन चाचा कुछ गाओ
दुनिया झुमे–
परीच्छेद–यें उमर नइ डगर नही
सफर है प्यारे दुर–अभी है दुर
जाने कहां किनारे
कोरस–यें उमर नइ पुरुष–तु रुक नही जाना
तु डर नही जाना तु थक नही जाना मेरे प्यारे
कोरस–बिशन चाचा कुछ गाओ
पुरुष–अरे रे रे एसा तराना
लडके–बिशन चाचा
परीच्छेद–जिंदगी जो है

मिली हसी खुशी गुजारो
तुम जीओ तो यु जीओ
के सारा जहां सवारी
पुरुष–यही तो जिंदगी है मेरे प्यारे
कोरस–बिचन चाचा—
७–किशोर कुमार–तु रुठा दिल टुटा
मेरे यार को मनादे वो प्यार फीर जगादे
परीच्छेर–क्या जाने क्यों तुमपे मुझे इतना प्यार आये
तु रुठे तों जैसे मेरी कीस्मत रुठ जाए
दुर ना जा यु आंख चुराके क्या पायेगा मुझको रुलाके
मान भी जा दीवाने मेरे यार मुस्कुरा दे
वों प्यार फिर जगादे मेरे यार मेरे यार
पुरुष–भोले ओ भोले—

गुरुनानक स्टोर्स
अमन टोकीज रोड
उल्हासनगर — २

प्रकाशक–ताहेर अली एफ. के. भारत प्रकाशन
कल्पना होटेल, डिरीमलेन्ड सिनेमा के सामने
पदमजी रोड—बम्बइ–४
मुद्रक—शर्मा प्रिंटींग प्रेस

अभियान

कीमत २५ पैसा

☀ आर. जे. दवे कृत ☀

डायरेक्टर–अमीत बोस ☀ म्यु.—राहुल देव बर्मन

कलाकार–संजय, नंदा, मीनाकुमारी, रेहमान, सुलोचना, काशिनाथ

गाने—मजरुह

☀ अभिलाषा के गाने ☀

१–सिनोरा.. सिनोरा.. सिनोरा.. सिनोरा..

यारो हमारा क्या, चल दें जिधर चाहें
बोतल की गर्दन में डाले हुए हैं बाहें
ना हमारा कोई पोरा ना हमारी कोई जोरु
हे २ हम नहीं सुनते बात किसीकी फादर हो या मामा
आ गये पहन के किसीका हो पजामा
टाई किसी की गले बांध के फिरते हैं आवारा
ना हमारा कोई पोरा ना हमारी कोई जोरु
हे २ सोने की जंजीर बदन पे ना मुठठी में पैसे
फिर कोई दिलरूबा रुके पास तो कैसे
अरे दिलबर हमको गये छोडके अब तक तो दस बारह
ना हमारा कोई पोरा ना हमारी कोई जोरू
अरे माल जिधर है यार अभी तो हाथ उधर फेकेंगे
सर पर ही पड गई कभी तो फिर देखेंगे
आज तलक हो गुजर रही है करके लप्पा लारा
न हमारा कोई पोरा न हमारी कोई जोरू
यारो हमारा क्या, चल दें जिधर चाहें

बोतल की गर्दन में डाले हुए हैं बाहें
२-मुन्ने मेरे आ सदके तेरे आ एक हंसी देके ले जा ये उमरिया
मुन्ने मेरे आ सदके तेरे आ
एक हंसी देके ले जा ये उमरिया
आजारे छुप जा मेरी आंचल की छैंया तले
मुख से तेरे पहले पहल अंगना मेरे दीप जले
तेरे बीना सुनी थी रे नगरीया मुन्ने मेरे आ सदके तेरे आ
एक हंसी देके ले जा ये उमरीया मुन्ने मेरे आ सदके तेरे आ
३-मुन्ने मेरे आ सदके तेरे आ एक हंसी देके ले जा ये उमरीया
मुन्ने मेरे आ सदके तेरे आ...
तेरे मुखसे आंचल भरा ममता को गीत मिला
पत्थर पे फूटी कली, धरती पे चांद खिला
आज मेरी तारों भरी है डगरीया, मुन्ने मेरे आ...
एक हंसी देके ले जा ये उमरीया
मुन्ने मेरे आ सदके तेरे आ प्यारीसी छोटिसी ये मूरत है मनमें बसी
मन मेरा डोले जहां तू है और तेरी हंसी दमसे तेरे स्वर्ग बनी मेरी दु
मुन्ने मेरे आ सदके तेरे आ एक हंसी देके ले जा ये उमरीया
रफी-४आ.. आ २ एक जानिब शम्मे—महफिल
एक जानिब शम्मे-महफिल एक जानिब रुप- जाना
ओ-ओ- २ गिरता है देखें कहां परवाना आं...आं.. २
एक जानिब शम्मे महफिल

मन्नाडे-एक जानिब शम्मे-महफिल एक जानिब शम्मे महफिल
ओ-ओ २ गिरता है देखें कहां परवाना आं
एक जानिब शम्मे-महफिल रफी-इक सू एक शोला
चरागोंकी अंजुमनमें ऐ पे इक सूरगे-जलवा किसी बुतके बांकपनमें
मन्नाडे-इक शोला इक जलवा और इनमें इक दीवाना आं...
एक जानिब शम्मे-महफिल ओ २ एक जानिब रूप जाना
ओ ओ ओ गिरता है देखे कहां परवाना
एक जानिब शम्मे महफिल
मन्नाडे-उसकी क्या मंजिल नहीं इतना बेखबर भी ई ई
आया दिलबरों में तो है काफी इक नजर भी
रफी-इन नजरों को यारों क्या जानू मैं अनजाना
एक जानिब शम्मे महफिल एक जानिब रुप जाना
ओ ३ गिरता है देखे
कहां परवाना आं आं एक जानिब शम्मे महफिल
मन्नाडे-हूं ३-ला ला लारा रा रा
रफी-ला ला लारा ला लारा क्या २ रंग निकले
हसीनों की सादगी से
मन्नाडे-ओ २ इतनी है शिकायतकी मिलते हैं अजनबीसे
रफी-जो ऐसा बेपरवा क्या उससे दिल उलझाना आं आं
एक जानिब शम्मे महफिल मन्नाडे-ओ एक जानिब रूप जाना
दोनो-ओ २ गिरता है देखें कहां परवाना आं आं

एक जानिब शम्मे महफिल एक जानिब रुए जानां
ओ औ २ गिरता है देखें कहां परवाना
एक जानिब शम्मे महफिल

रफी–५– वादियां मेरा दामन, रास्ते मेरी बाहें
जाओ मेरे सिवा तुम कहां जाओगे
वादियां मेरा दामन, रास्ते मेरी बाहें
जाओ मेरे सिवा तुम कहां जाओगे वादियां मेरा दामन
जब चुराओगे मन तुम किसी बातसे शाखे गुल छेड देगी मेरे हाथसे
अपनी ही जुल्फ को और उलझाओगे
वादियां मेरा दामन, रास्ते मेरी बाहें
जाओ मेरे सिवा तुम कहां जाओगे वादीयां मेरा दामन
जबसे मिलने लगी तुमसे राहें मेरी चांद सूरज बनी दो निगाहें मेरी
तुम कहीं भी रहो तुम नजर आओगे
वादीयां मेरा दामन रास्ते मेरी बाहे जाओ मेरे सिवा तुम कहां
जाओगे, वादीयां मेरा दामन रास्ते मेरी बाहे
जाओ मेरे सिवा तुम कहां जाओगे वादीयां मेरा दामन

६–लडका–हे–हे–हे–हे ला...ल...ल ल...ला हे–हे–हे–हे
लडकी–प्यार हुआ है जबसे मुझको नहीं चैन आता छुपके नजरसे.
दिलसे नहीं जाता अरे प्यार हुआ जबसे
मुझको नहीं चैन आता छुपके नजरसे भी तू दिलसे नहीं जाता
लडका–लिपटी है तू मेरी ही बाहों से

लडकी-फिर है सजना ओझल क्यों मेरी निगाहों से
लडका-मैं हूं तेरे दिलमें (हाय) फीर भी मेरी जां
तूने ही मुझको नहीं देखा, मैं करुं क्या
लडकी-अरे प्यार हुआ है जबसे मुझको नहीं चैन आता
छुपके नजर से भी तू दिल से नहीं जाता
लडका-अरे प्यार हुआ है जबसे मुझको नहीं चैन आता
छुपके नजर से भी तू दिल से नहीं जाता
लडकी—रखना दिल को लेकर इन हाथों में
लडका—दिल है पागल आना न तू इसकी बातों में
लडकी-लेकिन इस दिल पे अरे काबू किसको
ये तो है तेरा दीवाना मैं करूं क्या
लडका-अरे प्यार हुआ है जबसे, मुझको नहीं चैन आता
छुप के नजर से भी तू दिल से नहीं जाता
लडकी-प्यार हुआ है जबसे मुझको नहीं चैन आता
छुप के नजर से भी तू दिल से नहीं जाता
लडका—लूटा तेरे गेसू बिखराने
लडकी--मिलता है क्या ऐ जालिम मुझे सताने में
लडका--तुझको उलझा के मुझको मेरी जां
अच्छी लगती है तेरी सुरत मैं करूं क्या
लडकी-अरे प्यार हुआ है जबसे मुझको नहीं चैन आता
छुप के नजर से भी तू दिल से नहीं जाता

वादियां मेरा दामन रास्ते मेरी बाहें
जाओ मेरे सिवा तुम कहां जाओगे
वादियां मेरा दामन रास्ते मेरी बाहें
जाओ मेरे सिवा तुम कहां जाओगे वादियां मेरा दामन
जब हंसेंगी कली रंग वाली कोई
जब हसेगी कली रंग वाली कोई
और झुक जाएगी तुमपे डाली कोई
सर झुकाए हुए तुम मुझे पाओगे
वादियां मेरा दामन रास्ते मेरी बाहें
जाओ मेरे सिवा तुम कहां जाओगे वादियां मेरा दामन
चल रहे हो जहां इस नगरसे परे चल रहे हो जहां इस नगरसे परे
वो डगर तो गुजरती हैं दिल से मेरे
डगमगाते हुए तुम यहीं आओगे
वादियां मेरा दामन रास्ते मेरी बांहें
जाओ मेरे सिवा तुम कहां जाओगे
वादियां मेरा दामन रास्ते मेरी बाहें
जाओ मेरे सिवा तुम कहां जाओगे वादियां मेरा दामन

हर प्रकार की नइ और पुरानी फिल्मी गाने की पुस्तकें
मिलने का एक मात्र स्थान
एस. एच. गोंडावाला भारत प्रकाशन
बुक सेलर एन्ड पब्लीशर्स, दो टांकी बाप्टी रोड, बम्बई ८

अनारकली

कीमत १० पैसे

अनारकली के गाने

कलाकार--बिना रॉय, प्रदीपकुमार वगैरे

१-ऐ बादेसबा आहिस्ता चल यहां सोई है अनारकली
आंखोंमे जल्वे सलीमके लिए खोई हुई है अनारकली
है शाहिदे इश्कका ये मकबरा जरा चल अदबसे ऐ सबा
तुझे याद हो की न याद मुझे याद है वो माजरा
और याद है मुझे वो घडी जब मिलते थे वो प्यारसे
यहां इश्क था वहां प्यार था जहां चली है
वो प्यारसे इतराके अनारकली
तो कहां सलीमने हंसहंस के यह अपनी अनारसे
तू कहे तो तार को तोड दूं तू कहे तो ताजभी छोडदूं
जरा देख यह क्या हवा चली ना रहा सलीम न अनारकली
यह मजार निशानी है प्यारकी उस दर्द भरे करारकी
किसी औरके इंतजारमे यहां सोई कली अनारकी

२-अनारकली-आ आ ऽ यह जिंदगी उसीकी है
जो किसीका होगया प्यारही मे खोगया, यह जिंदगी...
ये बहार ये समां कह रहा है प्यार कर
किसीकी आरजू मे अपने दिलको बेकरार कर
जिंदगी है बेवफा २ लूट प्यारका मजा, यह...
धडक रहा है दिल तो क्या दिलकी धडकने न गिन
फिर कहां ये फुरसते फिर कहां ये दिन रात
आ रही है सदा मस्तीओंमें डूब जा ये जिंदगी

३— वफा की लाज रह जाएगी आजा तेरे आनेसे
मोहब्बतकी नजर नीची न होजाए जमाने आ जाने वफा
कहते है जिसे प्यार जमाने को दिखादे
दुनियां की नजर इश्कके कदमोंपे झुकादे, आ जाने
आजाए मेरा नाज उठानाही पडेगा
जब प्यार किया है तो निभाना ही पडेगा
आ जिनके लिए जानकी बाजी भी लगादे
दुनियां की नजर
आ प्यारके तूफान में लहराके चला आ
हर कैदको हर रस्मको ठुकराके चला आ
आशिक है तो हर चीज मोहब्बत में लुटादे
दुनियां की नजर
दिवाना मोहब्बतका कहीं डर के रुका है
दरबारमें शाहोंके कहीं इश्क झुका है
खुद इश्कके दरबारमें शाहोंको झुकादे

—४—

अनारकली-आजा अबतो आजा, आजा अबतो आजा
मेरी किस्मतके खरीदार, अब तो...
निलाम हो रही है मेरी चाहत भर बाजार
आजा अबतो..
सबने लगाई बोली ललचाई हर नजर मैं तेरी हो चुकी हूं
दुनियां है बेखबर जालिम बडे भोले है मेरे ये तलबगार

हसरत भरी जवानी ये हुस्न ये शबाब
रंगिन दिलकी महफिल मेरे हसीन ख्वाब
गोवा की मेरी दुनिया लूटने को है तैयार अबतो
६—अनारकली-दिलकी लगी क्या ये कभी दिल लगाके देख
आसूं बहाके देख कभी मुस्कुराके देख परवाना जल रहा है
मगर जल रहा है क्यूं ये राज जानना है तो खुदको
जलाके देख मुझसे मत पूछ मेरे इश्कमें क्या रखा है
एक शोला है जो सीनेमें छुपा रखा है मुझसे मत...
दागे दिल दागे जिगर दागे तमन्ना लेकर मैने
विरान बहारोंको सजा रखा है मुझसे मत
है जमाना जिस बेताब मिटाने क लिए मैने उस यादको
सीनेसे लगा रखा है मुझसे मत पूछ...
देखनेवाले मुझे दरदे मोहब्बतकी कसम
मैने इस दर्द में दुनियां को भुला रखा है

—७—

अनारकली-दुआ कर गमे दिल खुदासे दुआ कर
वफाओंका मजबूर दामन बिछाकर
जो बिजली चमकती है उनके महेलपर
वो करले तसल्ली मेरा घर जलाकर दुआ कर
सलामत रहे तू मेरी जान जाए
मुझे इस बहाने से ही मौत आए
करुंगी क्या मै चंद सांसे बचाके दुआ कर

मै क्या दूं तुझे मेरा सब लूट चुका है अब दुआके सिवा
मेरे पास और क्या है गरीबोंका एक आस वही खुदा है
मगर मेरी तुमसे यही इल्तजा है न दिल तोडना
दिलको दुनियां बसाकर दुआ कर गये...
वफाओंका मजबूर दामन...

८— आ आ ऽ
जाग दरदे इश्क जाग दिलको बेकरार कर
छेडके आंसुओंका राग जाग दरद जाग
आंख जरा लगी तेरी साथ जहां सोगया
ये जमीन सोगई ये आसमान सोगया
सोगया प्यार का सुहाग सोगया, जाग...

अनारकली— आ आ आ ऽ
किसको सुनाऊं द स्तां किसको दिखाऊं दिलका दाग
जाऊं कहां कितनी दूरतलक जलता नहीं कोई चिराग
राख बन चुकी है आग दिलको बेकरार कर
छेडके आंसुओं का राग–जाग दरदे..
ऐसी चली हवाये गम ऐसा बदल गया आसमां
रुठके मुझसे चल दिए मेरी खुशी कारवां...
डस रहे है गमके नाग–जाग दरदे...

—९—

अनारकली—इस इंतजार शोक को जलवो की आस है
एक शमां जल रही है वो भी उदास है

मोहब्बत ऐसी धड़कन है जो समझाई नहीं जाती
जबांपर दिलकी बेचैन कभी लाई नहीं जाती
कभी लाई नहीं जाती मोहब्बत ऐसी...
चले आओ चले आओ तकाज़ा है निगाहोंका
किसीकी आरज़ू ऐसे तो ठुकराई नहीं जाती
मोहब्बत ऐसी धड़कन है...
मेरे दिलने बिछाए हैं सजदे आज राहोंमें
जो हालत आशाकी है वो बतलाई नहीं जाती

—९—

अनारकली-मेरी तकदीर मुझे आज कहां लाई है
शीशा शीशा जहां मेरी तमाशाई है
मुझे इल्ज़ाम न देना मेरी बेहोशी का
मेरी मजबूर मोहब्बत की रुसवाई है
मोहब्बत में ऐसे कदम डगमगाए
ज़माना ये समझा के हम पीके आए
जिसे काम हो रात दिन आंसुओंसे उसे हुकूम
ये है हंसे और हंसाए
ज़माना ये समझा के हम पिके आए, पिके आए
किसीकी मोहब्बतमें मजबूर होकर
हम उनतक तो पहुंचे वो हम तक न आए
वो जिनके लिए जिंदगानी लुटादी
ये बैठे हुए हैं मेरा दिल चुराए

जमाना ये समझा के हम पिके आए
छुपोगे कहांतक नजर तो मिलाओ तुम्हारी बला के
मेरी जान जाए, जमाना ये समझा...

-१०-

जिंदगी बेबस हुई बेकसी का साथ है
एक हम है कफसमें या खुदा की जात है
ओ आसमान वाले शिकवा है जिंदगीका
सुन दास्तान गमका अफसाना बेकसी का
तू देखता रहे और दुनियां हमें सजादे
क्या जुल्म है मोहब्बत इतना जरा बतादे
मंझिल पे क्यूं लूटा है ये कारवां खुशीका
ओ आसमान वाले शिकवा है जिंदगीका, सुन...
इतनीसी इलतजा है तुझसे मेरी दुआ की
अल्लाह शर्म रखना दुनियामें तू वफा की
होता है मोतहीस अंजाम जिंदगीका
ओ आसमान वाले शिकवा है

-११-

अनारकली-आ आ ऽ
यह जिंदगी उसीकी है जो किसीका होगया
प्यारहीं मे खोगया, ये जिंदगी उसीकी है
जो दिल यहां न मिल सके मिलेंगे उस जहांन में
खिलेंगे हसरतो के फूल जाके आसमान में

ये जिंदगी उसीकी है जो किसीका होगया
प्यारही में खोगया; ये जिंदगी...
सुनायगी ये दास्ताने शमां मेरे मजार की
फिज़ांमें भी खिली रहेगी य कली अनारकी
इसे मजार मत कहो य महल है प्यार का
ये जिंदगी २ की शाम आ तुझे गले लगाऊं मै
तुझीमें डूब जाऊं मै जहांको भूल जाऊं मै
बस एक नजर मेरे सनम अलविदा २

—१३—

जिंदगी प्यारकी दो चार घडी होती है
चाहे थोडी भी हो ये उमर बडी होती है, जिंदगी...
ताज हो तख्त हो या दौलत हो जमाने भरकी
कौनसी चीज मोहब्बतसे बडी होती है, जिंदगी...
दो मोहब्बत भरे दिल प्यारसे मिलते हो जहां
सबसे अच्छी वो मोहब्बत की घडी होती है
जिंदगी प्यार की...

प्रकाशक--एफ. बी. बुरहानपूरवाला, सेंट्रल प्रकाशन, सिंडेक्स बिल्डिंग, पाववाला स्ट्रीट, कृष्णासिनेमा न्यू चार्नीरोड, बंबई ४
मुद्रक--सज्जाद हुसेन कुर्बान हुसन
शाकीर प्रिंटिंग प्रेस, मुझफराबाद हॉल, ग्रांट रोड, बंबई ७

आराधना

* शक्ती सामंता कृत *

डायरेक्टर-शक्ती सामंता 卐 म्युझिक-एस. डी. बर्मन

कलाकार-राजेशखन्ना, शर्मिला टागोर, सुजितकुमार, मदनपुरी

गाने—आनंद बक्षी

आराधना के गाने

किशोरकुमार— १

मेरे सपनों की रानी कब आयेगी तू

आई रुत मस्तानी कब आयेगी तू

बिति जाए जिंदगानी कब आयेगी तू

चली आ तू चली आ......

प्यार की गलियां बागों की कलियां

सब रंगरलियां पूछ रही है

गीत पनघट पे किस दिन गायेगी तू

मेरे सपनों की रानी......

फूल सी खिल के पास आ दिलके

दूर से मिलके चैन न आये

और कब तक मुझे तडपायेगी तू

मेरे सपनों की रानी......

क्या है भरोसा आशिक दिलका

और किसी पे ये आजाए

आ गया तो बहुत तडपायेगी तू, मेरे सपनों...

२

किशोर, लता—

लडका–कोरा कागज था ये मन मेरा
लिख लिया नाम इस पे तेरा

लडकी–सुना आंगन था जिवन मेरा
बस गया प्यार इस में तेरा

लडका–टूट न जाए सपने मै डरता हूं
निस दिन सपनों में देखा करता हूं
नैना कजरारे ये मतवारे इशारे खाली दर्पन था ये मन मेरा
रच गया रुप इस में तेरा कोरा कागज...

लडकी–चैन गंवाया मैने निंदिया गंवाई
सारी सारी रात में जागूं दूं मै दुहाई
कहूं क्या मै आगे, नेहा लागे, जी ना लागे
कोई दुश्मन था ये मन मेरा
बन गया मित जाके तेरा कोरा कागज...

लडका–बागों में फूलों के खिलने से पहले
लडकी–तेरे मेरे नैनों के मिलने से पहले
लडका–कहां थी ये बातें लडका–एसीं रातें
लडकी–मुलाकाते
लडकी–टूटा तारा था ये मन मेरा
लडका–बन गया चांद हो के तेरा

दोनों-कोरा कागज था ये मन मेरा
लिख लिया नाम इस में तेरा

३

रफी, आशा—

लडका-गुनगुना रहे है भंवरे खिल रही है कली २
लडकी-गली गली लडका-कली कली
लडकी-जरा देखो सजन बेईमान भंवरा मुस्काए
लडका-हाय कली यूं शरमाए
घुंघट में गोरी जैसे छुप जाए
लडकी-रुत ऐसी हाय कैसी ये पवन चली गली २
गुनगुना रहे है भंवरे...
लडका-किसी को क्या कहे हम दोनों है देखो
कुछ खोये खोये
लडका-खोये हुए क्या सोय सोय जागे
जिया में अरमान खोये खोये
लडका-रुत ऐसी हाय कैसी ये पवन चली गली गली
गुनगुना रहे है भंवरे...
लडकी-सुनो पास न आओ कली के बहाने प्यार न जताओ
लडका-जाओ चलो बात न बनाओ
भंवरे के बहाने प्यार न जताओ
लडकी-रुत ऐसी हाय कैसी ये पवन चली गली २
गुनगुना रहे है भंवरे...

४

किशोरकुमार—

रुप तेरा मस्ताना प्यार मेरा दिवाना

भूल कोई हमसे ना होजाए

रात नशीली मस्त समां है आज नशे में सारा जहां है

हाय शराबी मौसम बहका, रुप तेरा...

आंखोंसे आंख मिलती है ऐसे बेचैन होके तूफां में जैसे

मौज कोई साहिल से टकराये, रुप तेरा...

रोक रहा है हम को जमाना

दूर ही रहना पास न आना

कैसे मगर कोई दिलको समझाये, रुप तेरा...

५

एस. डी. बर्मन—

बनेगी आशा एक दिन तेरी निराशा

काहे को रोये चाहे जो होये

सफल होगी तेरी आराधना

समा जाय इसमें तूफान जिया तेरा सागर समान

नजर तेरी काहे नादान छलक गई गागर समान

ओ—जाने क्यों तू ने यूं

आंसुओं से नैन भिगोये

काहे को रोये चाहे जो होये

दिया टूटे तो है माटी

जले तो ये ज्योति बने

वह आंसू तो है पानी रुके तो वे मोती बने
ओ ये मोती आंखों की पूंजी है ये ना खोए
काहे को रोये चाहे जो होये......
कहीं पे है दुश्मन की छाया

कहीं पे है खुशियों की धूप
बुरा भला जैसा भी है

यही तो है बगिया का रुप
ओ फूलों से कांटों से माली ने हार पिरोए
काहे को रोये चाहे जो होये......
सफल होगी तेरी आराधना......

६

लता—
चन्दा है तू मेरा सूरज है तू
ओ मेरी आंखों का तारा है तू
जीती हूं मै बस तुझे देखके इस टूटे दिलका सहारा है तू
तू खेले, खेले कई मेरा खिलौना है तू
जिससे बंधी हर आशा मेरी मेरा वो सपना सलोना है तू
नन्हासा है कितना सुंदर है तू
छोटासा है कितना प्यारा है तू, चन्दा है तू...
मुन्ना तू खुश है बडा तेरे गुड्डे की शादी है आज
मै वारी रे मै बलिहारी रे
घूंघट में गुडिया को आती है लाज

यूं ही कभी होगी शादी तेरी
दुल्हा बनेगा कुंवारी है तू, चन्दा है तू...
पुरवाई बन में उडे पंछी चमन में उडे
राम करें कभी होके बडा
तू बन के बादल गगन में उडे
जो भी तुझे देखे वो ये कहे
किस मां का ऐसा दुलारा है तू, चन्दा है तू...

लता, रफी—
लडका–बागों में बहार है लडकी–है
लडका–कलियों पे निखार है लडकी–है
लडका–तुम को मुझसे प्यार है
लडकी–ना ना ना ना ना ना २
लडकी–छोडो हटो जाओ पकडो न बैयां
आऊं ना मै तेरी बातों में सैयां
लडका–तुम ने कहां है देखो, देखो मुझे सैयां
बोलो तुम को इकरार है
लडकी–हां है
लडका–फिर भी इन्कार है लडकी–हां है
लडका–तुमको मुझ से प्यार है
लडकी–ना ना ना ना ना ना

लड़का–तुमने कहा था मैं सो दुःख सहूंगी

छुप के पिया तेरे मन में रहूंगी

लड़की–मैं सब कहूंगी लेकिन वो न कहूंगी

तुमको जिसका इंतजार है लड़का–है

लड़की–फिर भी तकरार है

लड़का–है तुम को मुझ से प्यार है

लड़की–ना ना ना ना ना ना नहीं नहीं नहीं नहीं

लड़की–अच्छा छोडो आगे कहानी

होती है क्या बोलो प्यार की निशानी

लड़का–बेचैन रहती है प्रेम दिवानी

बोलो क्या दिल बेकरार है लड़की–है

लड़का–मुझपे एतबार है लड़की–हां है

लड़का–जीना दुश्वार है लड़की–है है

लड़का–आज सोमवार है लड़की–अरे बाबा है

लड़का–तुम को मुझ से प्यार है

लड़की–है...ना ना ना...ना ना ना

प्रकाशक—एफ. बी. बुरहानपूरवाला, सेंट्रल प्रकाशन, सिम्प्लेक्स बिल्डिंग, पाववाला स्ट्रीट, ड्रीमलैंड सिनेमा, न्यू चार्नीरोड बंबई ४

मुद्रक—एस. के. खरगोनवाला

बार्कार प्रिंटिंग प्रेस, मुझफराबाद हॉल, ग्रांटरोड, बंबई ७

किमत ३० पैसे

भगवान आर्ट प्रॉडक्शन्स

भगवान • गीताबाली

✲ भगवान आर्ट कृन ✲

डायरेक्टर-भगवान + म्यु.-सी. रामचंद्र

कलाकार-भगवान, गीताबाली, बाबूराव, वगैरे

• अलबेला के गाने •

--१--

प्रेम-गजब की निंद है जालिम शबाब सोया है

चमन की गोद में जैसे गुलाब सोया है

आशा-महफिल में मेरी कौन ये दिवाना आ गया

प्रेम-देखा तुम्हें तो हुस्न पे मर जाना आ गया

आशा-आना है मेरे पास तो खंजर को देखले

और युं ही कही आंख के नश्तर को देखले

प्रेम-जब शमां ने पुकारा तो परवाना आ गया

आशा-दिवाने अपने मौत से भी डर नही तुम्हें

प्रेम-दिवाने ऐसे होते है खबर नही तुम्हें

अब हुस्न होशियार का जमाना आ गया

२

लता--

धीरे से आजारी अखियन में निंदिया आजारी

आजा धीरे से आजा

चुपके से तैनन की बगियन मे निंदिया आजारी

लेकर सुहाने सपनो की कलिया

आके बसादे पलको की गलिया

ओ बेर ??ो की छोटीसी गलियन में
६-दोनो तारो से छुपकर तारो से चोरी
देती है चंदा को लोरी
हसता है चंदा भी निंदियन में निंदिया आजारी
३-प्यारे-दिवाना परवाना शमा पे आया
लेके दिल का नजराना
जान जलाये सुख पाए जलने में मजा आये
जलने के ढंग निराले समझे क्या दुनिया वाले
ये इश्क तेरा अफसाना
परवाने के पंख जलाकर शमा पछताए
याद में परवाने की २ सुबह तक नीर बहाये
खेल नही है दिलका लगाना
प्यारे जलने जलाने मे कहानी है प्यार की
आशा-मिटने मिटाने में जवानी प्यार की
प्यारे-प्यार में मरना आशा-जीने का मजा
प्यारे-हसीनो के मुहब्बत में बुरा अंजाम होता है
मेरी जां प्यार म घरबार निलाम होता है
कभी काजल की फरमाइस
कभी पावडर की फरमाइस
कभी सरकार की जिद और कभी थिएटर की फरमाइस
निकलजाती है दिवाला कभी दिलबर की फरमाइस

कचेरी और थाने में बहुत नाम होता है   मचंद्र
टके हो जेब में तो हुस्न भी दिल लगाते है
गले में डालकर बाहें बडी उलफत जगाते है
अगर आशिक हो कडका तो दुर से रास्ता दिखाते है
हो जिनका बैंक में खाता वोही गुलफाम होते है
अगर मानो पते की बात कहता हुं बडी अच्छी
हसीनो से तो साहब खटमल की दोस्ती अच्छी
वह काटता है खटमल देखकर कोई घडी अच्छी
हसीनो का अगर दिन रात यही काम होता है

चितलकर०-   ५

कभी काली रतिया कभी दिन सुहाने
किस्मत की बाते किस्मत ही जाने
ओ येटा जी किस्मत की हवा कभी नरम कभी गरम
बडी अकड से बेटा निकले यकटर होने
वाहरे किस्मत में निकले बर्तन धोने
ओ बेटा जो जीने का मजा...
दुनिया की इस चिडीया घर में तरह २ का जलवा
मिले किसी को सुखी रोटी किसी को पुरी हलवा
ओ बेटा जी खिचडी का मजा...
दर्द दिया था थोडा २ खुशी भी थोडी २
वाहरे मालिक दुख और सुख की बनाई जोडी

ओ बेटा जी जीवन का नशा कभी...

६-दोनो-मेरे दिलकी घड़ी करे टिक टिक

ओ बजे रात के बारा हाय तेरी याद ने मारा
खामोश जमाना सोये एक मेरा ही दिल क्यो रोये
और दिलपे तीर चलाये इक झिलमिल करता तारा
न बने बात कुछ करके
और जले जिया २ चुप रहके
बस तडपे चुपके २ मजबूर कोई बिचारा
अखियो के निंदिया भोगी पलको में रिमझिम लागी
अब आज मिला वो साजन दिल तडप २ के हारा

७-दिल धडके नजर शरमाए
तो समझो प्यार हो गया
रातो में निंद न आए तो समझो प्यार हो गया
अखिया दिन को सपने देखे पागल मनवा डोले
मीठा दर्द उठ जब होले
और याद किसी की आए जिया भर आए
चुपके २ मन में लागे अरमानो का डेरा
कोई किसो की याद में डुबा बैठा रहे अकेला
तस्वीर सी एक बन जाए नजर न आए

--८--

शाम ढले खिडकी तले तुम सीटी बजाना छोडदो

प्यारे-घड़ी २ खिड़की तले तुम तीर चलाना छोड़दो
आशा-रोज २ तुम मेरी गली में चक्कर काटते हो
प्यारे-सच्ची २ कहु में अजी तुमरे वास्ते
आशा-आओ २ होश में आओ

यूं आना जाना छोड़दो

मुझसे तुम्हें क्या मतलब हाय बात जरा बतलाओ
प्यारे-बात फक्त इतनी सी है की तुम मेरी हो जाओ
आशा -एसी बाते अपने दिल मे

साहेब कभी लाना नही

प्यारे-चार महीने मेहनत की है

कभी रंग तो आएगी

आशा-जाओ २ यहां तुम्हारी दाल

कभी गलने न पाएगी

दिलवालो पर रोब जमाना छोड़दो

९-आशा-बालम बड़ा नादान रे

प्रीत की न जान पहचान

पैया पडु हाथ दबाऊं समझते नही कैसे समझाऊं
लाख जतन किये हार गई मै रोगी हो जान गई
बेदर्दी संग नाता लागा

मेरी प्रीत का भाग न जागा

बिनती करुं अब तो मेरी मान रे

१० प्यारे–भोली सूरत दिलके खोटे
नाम बडे और दर्शन खोटे
नये जमाने की नारी ऊंची सेंडल वाकी साडी
नैनो में कजरा होटो पे लाली
कोरस हाथो में कंगना कान में वाली नखरे बडे मोटे
आशा–भोली सूरत दिलके खोटे
नये जमाने के छैला उजले कपडे
दिल है मैला बेरंग इनकी टई
घर में लेकिन कडकी छाई फैशन में दिल लौटे पोते
आशा–हुस्न और इश्क की यही लडाई
शुरु से जगमें होती आई
प्यारे कोई जीते ना कोई हारे
अरे क्यो ना फिर जाए प्यारे
दोनो–ना तुम बडे ना हम छोटे
११–प्यारे धीरे से आजारी अखियन में
निंदिया आजारी आजा
चुपके से नैनन की बगियन में निंदिया आजारी
लेकर सुहाने सपनो की कलिया
आके बसादे पलको की गलिया
पलको की छोटीसी गलियन में निंदिया आजारी
बिमला–जगती है अखिया सोती है किस्मत

दुश्मन गरीब की होती है किस्मत
दम भर गरीबों की कुटिया में निंदिया आजारी
आंखें सबकी है एक जैसी
जैसे अमीरों की गरीबों की एसी
किस्मत के मारों की ..खियन में
निंदिया आजारी आजा...

— १२—

आशा-शोला जो भड़के दिल मेरा धड़के
रंग जवानी का सताये बढ बढ के
महकी हवायें बहके कदम मेरे
पत्ता जो खड़के दिल मेरा धड़के
प्यार को मेरे किसी ने पुकारा
दिलमें उतर गया किसका इशारा
याद किसी की लाई पकड़ के
देखा जो तुमको दर्द गया थम
अब तो न होंगे तुमसे जुदा हम
जी न सकेंगे हम तुमसे बिछड़के

प्रकाशक--एफ. बी. बुरहानपूरवाला, सेंट्रल प्रकाशन
सिम्प्लेक्स बिल्डिंग, पाववाला स्ट्रीट, बंबई ४
मुद्रक--एस. के. खरगोनवाला
बाकीर प्रिंटिंग प्रेस, मुझफराबाद हॉल ग्रांट रोड, बंबई ७

आम्ही जातो अमुच्या गांवा
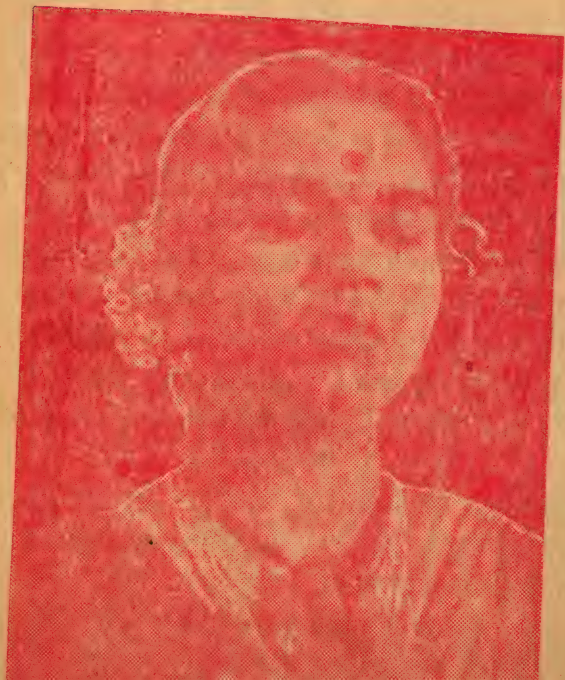
किंमत १० पैसे

कथासार

❖✕❖

श्रीधरपंत हे त्या गांवतील एक सच्छील, प्रामाणिक व्यापारी. लक्ष्मीबाईसारखी सुशील पत्नी. त्यांना लाभली होती नि त्यांच्या ह्या संसारवेलीवर वैजयंतीसारखं गोड कन्यारत्नही फुललं होतं. त्यांच्या संसार सुखाचा होतं होता परंतु माणसाचा अति चांगुलपणा देखील कधींकधीं त्याला अडचणीत टाकनारा ठरतो. श्रीधरपंताचे एक भागिदार शामराव भीमराव खापरतोंडे यानी पंताच्या भोळेपणाचा असाच फायदा उठवला होता. त्यांनी पंताना व्यवहरात फसवून पंताचे घर. जमीन दुकान वगैरे सर्व वस्तूंचा गहाणखाचा कागद लिहुन घेतला घोता. हेत् हाच कि पंत कर्ज फेडण्यास असमर्थ असल्यामुळे त्याच्या सुंदर मुलीचा वैजयंतीच्या हात आपल्या बावलट तोतऱ्या मुलाच्या संदरच्या हातात यावा. हा पेंच पडल्यामुळे स्वत: पंथ त्याची पत्नी व मुलगी संकात सापडली होती.

याच सुमारास संताजी धनाजी व सयाजी ही त्रिमूर्ती त्या घरामध्ये धूमकेतूप्रमाणे उगवली. संताजी हा खूनी होता धनाजी हा तिजोऱ्या फोडणारा

पुढील भाग पढद्यावर पहा

* प्रेम चित्र *

दिग्दर्शक--कमलाकर तोरणे + संगीत--सुधीर फडके

कलाकार--सूर्यकांत, उमा, श्रीकांत मोघे, गणेश सोळंकी, धुमाळ

आम्ही जातो अमुच्या गांवा मधील गाणीं

आशा भोसले- १

मी आज फूल झाले, मी आज फूल झाले
जणु कालच्या कळीला, लावण्यरुप आले
सोन्याहुनी सतेज, ही भासते सकाळ
किरणातुनी रवी हा, फेकीत इंद्रजाल
मी बावरी खुळी ग, या सावलीस भ्याले...१
आली कशी कळेना, ओठांस आज लाली
स्पर्शून जाय वारा, शब्दास जाग आली
फुलवून पाकळ्या मी, ओल्या दंवात न्हाले...२
मी पाहते मला कां डोळे भरुन आज
लागेल दृष्ट माझी, पदरी लपेल लाज
मी आज यौवनाचा, सृंगारसाज ल्याले.. ३

२ --- देहाची तिजोरी भक्तिचाच ठेवा
उघड दार देवा आता, उघड दार देवा
पिते दूध डोळे मिटुनी, जात मांजराची
मनी चोरट्याच्या कां रे, भिती चांदण्याची
सरावल्या हातानाही. कंप का सुटावा...१

उजेडात होते पुण्य, अंधारात पाप
ज्याचे त्याचे हाती आहे, कर्तव्यांचे माप
दुष्ट दुर्जनांची कैसी घडे लोकसेवा...२
स्वार्थ जणू भिंतीवरचा आरसा बिलोरी
आपुलीच प्रतिमा होते आपुलाच वैरी
घडोघडी अपराध्यांचा तोल सावरावा...३
तुझ्या हाती पांडुरंगा तिजोरी फुटावी
मुक्तपण भक्ती माझी, तुझी तू लुटावी
मार्ग तुझ्या राऊळाचा मला ओळखावा.. ४
भलेपणासाठी कोणी बुरेपणा केला
बंधनात असुनी वेडा जगी मुक्त झाला
आपुल्या सौख्यालाही करील तो हेवा...५

आशा, भोसले— ३

ति-स्वप्नांत रंगले मी चित्रांत दंगले मी
सत्यातला जगी या, झोपेत जागले मी
तो-हे वेड प्रेमिकांचे गीतात गाइले मी
हे गीत भावनेचे डोळ्यात पाहिले मी
ति-या वृक्ष वल्लरीना ही ओढ मिलनाची
पाहून जाणिली मी भाषा मुकेपणाची
माझ्या प्रियापुढे का लाजून राहिले मी २
तो-एकांत हा क्षणाचा भासे मुहूर्त वेळा

या नील मंडपात, जमला निसर्ग मेला
मिळवून शब्द सूर, हे हार गुंफिले मी ३
ती—घेशील का सख्या तू हातात हात माझा
तो—हळव्या स्वयंवराला साक्षी वसंत राजा
दोघे—या जन्म सोबतीला, सर्वस्व वाहिले मी ४

४

उषा खाडिलकर—

वरसाचा सण आला त्याला दिवाळी म्हणती
लावा चंदनाची उटी सर्वांगाला
आळी दिवाळी दिवाळी, वरसाचा सण
स्नान गुलाबी पाण्यानं, पहाटेला
आला सण वरसाचा त्याला म्हणती दिवाळी
घालू रंगीत रंगोळी अंगणात

५—उजळ स्मृति कशाला अशून दाटलेली
सांगू कुशी कहाणी स्वप्नात रंगलेली
आतुर लोचनाचे ते लाजरे बहाणे
मौनांत खाटलेले हितगूजाहि दिवाणे
नाती मनामनाची भाषाविनाच जुळली १
ते फूल भावनेचे कोषात सुकले
संगीत अंतरीचे ओठी विरुन गेले
हृदयास जाळणारी आता व्यथाच उरली २
तू दाविलेस सख्या मज चित्र नंदनाचे

उधळून तेच गेले संचीत जिवनाचँ
आता कुठं किनारा, माझी दिशाच चुकली ३

६-- हवास मज तू हवास तू
प्रिया नाचते आनंदाने, दूर उमा का उदास तू
मदनासम हे रुप देखण, शब्दाविण हे मुक्त बोलणँ
तुझ्यापुढँ मज गगन ठेंगणे ज्योति मी अन प्रकाश तू...
या तजस्वा डोळ्यामधुनी भरादिवसा हो रात चांदणे
मुखचंद्राच्या कलाकलानी हासविणारा सुहास तू...
तरुणाच्या झारवती मोहोळ होऊन बसली प्रिति
या प्रितिच्या पूर्तीसाठी करशील का रे प्रयास तू ..

७ ब्रह्मा विष्णु आणि महेश्वर सामोरी बसले मला हे दत्तगुरु दिसले
माय उभी ही गाय होऊनी पुढे वासरु पाहे वळुनी
कृतज्ञतेचे श्वान बिचारे पायावर झुकले
चरण शुभकर फिरता तुमचे मंदिर बनले उभया घराचे
घुमटामधुनी हृदयापाखरु स्वानंद फिरले
तुम्हीच केली सारी किमया कृतार्थ झाली माझी काया
तुमच्या हाती माझ्या भंवती औदुंबर बसले

प्रकाशक-एफ. बी. बुरहानपूरवाला, सेंट्रल प्रकाशन, सिम्प्लेक्स बिल्डिंग पाववाला स्ट्रीट, कृष्णासिनेमा न्यू चार्नीरोड, बंबई ४
मुद्रक-सज्जाद हुसेन कुर्बान हुसेन
बाकिर प्रिंटिंग प्रेस, मुझफराबाद हॉल, ग्राट रोड, बंबई ७

आन

त ५० पैसे

सरदार त्रिलोचन सिंह बुक सेलर, इन्दौर-१
तार: हिटसंगीत फोन 30627

मेहबूब प्रोडक्शँस
आन के गीत

दिलीपकुमार, निम्मी, प्रेमनाथ, नादिरा आदि।
गीत - शकील   सगीत - नौशाद
निर्देशक – मेहबूब

---

१ लता व कोरस

आज मेरे मन में सखी बांसुरी बजाये कोई
प्यार भरे गीत सखी बार बार गाये कोई
बांसुरी बजाये सखी गीत गाये सखी री
कोई छेलवा हो कोई अलबेलवा हो कोई छेलवा हो
रँग मेरी जवानी का लिए घर आया है सावन
मेरे नैयनों में है साजन
इन ऊदी घटाओं में सखो नाचे मेरा मन
दिल के हिंडोले पे मुझे झूलना झुलाए कोई, प्यार
कहता है इशारों में कोई आ मुझे अम्बुआ के तले मिल
भला वो कौन है घायल
मैं नाम न लूं आज सखी धड़के मेरा दिल
ताल पे जीवन के मधुर रागनी सुनाए कोई, प्यार...

२ शमशाद–आई हो खेतों की रानी आई हो
मैं हूं रानी राजा की राजा मेरा पिया

प्रीत नगर में राज करुं मैं बनके सजनियाँ तेरी
महल दो महले धनवानों के दिल की नगरिया मेरी
चाहा जिसको मैंने दिल उसको दे दिया
किसी को क्या...
छोड़के अपने पी की डगरिया और कहीं न जाऊँ
जीत लिया है तनमन जिसने गीत उसी के गाऊं
पी पी की धुन में हरदम नाचे मेरा मन
लिया किसी का क्या हो

३ शमशाद-मुहब्बत चूमें जिनके हाथ
जवानी पाँव पड़े दिन रात
सुने फिर हाय वो किसी की बात
रफी-मुहब्बत चूमें जिनके हाथ जवानी पाँव पड़े दिन-रात
सुने फिर हाय वो किसी की बात
एक तो सुन्दर मुखड़ा उनका उस पर लाख अदायें
हम अपने दिल को कहाँ ले जाये
अकेले दूर खड़े ललचाए
चांद सितारे मस्त नजारे सब है उन्ही के साथ
मुहब्बत चूमें....
रुप नगर से आकर चन्दा उनका रुप चुराये
मेरा मन देख देख रह जाये

भला ये बात मुझे क्यों भाये
नैनों में उनके काजल बनके रहे सुहानी रात मुहब्बत....

४ शमशाद बेगम

आग लगी तन मन में दिल को पड़ा थामना
राम जाने कब होगा सैयाजी का सामना
सूनी है आज पिया मोरी अटरिया
दिल तड़पे जैसे बिन जल को मछरिया
जरा लीजो खबरिया
आन पड़े मुश्किल तो आए कोई काम ना
राम जाने....
साजन की याद मुझे पल पल सताए
तन का सिंगार मेरे मन को न भाये
देखो नैना भर आये
प्यार मेरा हो जाए कहीं बदनाम ना, राम जाने
लागी न छूटे करु कोई बहाना
दिल मेरा बना पिया तेरा निशाना
आया नाजुक जमाना
हो बुरा उल्फत का देखो अन्जाम ना राम जाने....

५ शमशाद बेगम, लता व कोरस–

खेलो रंग हमारे संग आज दिन रंग रंगीला आया
होऽऽ दिन रंग रंगीला आया

नगर नगर में रिमझिम रंग अनोखा बरसे
कैसे मैं खेलूँ फाग मेरा दिल पिया मिलन को तरसे
देखो मेरी चुनरी का रग सखी धानी है
खो ना देना ये प्यार की निशानी है
मैं हूं तेरे सग बलम तू है मेरे सग
रग डालो रंग डालो रंग खेलो रंग...
आओ आओ सजन हमरे द्वार
रग डालूँ तुम पर हजार हो 5
आओ आओ सजन हमारे द्वार
आज कोई राजा न आज कोई रानी है
प्यार भरे जीवन की एक ही कहानी है
हो रँग डालो रग डालो रग खेलो....

६ रफी–दिल में छुपा के प्यार का तूफान ले चले
हम आज अपनी मौत का सामान ले चले २
दिल में...
मिटता है कौन देखिये, उलफत की राह में २
वो ले चले है आन तो हम जान ले चले
मौत का सामान ले चले, दिल में....
मजिल पे होगा फैसला, किस्मत के खेल का २
कर दे जो दिल का खून वो मेहमान ले चले
मौत का सामान ले चले दिल में....

७ रफी–दिल को हुआ तुझसे प्यार
अब है तुम्हें इख्त्यार
चाहें बना दो चाहे मिटा दो
टकरा गया उनसे दिल ही तो है 6
रोये न यह क्यों घायल ही तो है २ टकरा....
वो प्यार से नफरत करते हैं
हम हैं के उन्हीं पर मरते है
अब कैसे निभे मुश्किल ही तो है, घायल ही तो है
टकरा गया...
बेदर्द को ऐ दिल याद न कर
तड़पे जा यूँ ही फरियाद न कर
क्यों रहम करे कातिल ही तो है, टकरा गया....

८ रफी–मान मेरा एहसान अरे नादान
कि मैंने तुझसे किया है प्यार २
मेरी नजर की धूप न भरती रुप
तो होता हुस्न तेरा बेकार
मैंने तुझसे किया है प्यार
उल्फत न सही नफरत ही सही
इसको भी मुहब्बत कहते है
तू लाख छिपाये भेद मगर हम
दिल में समाए रहते है

तेरे भी दिल में आग उठी है जाग
जुबाँ से चाहे न कर इकरार, कि मैंने तुझसे ...
अपना न बना लूँ तुझको अगर
इक रोज तो मेरा नाम नहीं 1
पत्थर का जिगर पानी कर दूं
यह तो कोई मुश्किल काम नहीं
छोड़ दे अब ये खेल तू करले मेल मेरे संग
मान ले अपनी हार कि मैंने तुझसे....

९ लता, शमशाद साथी—

गाओ तराने मन के जी आशा आई है दुल्हन बन के
जी नाचो नाचो मन के ताल पे
छम छम छम छम २
आज खुशी बन-ठन के जो घर आई है निर्धन के
नाचो मन की ताल पे छम छम छम छम २
धक धक मन में ढोलक बाजे
छमछम छम छम पग में पायल २
बालम की नजरों ने
किया है आज मेरा दिल घायल २
भेद में अपना खोलूँ ना कुछ बोलूं ना
तीर चले चितवन के जी
रिमझिम दिन आए सावन के नाचो नाचो....

अपने पिया की जोगन बन जा छोड़ के महल दो महले
फूल वही सच्चा है जो काँटों के दुख भी झेले
प्यार को जब तुम जानोगे फिर मानोगे
दीप नए जीवन के जो मिलते है द्वारे साजन के
जो नाचो मन के....

१० रफी–चुपचाप सो रहे है वो आनबान वाले
आखिर गिरे जमीं पर ऊंची उड़ान वाले

लता–तुझे खो दिया हमने पाने के बाद
तेरी याद आई तेरे जाने के बाद 8
तेरी याद आई तुझे खो दिया....
मिला था न जब तक, जुदाई का गम २
मुहब्बत का मतलब न. समझे थे हम २
तड़पने लगे तीर खाने के बाद
तेरी याद आई तेरे जाने के....
निगाहों में अब तू, समाने लगा है २
तेरा नाम होठों पे आने लगा है
हुए हम तेरे एक जमाने के बाद
तेरी याद आई तेरे जाने के....
मुहब्बत मिली और, तू खो गया २
बदलते ही किस्मत ये. क्या हो गया २
खुशी छीन गई दिल लगाने के बाद तेरी.... तेरे....

आवारा

कीमत ५० पैसे

सरदार त्रिलोचनसिंह बुकसेलर, इन्दौर-1

आर० के० फल्मस—

आवारा के गीत

राजकपूर, नर्गिस, पृथ्वीराजकपूर, लीला चिटणीस.

गीत-हसरत व शेलेन्द्र संगीत-शंकर जयकिशन

निर्देशक-राजकपूर

---

१ रफी साथी-नईया तेरी मझधार होशियार २, हईया २
सूझे आर न पार होशियार
एक ही जीवन नैया कौन खिवैया
तेरी नैया तू ही खिवैया
हिम्मत की पतवार होशियार
कैसा रे खुला आसमान
सम्भल के माँझी सम्भल के
मेरी नाव है तूफान गहरी चंचल धारा
कांच के टुकड़े बहा ले जाता है
लोहा डूब के रह जाता है
ज्ञानी सोच विचार होशियार नेया तेरी...

२ पतिव्रता मुझको तूने दिया वनवास
क्यों न फटा धरती का कलेजा क्यों न फटा आकाश
जुल्म सहे भारी जनक दुलारी जनक राजा की प्यारी
फिरे है मारी मारी जनक दुलारी
सिर पे मोती जल में सुन्दर कमल खिलाय
अजब तेरी लीला गिरधारी

३ मुकेश–आवारा हूँ आवारा हूँ
या गर्दिश में आसमान का तारा हूँ आवारा हूँ....
घरबार नहीं सन्सार नहीं
मुझको किसी से प्यार नहीं २
उस पार किसी से मिलने का इकरार नहीं
मुझको किसी से प्यार नहीं
अन्जान नगर २ सुनसान डगर का प्यारा हूँ
आवारा हूँ ..
आबाद नहीं बरबाद सही
गाता हूँ खुशी के गीत मगर २
जख्मों से भरा सीना है मेरा
हँसती है मगर ये मस्त नजर
दुनिया ऽऽ दुनिया में तेरे तीर का या
तकदीर का मारा हूँ.... आवारा हूँ...

४ शमशाद बेगम—एक दो तीन आजा मौसम है रंगीन २
रात को छुपके मिलना दुनिया समझे
मेरे पर ये मस्त जवानी है तेरे लिये ये दीवानी
डूबके इस गहरे पानी में देखले कितना पानी है
क्यों तू मुझको ठुकराता है
मुझसे नजर क्यों चुराता है
लूटले दुनिया तेरी है प्यार से क्यों घबराता है
एक दो तीन

५ लता-जब से बलम घर आए
जियरा मचल मचल जाये २
दिल ने दिल से कहा था फसाना
लौट आया है गुजरा जमाना
खुशियाँ साथ साथ लाये जियरा मचल मचल जाये
जबसे बलम घर....
ला के आंखों से दिल में बिठाऊँ
मुस्कुराके सितारे लुटाऊं
आशा झूम झूम गाये जियरा मचल मचल जाये
जबसे बलम घर...
दिल है अपने मोहब्बत जवाँ है

उनसे आबाद दिल का जहाँ है
मन के चोर चले आए जियरा मचल मचल जाये
जबसे बलम घर आये...

६ लता–दम भर जो उधर मुँह फेरे ओ चन्दा
मैं उनसे प्यार कर लूंगी नजरों को चार कर लूंगी
बातें हजार कर लूंगी

मुकेश–दम भर जो....
मैं उनसे प्यार कर लूँगा नजरों को चार कर लूंगा
बातें हजार कर लूँगा

लता–दिल करता है प्यार के सदके
और मैं भी उनके साथ
चाँद को चन्दा रोज ही देखे
मेरी पहली रात होऽ मेरी पहली रात
अब बादल में छुप जारे ओ चन्दा मैं उससे ...

मुकेश–मै चोर हूँ काम है चोरी दुनिया में हूँ बदनाम
दिल को चुराता आया हूँ मैं, है यही मेरा काम
आना तू गवाही देने २ ओ चन्दा
मैं उनसे प्यार कर लूंगा नजरों को चार कर लूंगा

लता–दिलको चुराकर खो मत जाना राह न जाना भूल

इन कदमों से कुचल न देना मेरे दिल का फूल
ये बात उन्हें समझा रे २ ओ चन्दा मैं उनसे...

७ लता–तेरे बिना आग ये चांदनो तू आजा तू आजा
तेरे बिना बेसूरी बांसूरी ये मेरी जिन्दगी
दर्द की रागिनी तू आजा तू आजा

मन्नाडे व कोरस–ओ ये नहीं है २ जिन्दगो जिन्दगी
जिन्दगी को इस चिता में जिन्दा जल रहा हूं आज
सांस के ये चोर चीरते हैं आर पार
बे-मौत बेरहम न बाँध मुझको अपनी बांह में
ओ ऽऽ मुझको ये न नरक चाहिए
मुझको फूल मुझको मोत मुझकों प्रोत चाहिए
मुझको चाहिए बहार २

लता–घर आया मेरा परदेशी
प्यास बुझी मेरी अँखियन की कोरस–आलाप
तू मेंरे मन का मोतो है इन नयनों की ज्योति है
याद रहे मेरे बचपन की घर आया मेरा परदेशी
अब दिल तोड़ के मत जाना रोती छोड़ के मत जाना
कसम तुझे मेरे असूं अन की घर आया....

८ लता–आ जाओ तड़पते हैं अरमाँ
अब रात गुजरने वाली है २
मैं रोऊँ यहाँ तुम चुप हो वहाँ
अब रात गुजरने वाली है२
ओ ऽऽ चांद की रंगत उड़ने लगी
लो तारों के दिन अब, डूब गये २
है दर्द भरा बैचेन समाँ अब रात गुजरने वाली है
एक चाँद की डोली में आई नजर
ये रात की दुल्हन, चल दी किधर २
आवाज तो दो सोये हो कहाँ अब रात....

घबरा के नजर भी हार गई
तकदीर को भी नींद आने लगी नींद आने लगी
तुम आते नहीं मै जाऊँ कहाँ अब रात....

९ लता–इक बेवफा से प्यार किया
उससे नजर को चार किया
हाय रे हमने ये क्या किया हाय क्या किया क्या
इक बेवफा...

भोली सूरत वाला निकला लुटेरा
रात छिपाए दिल में मुँह पे सबेरा

हमने दिल निसार किया
उलफत का इकरार किया हाय रे....
दे गई धोखा हमें, नीली नीली आंखे २
सूनी है दिल की महफिल, भीगी भीगी आँखे २
हमने ऐतबार किया खुदको बेकरार किया हाय रे....

१० मुकेश–हम तुमसे मोहब्बत करके सनम
रोते भी रहे हंसते भी रहे
खुश होके सहे उल्फत के सितम
रोते भी रहे हँसते भी रहे
ए ऽऽ दिलकी लगी क्या तुझको खबर तुझको खबर
इक दर्द उठा भर आई नजर, भर आई नजर २
खामोश थे हम २ इस गम की कसम रोते भी....
ये दिल जो जला एक आग लगी आग लगी
आँसू जो बहें बरसात हुई बरसात हुई
बादल की तरह २ आवारा थे हम
रोते भी रहे हंसते भी रहे हम तुम से....

बीस साल बाद

और

अदालत

[कीमत ५० पैसे]

सरदार त्रिलोचनसिंह बुकसेलर, इन्दौर-1

गीतांजली पिक्चर्स—

बीस साल बाद

कलाकार—वहीदा रहमान, विश्वजीत, मनमोहनकृष्ण
असित सेन, सज्जन आदि

निर्देशक—हीरेन नाग　　　　संगीत—हेमन्त कुमार

---

१ लता—सपने सुहाने लड़कपन के ।
मेरे नैनों में डोले बहार बनके ।२
जब छाए घटा मतवारी मेरे दिल पे चलाये आरी
घबराये अकेले मनवा मैं लेके जवानी हारी
कैसे कटे दिन यह उलझन के
कोई ला दे जमाने वो बचपन के
सपने सुहाने....　　　मेरे नैनों में....
जब दूर पपीहा बोले दिल खाये मेरा हिचकोले
मैं लाज से मर मर जाऊं जब फूल पे भँवरा डोले
छेड़े पवनिया तराने मनके
मुझे भाए न यह रंग जीवन के　　　सपने सुहाने....

२ लता—कहीं दीप जले कहीं दिल
जरा देख ले आकर परवानेऽऽ
तेरी कौन सी है मंजिल　　　कहीं दीप जले....
ना मैं सपना हूं ना कोई राज हूं
एक दर्द भरी आवाज हूं

पिया देर ना कर आ मिल
जरा देख ले आ कर परवाने
तेरी कौन सी है मंजिल कहीं दीप....
दुश्मन है हजारों यहाँ जान के
जरा मिल ना नजर पहचान के, कई रूप में है कातिल
जरा देख ले.... तेरी कौन.... कहीं दीप जले....

३ हेमन्त कुमार–जरा नजरों से कह दो जीं
निशाना चूक ना जाये जरा नजरों....
मजा जब है तुम्हारी हर अदा कातिल ही कहलाए
जरा नजरों से....

कातिल तुम्हें पुकारूँ की जाने वफा कहूं
हैरत में पड़गया गया हूं कि मैं तुमको क्या कहूं
जमाना है तुम्हारा चाहे जिसकी जिन्दगी ले लो
अगर मेरा कहा मानो तो ऐसे खेल न खेलो
तुम्हारी इस शरारत से न जाने किसकी मौत आ जाये
जरा नजरों से....
कितनी मासूम लग रही हो तुम
तुमको जालिम कहे वो झूठा है
ये भोलापन तुम्हारा यह शरारत और यह शोखी
जरूरत क्या तुम्हें तलवार की तीरों खन्जर की
नजर भर कर जिसे तुम देख लो

वह खुद ही मर जाये जरा नजरों से....
हम पर क्यों इस कदर बिगड़ती हो
छेड़ने वाले तुमको और भी है ४
बहारों पर करो गुस्सा उलझती है जो आखों से
हवाओं पर करो गुस्सा जो टकराती है जुल्फों से
कही ऐसा न हो कोई तुम्हारा दिल भी ले जाये
जरा नजरों....

४ हेमन्त–बेकरार करके हमें यूँ न जाइये]
आपको हमारी कसम लौट आईये]२
देखिए वह काली काली बदलियां
जुल्फ की घटा चुरा न ले कहीं
चोरी चोरी आके शोख बिजलियां
आपकी अदा चुरा न ले कहीं
यूँ कदम अकेले ना आगे बढाईये
आपको हमारी कसम लौट आईये बेकरार....

देखिये गुलाब की यह डालियाँ
बढ़के चुम न ले आपके कदम
खोये खोये भँवरे भी हैं बागों में
कोई आपको बना न ले सनम
बहकी बहकी नजरो से खुद को बचाईये
आपको हमारी कसम लौट आईये बेकरार....

जिन्दगी के रास्ते अजीब है

उनपे इस तरह चला न कीजिये
खैर है इसी में आपको हुजूर
अपना कोई साथी ढूँढ़ लीजिए
सुनके दिल की बात यूं न मुस्कुराईये आपको....

५ लता—ऐ मुहब्बत मेरी दुनिया में तेरा काम न था
तू न आई थी तो गम का भी कहीं नाम न था. ऐ....
जाने क्यूं आज है शिकवा मुझे दुनिया भर से
इससे पहले तो किसी पर कोई इल्जाम न था, ऐ....
मेरी किस्मत के मुझे अश्क ही पीने को मिले
मेरे हिस्से में मुहब्बत का कोई जाम न था ऐ....
देने वाले मुझे क्यूं तूने मुहब्बत दे दी
क्या गमें इश्क से पहले मुझे आराम न था ऐ....

क्वात्रा फिल्मस कृत....

अदालत

नर्गिस, प्रदीप कुमार, जवाहर, माला, प्राण आदि ।
संगीत—मदन मोहन गीत—राजा मेंहदी अलीखाँ

१— दुपट्टा मेरा मलमल का रंग सलेटी हलका
जमाना लुट जायेगा सर से अगर ढलका
बटन मेरे कुरते के सितारे आसमानी सजना

इसलिये देखा न अन्धेरा कभी तेरे अँगना
हमारी गली मत आना यह जालिम रस्ते है
पड़ा है महँगा दिलवालों को लुटेरे यहाँ बसते है
हम सा भी कोई न जमाने में निडर होगा
वहाँ पे दम तोड़ेंगे जहाँ पे तेरा दर होगा

२– जमीं से आसमाँ पर बिठाके गिरा तो न दोगे
अगर हम यह पूछे कि
दिल में बसा के भूला तो न दोगे
ऐ रात इस वक्त आँचल में
तेरे जितने भी है वह सितारे
जो दे दे तू मुझको तो फिर मैं लुटा दूं
किसी की नजर पे यह सारे
कहो के यह रंगीन सपने सजा के मिटा तो न दोगे
अगर हम यह पूछे कि
दिल में बसा के भुला तो न दोगे
तुम्हारे सहारे निकल तो पड़े है
है मंजिल कहाँ दिल न जाने
जो तुम साथ दो ग जायेगी
एक दिन मंजिल गले से लगाले
इतना तो दिल को यकीं हैं हमें तुम दगा तो न दोगे
अगर हम यह....

ना था हमसे दूर बहाने बना लिये
तुमने कितनी दूर ठिकाने बना लिये जाना....
रुखसत के वक्त तुमने जो आँसू हमें दिये
उन आँसुओं से हमने फसाने बना लिए जाना....
दिल को मिले जो दाग जिगर को मिले जो दर्द
इन दौलतों से हमने खजाने बना लिये जाना....

४ लता–यूं हसरतों हसरतों के दाग मुहब्बत में धो लिए
खुद दिल से दिल की बात कहीं और रो दिये
यूँ हसरतों के दाग ७
घर से चले थे हम तो खुशी की तलाश में २
खुशी की तलाश में
गम राह में खड़े थे वही साथ हो लिए
खुद दिल से.... यूं हसरतों....
होठो को सी चुके तो जमाने ने ये कहा २
जमाने ने ये कहा
ये चुप सी क्यूं लगी है अजी कुछ तो बोलिए
खुद दिल से.... यूं हसरतों....
मुरझा चुका है फिर भी यह दिल फूल ही तो है२
यह दिल फूल ही तो है
अब आपकी खुशी इसे कांटों में तोलिये यूं....

५ लता व आशा- जा जा जारे जा साजना

काहे सपनों में आये जाके देश पराये बेवफा
तुझको गरज क्या मेरी वफा से
जायूँ या मरुं मैं तेरी बला से
जाजा जारे काहे सपनों में आये, जाके देश पराये बेवफा
दिल तो दिया था तुझे बड़े अरमान से
प्यार जगाया भी तो किस बेईमान से
दे ही गया जो दगा
दो दिन के पहले झुठी खुशी दी
दर्द भरी फिर यह जिन्दगी दी
हाथ क्यों पकड़ बैठी मीत का
ढग न आये जिसे जरा भी प्रीत का
जाने न क्या है वफा

६ लता—उनको ये शिकायत है कि हम, कुछ नहीं कहते २
अपनी तो ये आदत है कि हम, कुछ नहीं कहते २
उनको ये शिकायत हैं
कहने को बहुत कुछ था, अगर कहने पे आते २
दुनिया की इनायत है कि हम, कुछ नहीं कहते २
उनको ये शिकायत है
कुछ कहने पे तूफान, उठा लेती है दुनिया२
अब इसपे कयामत है कि हम, कुछ नहीं कहते २
उनको ये....

चांदनी

किमत ५० पैसे

यश चोपरास

निर्देशक-यश चोपरा संगीत-शीव हरी

कलाकार-विनोद खन्ना, रीषी कपुर, श्रीदेवी

गीत-आनंद बक्षी

चांदनी के गाने

१-लता मंगेशकर

मेरे हाथों मे नौ नौ चूडियां है
थोडा ठहरो सजन मजबूरियां है
लम्बी ये काली काली बातों मे
काही चूडियां खनकती है हाथों मे
न आना तु निगोडी चूडियों की बातों मे
ले जा तु वापीस तु अपनी बरात मु'ड्या
मै नही जाना, नही जाना तेरे साथ मु'ड्या
सतायेगा जगायेगा तु सारी रात मु'डया
आते जाते गली मे मेरा दिल धडके
मेरे पीछे पडे है आठ दस लडके
ले जाये किसी दिन ये सपेरे नागीन बनके
मेरे पीछे पडे है आठ दस लडके
हाय मेरे घुटनों से लम्बी हाय मेरी चोटी है
मेरी मेरी आंख, शितरंज की गोटी है

मेरे बाबुल ना फिर कहना अभी तू छोटी है
मेरे दरजी से आज मेरी जंग हो गयी
कल चोली सिलाई आज तंग हो गयी
करे वे क्या, तु लडकी थी अब पतंग हो गयी
मेरे सैयां किया ये बुरा काम तु ने
कोरे कागज पर लिख दिया नाम तु ने
कही का भी नही' छोडा मुझे हाय राम तु ने

२-लता मंगेशकर, विनोद राठोड

महबूबा-अरे शहरो मे से शहर चुना
मइ शहर चुना था दिल्ली
दिल्ली शहर मे चांदनी नाम की लडकी मुझ से मिल।
उसकी झील सी आंखों मे हाले दिल मेरा डूबा,
बनी वो मेरी, यही तो मेरी
तु है वो मेरी मेहबूबा चांदनी मैंने तुझ को देखा तो
पहली नजर में जान लिया है मेरा महबुबा तु ही
मैने तुझे पहचान लिया ख्वाबों और खयालों की
गलियों मे' जिसको दु'ढा, बना तू राही

रोहित हां बनी तु मेरी महबुबा
मुझ को ये परवाह नही
अब क्या सब की मरजी है

चांदनी सब की मरजी को छोडो,
ये रब की मरजी है। रोहीत हम दोनों के बीच मे'
अब ना आये कोई दुजा, बनी तू मेरी,
चांदनी बनी मै तेरी रोहीत तू ही तो मेरी महबुबा
चांदनी मै हु वो तेरी महबूबा

३-पैपीला चोपडा

मै ससुराल नही जाऊंगी।
डोली रख दो कहारे। साल दो साल नही जाऊंगी
पहला सन्देसा ससुर जी का आया,
अच्छा बहाना ये मैने बताया
बुडे-ससुरे के संग नही आऊंगी
दूजा सन्देसा सासु जी का आया,
बुढिया मै हाय मुझे कितना सताया
इस बुढिया को अब मै सताऊंगी
तीजा सन्देसा नंदिया का आया
जिस ने इशारें पर मुझ को नचाया,
इसे घुन्गरु मै अब पहनाऊंगी।
चौथा सन्देसा नन्दोइ जी का आया
मै चल पडी थी मगर बाद आया
इतनी जल्दी मैं उसे मान जाऊंगी।

पांचवा सन्देसा पियाजी का आया,
कोई बहाना न फिर याद आया
नंगे पांव दौडी चली जाऊंगी ।
मै के वापीस मैं लौट के आऊंगी ।
सैयां जी से लिपट मै जाऊंगी ।
हो खूनी सेज सेजरीया सजाऊंगी ।
बन के बिस्तर मे हाय बिछ जाऊंगी ।
— लता मंगेशकर, व बला मेहता
तेरे मेरे होंठो पे, मीठे मीठे गीत मितवा
आगे आगे चले हम, पीछे पीछे प्रीत मितवा ।
पहले पहले प्यार की, पहली रात याद रहेगी
फुलों के इस शहरकी मुलाकात याद रहेगी
काश यही सारी उम्र यूं ही जावे बीत मितवा
आंखियों मे तूं बध जा आंखियां मै बंद करलूं
पहले इन अंखियों से बाते मैं चन्द लूगा
तेरी इन बातों ने, लिया मुझे जीत मितवा
छोटे छोटे दिन रात, लम्बी लम्बी बाते है ।
जल्दी है किस बात की बडी मुलाकातों मे
बातों मुलाकातों मे उमर जाए बीत मितवा
५- तेरे दिल मे मैं अपने अरमान रख दूं

आ मेरी जा मै तुझपे अपनी जान रख दू'
आखे' है तेरी क्यु' खाली खाली
बाते' कहां गयी वो प्यार वाली
तेरे होठों पे अपनी मुस्कान रख दू
आंसू तेरे निकले दिल मेरा रोये
चोट लगे मुझको तो दर्द मुझको होवे
तेरे जख्मों पे अपनी जुबान रख दू'
सैयां ये बइया जरा थाम ले तू
मुहसे किसी चीज का नाम ले तू
तेरे कदमो मे' सारा जहान रख दु

६–श्रीदेवी, ऑली मुखरजी

रंग भरे बादल से तेरे नैनों के काजल से
मैने इस दिल पे लिख दिया
तेरा नाम चांदनी ओ मेरी चांदनी
बिन पूछे ये काम किया
तुमने मुझे बदनाम किया
प्यार मुझे तुम करते हो
फिर किस बात से डरते हो
दिल पे लिखी बातों को पोंछोगे तुम आंचल से
कोइ फुल कोइ तोहफा तुम कुछ भी साथ नही लाये

अपनी महबुबा से मिलने खाली हाथ नही आते
अरे – आज मैं फिर भुल गया
याद रखू गा ये कल से
नाम मेरा दिल पे लिख कर
बस तुम ने बात बनाली है
हाय तुम्हे क्या पता मैंने तो दिल के अन्दर
तेरी तस्वीर लगा ली है अरे प्यार तू जीत गयी
अपने प्रेमी पागल से मैने इस दिल पे लिख दिया.

७–आशा भोसले

पर्बत से काली घटा टकराई
पानी ने कैसी ये आग लगाई
पानी आग लगाई दिल देने दिल लेने की ऋतु आई
मारे शर्म के मै तो सीमट गयी
चुनरी मेरी मुझ से लीपट गयी
ऐसे मै तुने जो की अंगडाई
मस्ती मे आके मै झूम लु'गा
रोको मुझे मै तुम्हे चूम लु'गा
छोडो ना मुझको यु' छोडो कलाई

८ सुरेश वाडकर

लगी आज सावन की फिर वो झडी है

वही आग सीने में फिर जल पडी है
कुछ ऐसे ही दिन थे, वो अब हमे मीले थे
चमन मे नही फुल दिल मे खिले थे
वही तो है मौसम मगर रुत नही हो
मेरे साथ बरसात भी रो पडी है
कोई काश दिल पे जरा हाथ रख दे
मेरे दिल के टुकडो को इक साथ रख दे
मगर ये है ख्वाबों खयालों की बाते
कभी टूट कर चीज कोइ जुडी है

९-नितीन मुकेश, सुरेश वाडकर

तु तु मुझे सुना मैं तुझे सुनाऊं अपनी प्रेमी कहानी
कौन है वो कैसी है वो तेरे सपनों की रानी
रहती है खामोश सदा बस एक पहेली सी वो
हरदम मेरे साथ, मगर लगती है अकेली सी वो
एक ही बात मैं कर जाती है वो कितनी है बाते
उस की बाते खत्म ना हो ढल जाये लम्बी राते

प्रकाशक-एफ. बी. बुरहानपुरवाला, सेंट्रल प्रकाशन,
सिपलेक्स बील्डिंग पाववाला स्ट्रीट बम्बई ४.
मुद्रक-एस.. खरगोनवाला
प्रिंटिंग शाकीरप्रेस, मुजफराबाद हॉल, ग्रान्ट रोड मुं. ७

छुपा रुस्तम

कीमत १३ पैसे

नव केतन इंटरप्राइजेस

डायरेक्टर-विजय आनंद म्यु.-एस. डी. बर्मन

कलाकार-देव आनंद, हेमामालिनी, विजय आनंद, प्रेमनाथ

गीत—नीरज और विजय आनंद

०० छुपा रुस्तम के गाने ००

मन्नाडे व साथी- (कव्वाली) —१—

हम छुपे रुस्तम है कयामत की नजर रखते है
जमीं तो क्या है आस्मां की खबर रखते है
छुप न पाये कोई तस्वीर हमारे आगे
चल न पाए कोई तदबीर हमारे आगे
टूट जाती है खुद शमशीर हमारे आगे
सर झुकाती है हर तकदीर हमारे आगे
राह कांटों में बना लेते है आस्मां सर प उठा लेते है
हम अगर तैश में आ जाये तो-
आग पानी में लगा दते है हमारे दम से ये जमाना है
शराबो-जाम है मयखाना है
हम जहां सर को झुका दें यारों
वहीं काबा वहीं बुतखाना है
हम इन्सां है इन्सां के लिए दार पे सर रखते है
जमीं तो क्या है आस्मां की खबर रखते है
तोरी नजरिया गोरी जैसे रस की नदी लहराये

एकबार जो डुबे इनमें पल पल गोता खाये रामा
नजर ये तीर भी तलवार भी है
नजर ये फूल भी है खार भी है
घटा भी मेघ भी मल्हार भी है
नजर दिल की जुबान होती है
मोतियोंका मकान होती है
प्यार का इम्तहान होती है जमींपर आसमान होती है
नजर उठ जाये तो दुआ बन जाये
अगर झुक जाये तो हया बन जाये
जो तिरछी तो अदा बन जाये
पडे सीधी तो कजा बन जाये
नजर कोई भी हो हम सबपे नजर रखते है
जमीं तो क्या है आसमां की खबर रखते है
हम तेरी तलाश में जाने जहां
जीने का नया दस्तुर बने कभी कैस कभी फरहाद
कभी खैयाम कभी मंसूर बने
क्या-क्या न बने हम तेरे लिए
पर जो भी बने भरपूर बने
अब आये मजा मेरा खूंने-जिगर
तेरी मांग का जब सिंदुर बने
..टखट हम नटवर तेरेलिए

दर-दर घूमे बन-बन भटके पर्वत पे गये सूली पे चढ़े
नित खाये मुकद्दर के झटके
तेरे घूंघटपट की सलवट में
अट-पट ये मोरे नैना अटके
झटपट दे हमें दरसन हम तो
प्यासे है तेरी काली लट के ओ मेरी आरजू आ
ओ मेरी जुस्तजू आ जरा तु रुबरु आ
ले ही जायेंगे उठाके भरी महफिल से तुझे
चुराले आंख से काजल वो हुनर रखते है
हम छुपे रुस्तम है—छुपे रुस्तम है

किशोर कुमार— —२— गीत-नी.र.

धीरे से जाना खटियन में ओ खटमल !
धीरे से जाना खटियन में सोई है राजकुमारी
देख रही मीठे सपने जा जा छुप जा तकियन में
धीरे जाना खटियन में वीरान थी अपनी जिंदगी
और सूना था अपना मकान हाय ! हायरी किस्मत
मिले मुश्किल से ये मेहमान
हो भी जाते शायद मेहरबान
आग लगा दी है सुखन में ओ खटमल !
धीरे से जाना खटियन में
कोमल कोमल है इनका बदन कांटें सी तेरी चुभन

बाधा डाले निंदियन में ओ खटमल
धीरे से जाना खटियन में
हे किधर जाता है ? खबरदार हुं छुप-छुपके
क्यों छुप-छुपके प्यार करे तू
बडा छुपा हुआ रुस्तम है तू
ले ले हमको भी शरण में ओ खटमल
धीरे से जाना खटियन में

किशोर व आशा— —३— गीत—विजय आनंद

जिमी जो मै होता एक टूटा तारा तेरी रातों का
तो क्या होता
बेख्बी—जो मै होती कोई भटकी किरन उस तारे की
तो क्या होता ?
दोनों—बनत संग-संग मिटते संग संग
जीते संग-संग मरते संग-संग
बेख्बी—जो मै होती उडी-उडी नींद तेरी आखों की
तो क्या होता ?
जिमी—जो मै हो ा मीठा मीठा सपना उन नींदों का
तो क्या होता ?
दोनों—बनते संग-संग मिटते संग-संग
जीते संग-संग मरते संग-संग
जिमी—जो मै होता किस्मत का लिखा तेरे हाथों का

भटके पर्वत होता ?

बैजी—जो मै हो छुपा छुपा मतलब तेरी बातों का
तो क्या होता ?

दोनों—बनते संग-संग मिटते संग-संग
जीते संग-संग मरते संग-संग

लता मंगेशकर— —४—

सुनो सुनो सुनो मेरी दुखभरी दास्तां दुखभरी मेरी दास्त
जला मेरा आशिया हाय मै क्या करु
मां मेरी खोई भाई मेरा खोया
प्यार भरी दुनिया मिट गई
महलों की रानी बनी है भिखारिन
बीच डगर मै तो लुट गई
जला मेरा आशिया हाय मै क्या करु

—५—

बैरी है जमाना गांव है अजाना
राहें मुश्किल जहा मुझे जाना
होठ सिले मेरे पाव बधे मेरे नैनो में आंसू की हथकडी
इधर उधर मेरे खडे है लुटेरे देखे कोई मेरी बेबसी
जला मेरा आशिया हाय मै क्या करु

आशा भोसले—लकडी जली कोयला बनी
कोयला बना है धुल मै पापन ऐसी जली
कोयल बनी न धुल दिखे न धुआ दिखे न आगन

ंडियन में अे

(७)

कैसी है ये जलन जलू मै जलू में जले ये मेरा दिल
जले तु जले तु जले तेरा दिल
दिखे न धुआ दिखे न आगन कैसी है ये जलन
शोला है हुस्न मेरा बिजली है जवानी
छूके मुझ जल जाये पत्थर हो या पानी
दिखे न धुआ दिखे न आगन कैसी है ये जलन
ये सितारे अंगारे मेरे तन-बदन के
बर्फ गले रात जले मेरी इस तपन से
दिखे न धुआ दिखे न जगन कैसी है ये जलन

—६—

किशोर आशा—
रीतु—सुनो एक बात तो बताओ
अशिवनी—पुछो पुछो पुछो ना
रीतु—बोलो क्या हमको दोगे दिल जो हमने तुमको
बिना मांगे दे दिया हसते हसते बोलो क्या हमको दोगे
अशिवनी-पुछो क्या हम से लोगे दिल जो हमने तुमसे
बिना पुछे ले लिया हँसते हँसते पुछो क्या हमसे लोगे
रीतु—बहका करे जो तेरी बाहो में
महका करे जो तेरी राहो में चहका करेजो तेरी चाहोमें
घर बसा लें जो हम तेरी निगाहों में तो क्या हमको दोगे...
अशिवनी—दुश्मन जलेंगे जब मिलेंगे हम

प्यासे कभी न फिरे रहेगे हम जल रहा है ?
रीतु—बहुत..........
अशिवनी—बहुत ? तो जलने दो
दुश्मन जलेंगे जब मिलेंगे हम
प्यासे कभी न फिर रहेंगे हम
जन्नत बना लेंगे जमी पे हम
खुशियां रहेगी और रहेगे हम पुछौं क्या हमसे लेंगे
रीतु—तेरी बाहो का जब सहारा हो
रस्ता फिर कितना अंधियारा हो
उठते है तुफां तुम किनारा हो जो कुछ भी अपना है
वो सब-कुछ तुम्हारा हो तो क्य को दूंगे
७—आशा—मर जाऊं शरमाके उई मै हु छुई-मुई...
आखों से देखो लेकीन छुओ न
खिलते बागों की मै कोमल डाली घर मे लाकर रखा तुमने
चाहा दिल से फिर भी मुरझाऊं
मदिरा की हुं प्याली लेकिन छोटी सी
प्यासे हो तुम कूंए जैसे
थर-थर कापु मै डर जाऊं मर जाऊं

प्रकाशक—एफ. बी. बुरहानपुरवाला, सेंट्रल प्रकाशन
सिंप्लेक्स बिल्डिंग, पाववाला स्ट्रीट बंबई ४,
मुद्रक—एस. के. खरगोनवाला
बाकीर प्रिंटिंग प्रेस, मुझफराबाद हॉल ग्रांट रोड बंबई ७

दो आंखें बारह हाथ

कीमत ५० पैसे

राजकमल कला मंदिर–

दो आखें बारह हाथ के गाने

व्ही शाँताराम, सध्या, बाबुराव पेढ़ारकर, उल्हास

निर्देशक–व्ही शांताराम संगीत–बसन्त देसाई

---

१ लता–सैयां झूठों का बड़ा सरताज निकला २
मुझे छोड़ चला मुख मोड़ चला
दिल तोड़ चला बड़ा धोके बाज निकला, सैया....
चल दिया ज़ुल्मी मुझसे बहाना बना
मेरे नन्हे से दिल को निशाना बना
बड़ा तीखा वो २ तीरदाज निकला
मुझे छोड़ चला मुख मोड़ चला
दिल तोड़ चला बड़ा धोकेबाज निकला सैया....
कुछ दिनों से पिया हमसे ना बोलता
ना हमारा घुंघट का पट खोलता
इस गुपचुप का भेद देखो आज निकला
मुझे छोड़ चला मुख मोड़ चला
दिल तोड़ चला बड़ा धोकेबाज निकला सैया....
मैंने इक दिन जरा सी जो की मसखरी २

चला नजरें घुमाके वो गुस्से भरी
मेरा छैला बड़ा २ नाराज निकला मुझे छोड़ चला
मुख मोड़ चला दिल तोड़ चला
बड़ा धोकेबाज निकला सैय्यां....
परदेशी की प्रीत बड़ी होती बुरी
जैसे मीठे जहर की हो मीठी छुरी
मैं तो भोली थी २ वो चालबाज निकला
मुझे छोड़ चला मुख मोड़ चला
दिल तोड़ चला.... सैयां झूठों....

२ लता और कोरस–आओ होनहार हो प्यारे बच्चे
उमर के कच्चे बात के सच्चे
जोवन की इक बात बताऊं
मुसीबतों से डरो नहीं बुजदिल से डरो नहीं
रोते रोते क्या हैं जीना
नाचो दुख में तान के सीना तका तका घुमघुम
रात अँधियारी हो घिरी घटाएं कारी हो
रास्ता सुनसान हो आँधी और तूफान हो
मंजिल तेरी दूर हो पाँव तेरे माजूर हो

तो क्या करोगे रुक जाओगे ना
तो क्या करोगे !! ना तका तका घुम धुम
देश में विपदा भारी हो जनता सब दुखियारी हो
भूखमरी आकाल हो बाढ़ और भूचाल हो
मूल्क में हाहाकार हो चारों तरफ पुकार हो
तो क्या करोगे ? चूप बैठोगे ? ना
तो क्या करोगे ? तका तका घुम घुम....
इन्सानों के दुःख पहचान करके अपना सब कुरबान
बेबस का घर बस जाए
अपना घर जो उजड़ जाए
ओरों को कर आबाद
हुए अगर जो तुम बर्बाद
तो क्या करोगे ? रोओगे ? ना
तो क्या करोगे ? तका तका घुम घुम....

३ मन्नाडे व लता व कोरस–

हो उमड़ घूमड़ कर आई रे घटा२
कारे कारे बदरा की छाई छाई रे घटा
जब सनन पवन को लागा तीर

बादल को चीर निकला रे नीर
झर झर झर झर अब धार झरे
ओ धरती जल से मांग भरे ओ उमड़....
लता—नन्हीं नन्हीं बून्दनियों की
खनन खनन खन खन्जरी
बजाती आई २ देखो भाई बरखा दूल्हनियां २
छुक छुक छुक छुक सैय्याँ
आज डारूं तोहे गल वा की बैय्या छुक सैय्यां
मैं तो नाचूं तेरे संग संग सैय्यां हो सैय्यां हो सैय्यां
हो सावन का सन्देशा लेकर निकली जोगन घर से
जो कोई इसके प्यार को तरसे वही नवेली तरसे
कारे कारे बादरवा की झनन २ झन झाझरी
बजाती आई है देखो भाई
बरखा दुल्हनियाँ हो उमड़ घुमड़....
मीठी मीठी मस्त पवन की सनन २ सन बन्सरी
बजाती आई है देखो भाई बरखा दुल्हनियां हो....
हरी हरी चूनरी साजे कलियों का कंगना बाजे
देखके अपनी बरखा रानी की मीठी मुस्कान रे

सावन के दूल्हे की चमक उठी शान रे
गौरी २ बिजुरिया की चमक चमक चम अखण्डी
चमकाती आई देखो भाई
बरखा दुल्हनियाँ हो उमड़ घुमड़....
रंग बिरंगी झोली भरके भरन २ भण्डार रे
लुटाती आई देखो बरखा दुल्हनियां
धरती ने गठरी खोली
भरो भरो अपनी झोली अनमोली भैया
खेलो खेलो खुशियों की होली
हो होली हो होली धन २ हमारी धरती
सबके जीवन के ये अधूरे सपने पूरे करती
देखो देखो घर घर हमारे लहर लहर आनन्द की
लहराती आई देखो भाई बरखा दुल्हनियां
हो उमड़ घुमड़....

४ लता—मैं गाऊँ तू चूप हो जा मैं जागू रे तू सोजा
धरतीं की काया सोई अम्बर माया सोई
झिल मिल तारों के नीचे सपनों की छाया सोई
मैं ढँढू रे तू सोजा मैं जागूँ रे तू सोजा....

जाने हवाये कहाँ खोई सागर की लहरें सोई
दुनिया का सब दुखड़ा भरके
तेरी दो अँखियाँ क्यूँ रोई
आंसू के शबनम धो जा मैं जागूँ रे तू सोजा....
आँसू तेरे मुझको दे दे बदले में मेरी हंसी ले ले
तेरा तो मन सुख से खेले मेरा हृदय तेरा दुख झेले
नए बीज खुशी के बो जा मैं जागूं रे तू सोजा

९ लता, मन्नाडे व सांथो—

ऐ मालिक तेरे बन्दे हम, ऐसे हो हमारे करम
नेकी पर चले और बदी से टले
ताकि हंसते हुए निकले दम ऐ मालिक....
बड़ा कमजोर है आदमी अभी लाखों हैं इसमें कमी
पर तू जो खड़ा है दयालु बड़ा
तेरी कृपा से धरतीं थमी दिया तूने हमें जब जनम
तू ही झेलेगा हम सबके गम
नेकी पर चले और बदी से टलें
ताकि हँसते हुए निकले दम ऐ मालिक....
जब जूल्मों का हो सामना

तब तू ही हमें थामना
वो बुराई करे हम भलाई करें
नहीं बदले की हो कामना
बढ़ उठे प्यार का हर कदम
और मिटे बैर का ये भरम
नेकी पर चलें और बदी से टलें
ताकि हँसते हुए निकले दम   ऐ मालिक....
ये अन्धेरा घना छा रहा तेरा इन्सान घबरा रहा
हो रहा बेखबर कुछ ना आता नजर
सुख का सूरज ढ़ला जा रहा
है तेरी रोशनी में जो दम
तू अमावस को करदे पूनम   नेकी पर चलें और....
ताकि हँसते हुए निकले दम   ऐ मालिक....

सरदार त्रिलोचनसिंह बुकसेलर, इन्दौर-1

दिल एक मंदिर

— चित्रालिया प्रोडक्शन —

डायरेक्टर-श्रीधर ❀ म्यूज़िक-शंकर जयकिशन

कलाकार-मीना कुमारी, राजेन्द्र कुमार, राज कुमार, शोभा खोटे,

मेहमूद, अचला सचदेव, मनमोहन कृष्ण

गाने - हसरत और शैलेन्द्र

दिल एक मंदिर के गाने

१— यहां कोई नहीं तेरा मेरे सिवा
कहती है झूमती गाती हवा
तुम सबको छोडकर आजाओ आजाओ
तेरे मन की उलझने सुलझाना चाहता हूं
मन के सुनहरे मंदिर में बिठाना चाहता हूं यहां कोई नहीं
बादल भी बनके पानी एक दिन तो बरसता है
लोहा जलके आग में एक दिन तो पिघलता है
जिस दिलमें हो मोहब्बत एक दिन तो तडपाता है यहां कोई नहीं

२— याद न जाय बीते दिनों की
जाके न आय बीते दिनों की
दिन जो पखेरू होते पिंजरे में मैं रख लेता
पालता इनको जतन से मोती के दाने देता
सीने से रहता लगाए याद न जाए
तस्वीर उनकी छुपाके रखूं जहां जी चाहे

मनमें बसी है ये सूरत लेकिन मिटाइ न मिटे
कहने को हैं ये पराए याद न जाए

३— जूही की कली मेरी लाडली
ओ आरी किरन जुग २ तू जिए नन्हीसी परी मैं
लाडली ओ मेरी लाजली
धरती पर उतर आया चन्दा तेरा चेहरा बना
चम्पे का सलोना गुलदस्ता तन तेरा बना
कोमल तितली मेरी लाडली हीरे की कनी
मेरी लाड़ली ओ आश किरन
शरमाए दिवाली तारें की तेरे नैनें से
कोयल ने चुराई है पैहम तेरे नैनें से
गुडिया सी ढली मेरी लाडली मोहे लागे
भली मेरी लाडली मोहे लागे
हर बोल तेरे हमें सिखलाए दुख से लडना
मुस्कान तेरी कहती है सदा धीरज धरना
गंगा की लहरें मेरी लाडली चंचल सागर मेरी लाडली

४— पालन हारे राम है राखन हारे रामा
करदे अपने आपको अरपण उनके नाम
वही भले हो भ्योरी दया सिंधु है राम
दिन बंधु बेदिन के निरबल के बलराम

जो चाहे सो मांग ले दोनों बाहें पसार
देता कब प्रभु नहीं भैया दाता के भंडार

५— हम तेरे प्यारमें सारा आलम खो बैठे हैं २
तुम कहते हो कि एसे प्यार को भुल जाओ २
पंछी से छुडाकर उसका घर तुम अपने घर पर आए
ये प्यार का पिंजरा मन भयाजी भरभर कर हम मुस्काए
जब प्यार हुआ इस पिंजरे से
तुम कहने लगे आजाद हो
तुम अपनी जुबां से ये न कहो
अब तुमसा जहां में कोई नहीं
हम तो तुम्हारे हो बैठे
तुम कहते हो एसे प्यार को
भूल जाओ भूल जाओ
इस तेरे चरन की धुल से हमने
अपनी जीवन मांग भरी
तब ही तो सुहागन कहलाई
दुनियां की नजर में प्यार बनी
तुम प्यार की सूरत हो और प्यार हमारी पूजा
अब इन चरणों में दम निकले बस इतनी और तमन्ना है
हम प्यार की गंगा जलसे बलमजी
तन मन अपना धो बैठे हैं

हम प्यार की गंगा जलसे बलमजी
तन मन अपना धो बैठे हैं
तुम कहते हो एसे प्यार को भुल
सपनों का दरपन देखा था
सपनों का दरपन तोड दिया
ये प्यार का आंचल हमने तो
दामन से तुम्हारे बांध दिया
ये एसी गांठ है उल्फत की
जिस को न कोई भी भुला सका
तुम आन बसे जब इस दिल में
दिल फिर तो कहीं न डोल सका
ओ प्यार के सागर हम तेरी
लहरों में नांव डुबो बैठे
तुम कहते हो एसे प्यार को

६— रुक जा रात ठहर जारे चंदा बीते न मिलन की बेला
आज चांदनी की नगरी में अरमानोंका मेला, रुकजा रात
पहले मिलन की यादें लेकर आई है ये रात सुहानी
दोहराते हैं चांद सितारे मेरी तुम्हारी प्रेम कहानी २, रुकजा रात
कल का डरना कल की चिंता दो तन हैं मन एकहमारे
जीवन सीमा के आगे भी आऊंगी मैं संग तुम्हारे २, रुकजा

७— जाने वाले कभी नहीं आते
जाने वाले की यात आती है

सुमन–दिल एक मंदिर है, दिल एक मंदिर है
दोनों–दिल एक मंदिर है, दिल एक..
प्यार की जिसमें होती है पूजा प्रीतम का घर है
दिल एक मंदिर है, दिल एक..
हर धड़कन है आरती बंधन, आंख जो मिची होगए दरशन
रफी–हर धड़कन है आरती बंधन
दोनों–मौत मिटादे चाहे हस्ती याद तो अमर है
दिल एक मंदिर है, दिल एक..
प्यार की जिसमें होती है पूजा
सुमन–हम यादों के फूल चढाएं और आंसू के दिये जलाएं
रफी–हम यादोंके फूल चढ़ाएं
दोनों–सांसों का हर तार पुकारे ये प्रेम नगर है
दिल एक मंदिर है, दिल एक
प्यार की जिसमें होती है पूजा ये प्रीतम का घर है

हर किस्म की नई और पुरानी फिल्मी गाने की पुस्तकें
मिलने का एकही स्थान. पत्ता याद रखें
भारत प्रकाशन बुकसेलर्स ॲन्ड पब्लिशर्स
एस. एच. गोंडावाला [illegible]

दुनिया

AMARJEET SHANKER JAIKISHAN SHAM BEHL

• टाईम फिल्मस प्रेझेंट •

डायरेक्टर–टी प्रकाश राव — म्युझिक–शंकर जयकिशन

दुनिया

—गाने हसरत—नीरज—अेस. अच. बिहारी

कलाकार–देव आनंद, वैजंती माला, बलराज सहानी, प्रेम चोपडा ललिता पवार, ललितवर, नाना पालसिकर, मदनपुरी, सुरेश वा.

१

जवान तुम हो जवान हम है ये प्यार तुम से हो गया है
मिलन का इक पल गजब ढूद का
जिगर में नश्तर चुभो गया है, जवान तुम हो
ये गरम रेती ये पांव नाजुक अभी ना जाओ पडेंगे छाले
मेरी उम्मीदों का तुम हो सूरज तुम्हारे दम से है ये उजाले
जवान तुम हो...
वो ठंडी लहरों में कब है ठंडक जो मेरे सीने की आग में है
वो गीत मौजों में कब मिलेगा जो मेरे सांसों के राग में है
ना आगे जाओ है गहरा पानी फिर उस पे शोला है ये जवानी
तुम्हारे तपते हुअ बदन से लगेगी जल में अगन सुहानी
जवान तुम हो जवान हम है...

२

फलसफा प्यार का तुम क्या जानो
तुमने कभी प्यार न किया तुम ने इन्तजार न किया फलसफा..

खुबसूरत हो मगर प्यार के अन्दाज नहीं
ये कमी है कि तुम्हारा कोई हमराज नहीं
दिल में जब दर्द नहीं बात बनेगी कैसे
साज छेडामी मगर प्यारकी आवाज नहीं फलसफा प्यार क
कैसे समझाऊ ये नाजुक सा फसाना तुम को
ये वो मंजर है जो महसुस हुआ करता है
रहती दुनियां में वही रहता है मर कर जिंदा
प्यार के नाम पे जो जान दिया करता है
प्यार शीरी ने किय प्यार ही लैला ने किया
प्यार मीरा ने किया प्यार ही राधा ने किया
प्यार हर रंग में लोगों को सदा देता है
प्यार पर्दे में हम सब का खुदा रहता है
फलसफा प्यार का...

२

दुरियां नजदिकियां बन गई अजब इत्तिफाक है
कह डाली कितनी बातें अनकही अजब इत्तिफाक है
दूरियां नजदिकयां बन गई अजब इत्तिफाक है
अैसी मिली दो निगाहें मिलती है जैसे दो राहें
जागी ये उफत पुरानी गाने लगी है फिजाअें
आ.. आ . अैसी मिली दो...
प्यार की शहनाईयां बज गई अजब इन्तिफाक है

दूरियां नजदीकीयां बन गई अजब इत्तिफाक है
कह डाली कितनी बाते अनकही अजब इत्तिफाक है
एक डगर पे मिले हम तुम दो हमम ए
ऐसा लगा तुम से मिलकर दिन बचपन के आए
आ.. आ एक डगर पे
बत्तियां उम्मीद की सज गई अजब इत्तिफाक है
दूरियां नजदिकियां बन गई अजब इत्तिफाक है
कह डाली कितनी बातें अनकही अजब इत्तिफाक है
पहले कभी अजनबी थे अब तो मेरी जिंदगी हो
सपनों में देखा था जिस को साथी पुराने तुम्ही हो
ओ ओ पहले कभी...
बस्तियां अरमान की बस गई अजब इत्तिफाक है
दूरियां नजदिकियां बन गई अजब इत्तिफाक है
कह डाली कितनी बातें अनकह अजब...
दूरियां नजदिकियां बन...

४

तू कहे महाराष्ट्र मेरा, वो कहे गुजरात मेरा
एक का पंजाब घर है, ऐक का मद्रास डेरा
आग में जलता बिहार, जोश में बंगाल है
उस तरफ देखो के सरहद पर खड़ा भूचाल है
मत करो टुकड़ वतन के, मत बनो फिर से गुलाम

अेक दिल हम, अेक जी हम इक हमारी सुबह शाम
रंग कितने ही हमारे, इक मगर तस्वीर है
जो हमें बांधे वो धागा है, नहीं जंजीर है
ये धरती हिन्दूस्तान की, ये धरती हिन्दुस्तान की ३
ना मेरी है ना तेरी है, बेटी किसी किसान की ये धरती...

गुजराती या सिख, मराठी बंगाली या मद्रासी
जो भी हो तुम, बाद में हो, पहले हो भारत वासी
गीता के मंत्रो संग गूंजे, आयत पाक कुरान की
ये धरती हिन्दुस्तान की ना मेरी ना तेरी है, बेटी किसी किसान की

देता है आवाज हिमालय, गंगा तुम्हे बुलाती है
तुम वो हस्ती जिसे देखकर, मौतको भी मौत आती है
पूजन करो वतन की मिट्टी, मूरत है भगवान की
ये धरती हिन्दुस्तान की...

देखो घर के ही चिराग से, घर मे आग न लग जाए
ताज–अजन्ता के आंगन में, चोर न कोई घुस पाए
अेक बनो भर दो दरार, इस टूटे हुए मकान की
ये धरती हिन्दुस्तान की...
ना मेरी है ना तेरी है
बेटी किसी किसान की
ये धरती हिन्दुस्तान की...

५

तू ही मेरो लक्ष्मी तू ही मेरा छाया
दुनियां में आया तो तेरी खातिर आया, ओ लक्ष्मी छाया...
जानी की तू जानी हाथ बढा पिवानो
प्यार का तू सपना तू है मन की रानी
तेरा ही तराना मनें हरदम गाया
दुनियां में आया तो तेरी खातिर आया
ओ लक्ष्मी छाया... तू ही मेरी...
पतला पतली ऊगली प्यारी २ ऊंगली
जैसे लेडी फिंगर या मजनूं की पसली
मैंने तुमको देखा दिल मेरा ललचाया
दुनियां में आया तो तेरी खातिर आया ओ लक्ष्मी छाया तू...
गोरी ये कलाई जैसे दूध मलाई
जागी उसकी किस्मत जिन हाथों में आई, ओह गोरी ये...
तेरी हर अदा पर घर अपना लूटाया
दूनिया में आया तो तेरी खातिर आया
ओ लक्ष्मी छाया तूही मेरी...

६

दुनियां में सभी चेहरे लगते है पहचाने
क्यों फिक्र भी है अनजाने ये बात वही जाने, हया
दुनियां हसी का नाम है, दुनिया इसी को कहते है

अपने ही अपनो से यहां बेगाने जैसे रहते है, बेगाने से...
दुनियां इसी का नाम है
जो हम चाहें, जो तुम चाहो वो कब होता है दुनियां में
मुकद्दर के इशारो पे ये सब होता है दुनियां में
ये सब होता है दुनियां में दुनियां इसी का नाम है
दुनियां इसी को कहते है, दुनियां इसी को कहते है
दुनियां इसी का नाम है
कभी उस मोड पर लूट गया है कारवां दिल का
जहां से दो कदम ही फासला बाकी था मंजिल का
यहां कहते है खामोशी हजारों गम के अफसाने
मगर इस बात का मतलब कोई बेदर्द क्या जाने
कोई बेदर्द क्या जाने, दुनियां इसी का नाम है...
यहां हर गम खुशीका इक नया पगाम लाता है
अन्धेरी रात जाती है सवेरा मुस्कुराता है
सवेरा मुस्कुराता है,
दुनियां इसी का नाम है ..

-: सिनेमा संगीताचे पुस्तके मिळण्याचे प्रमुख ठिकाण :-

मिनर्व्हा बुक डेपो, पुणे २.

महात्मा फुले मार्केट पुणे २.

कीमत 25 पैसे

राज खोसला   आनन्द बक्षी

संगीत लक्ष्मीकान्त प्यारेलाल   कुन्दन थदानी

यू. ओ. थदानी कृत

लीनी फिल्मर्स

— यु. प थाडानी प्रेझेन्टस शालीनी फिल्मस —

डायरेक्टर-राज खोसला म्यु.-लक्ष्मीकान्त प्यारेलाल

कलाकार-रीशी कपुर मौसमी आय. एस. जोहार ओमप्रकाश

गीतकार—आनन्द बक्शी

— दो प्रेमी के गाने —

1-रफी-मौसम पे जवानी है

मै प्रेम का राजा हू तु रुप की रानी है हाय...

आशा ये झुठी कहनी है हाय...

ईस देश मे अब कोई राजा है ना रानी है

रफी-नेहले पे देहला है

आगे पीछे पेहरा और बीच मे लैला है

आशा-नेहले पे देहला है

पागल ना ईसे समझो ये मजनु छेला है

रफी-घोडे है हाथी है ईक दुल्हा ईक दुल्हन

और बाकी बाराती है

आशा-ये किसके बाराती है

बदमाश तेरे जैसे सब तेरे साथी है

रफी-तु साथ नही होती

कश्मीर की ये सुबह ना ईतनी हसी होती

आशा-जो तु साथ नही होता

कश्मीर का यह मौसम कुछ और हंसी होता

रफी-रब झुट न बुलवाये
  रात मे जब सोया मेरे सपने मे तुम आये
आशा-सपने मे हम आये
  सच्च तुमने कहा है ये रब झुठ न बुलवाये
रफी-वो क्यो ईतराते है
  मुझको तो हसीनो के कितने खत आते है
आशा-ले दे क्यो ईतराते है
  जो खत खुद लिख लिख कर लोगो को दिखाते है
रफी आग मांग ले तेरी भर दु
  जा ले आ वकील कोई दिल नाम तेरे कर दु
आशा-दावो का दलीलो का
  अब प्यार मोहब्बत मे क्या का वकीलो का

2-छन छन छन छन
  अल्लाह मेरी पायल बोले झन छन
  लाख जतन छरु बडी थग थम के चलु
  कभी मेरा मन डोले कभी डोले तन
  लाज शरम के घुन्घट मे ही चुपके चुपके जलती रहती
  दिल की बाते होठो से क्या आखो से भी मैं ना कहती
  मेरे घुन्घट बने मेरे दुश्मन
  प्रेम तो सारा जग करता है मुझ सा पागल होगा कोई
  नाम तेरा मै लेके जागी नाम तेरा लेके मै सोई

जब से लगी है पिया तेरी लगन
तु क्या जाने तु क्या समझे मेरे सर इल्जाम थे कितने
ऐसे वैसे कैसे कैसे जाने मेरे नाम थे कितने
सजनी का नाम दिया तुने सजन
3-मन्ना-बुरा घर भला घर हो हमे क्या इससे लेना है
हमारा काम तो बैठा मुबारक बाद देना है
किशोर-लडकी वालो की तरफ से लडके वालो का
मन्ना लडके वालो की तरफ से लडकी वालो को
दोनो-मुबारक हो मुबारक हो
कोरस-लडकी वालो की तरफ से लडके वालो को
लडके वालो की तरफ से लडकी वालो को
मुबारक हो मुबारक हो
किशोर-ये लडकी तो है चान्दनी से गोरी
हुआ क्या किसी चान्द की थी चकोरी
कोरस-चान्द की चकोरी
किशोर-किया था प्यार इसने
मगर अब मिलाती नही पिया से नजर अब
मन्ना-हुआ क्या कहो कब हमे क्या मतलब
दोनो-ओ वालो छोड पुरानी बातो पर क्या कहते हो
कोरस-मुबारक हो मुबारक हो
मन्ना-ये लडका है अच्छा नही कुछ खराबी

हुआ क्या अगर है जरा सा जुआरी शराबी
ए गिरेगा कभी तो संभल जायगा
कि शादी हुई तो बदल जायगा ये
किशोर-कहा हमने क्या कब खफा हो गए ये सब
दोनो फिर ए भुल नही होगी बस हमको माफ करदो
मुबारक हो मुबारक हो
किशोर-ये लडकी का डेडी बडा पैसे वाला
मन्ना—हुआ क्या अगर इसका धन्दा है काला
किशोर—ये लडकी का डेडी बडा ही फरिश्ता
मन्ना मगर इसकी किस्मत बडा ओडा रिश्ता
दोनो—हसी ये जोडी है कसर बस थोडी है
दोनो—ये रिश्ता नही मंजुर लडके लडकी को
कोरस मुबारक हो मुबारक हो

4 रफी पायलिया छनकी के ना अनुराधा- छनकी 2
र. बिजुरिया चमकी के ना अनुराधा—चमकी 2
र. कमरिया लचकी के ना अनुराधा—लचकी 2
मगर फिर मत करियो जो किया किया सो पिया
छुन लिया
र.—कांच की चुडी सी तु टुट जाती है
श्याम की राधा बनके रुठ जाती है
गगरिया छलकी के ना

...लकी छलकी   रफी चुनरिया ढलकी के ना
अनुराधा-ढलकी ढलकी   रफी अच्छा
.-आ तो मानी फिर ना मानुन्गी बतिया
जागोगे तडपोगे सारी सारी रतिया
नजरिया अटकी के ना   रफी-अटकी अटकी
अ.-डगरिया भटकी के ना   र.—भटकी भटकी
र.—उडती पतंग है तु माना ओ गोरी
पर मेरे हाथो मे है तेरी डोरी बावरिया समझी के ना
अ.—समझी समझी   र.—बदरिया बरसी के ना
अनुराधा—बरसी बरसी
5—कोरस—रामा रामा रामा रामा
आशा क्या करेगी जिन्दगी अपने दिल को मार कर
तु किसी से प्यार कर
रफी—पहिले प्यार को समझ ले ईस हवस को मार कर
फिर किसी से प्यार कर
आशा—हाल मस्त हो गया चाल मस्त हो गई
हो गया धुआ धुआ सारी दुनिया खो गई
र.—दुनिया तो वही पे है तु कही पे खो गई
तुझको नीन्द आई है रात नही हो गई
आशा—देख तो किसी घनी जुल्फ को संवार कर
तु किसी से प्यार कर

आशा - तुझको यह खबर नही चीज क्या शराब है
क्या करे जहान में ईसका कुछ जबाब है
र.—तुझको यह खबर नही चीज क्या शबाब है
चेहरा तो नही है ये चेहरे की नकाब है
देख तो नकाब ये चेहरे की नकाब है
फिर किसी से प्यार कर

6 —किशोर - प्रेम का रोग लगा मुझे ये प्रेम का रोग लगा
सब को छोड चला मै सारे नाते तोड चला
एसी किसकी किस्मत होगी प्रेमी से मै बन गया जोगी
जीवन जोग मीला
अखिया प्यासी मनवा व्याकुल प्रेमी नाचे धनिया के पास
मेरे राम बचा
ये काटो के हार है सारे सारे सारे सारे मुरारी
ईन फुलो मे है अंगारे जल गया मन मेरा
कोरस - हे राम हे राम हे राम

प्रकाश बुक स्टाल

प्रकाश टोकीज सामे स्टेशन रोड सुरत

प्रकाशक-भारत प्रकाशन
कल्पना होटल, हीरीमलेन्ड के सामने,
पजाराम मोहनराय रोड, बम्बई-४

मूल्य ३० पैसे

A MUSICAL LOVE STORY OF A CRIMINAL

SUBHASH GHAI'S

HERO

● मुक्ता आर्ट प्रा. लि. प्रेझेंट ●
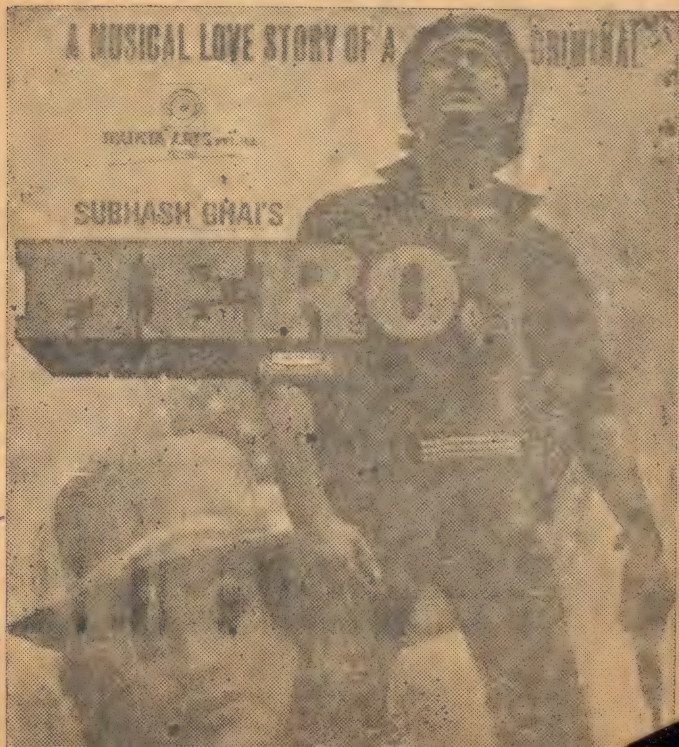
दिग्दर्शक-सुभाष घई ★ संगीत-लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल
कलाकार-शम्मीकपूर, संजीवकुमार, मीनाक्षी शेशाद्री, जॉकी श्रॉफ.
गीतकार-आनंद बक्षी

हिरो के गाने

गायिका-लता मंगेशकर - १ -

निंदियां से जागी बहार, ऐसा मौसम देखा पहली बार
कोयल कूके कूके गाये मल्हार, कूके कूके गाये मल्हार
निंदिया से जागी बहार, ऐसा मौसम देखा पहली बार
पनी पसा पनी पसा, मै हूं अभी कमसिन कमसिन
निधा निधा गम्म पम पम रेगा गरे गरे नीसा धा गा पा
मै हूँ अभी कमसिन कमसिन, जानू न कुछ इसबिन इसबिन
राते जवानी की वाली उमर के दिन आ...
कब क्या हो नही ऐतबार, ऐसा मौसम देखा पहली बार
कोयल कूके कूके गाये मल्हार निंदिया से जागी बहार
कैसी ये रुत आई रुत आई सुन के मै शरमाई शरमाई
कानों में कह गई क्या जाने ये पुरवाई आ...
पहले फूलो ने किरनों के हार, ऐसा मौसम देखा पहली बार
कोयल कूके कूके गाये मल्हार कूके कूके गाये मल्हार
निंदिया से जागी बहार, ऐसा मौसम देखा पहली बार
कोयल कूके कूके गाये मल्हार आ...आ...

गायक-मनहर, अनुराधा और साथी - २ -

कोरस : सा सा रे रे ग ग म म प डिंग डांग

ओ बेबी सिंग ए साँग सुजुम डिंग डाँग

ओ बेबी सिंग ए सांग सुजुम डिंग डांग

ओ बेबी सिंग ए सांग आज......

की शाम का प्यार के नाम का

अनुराधा : जब जब, जब जब २ बाजे यादो की वन्सी

तब २ दिन उड जाये बन के गीतों के पंछी

कोरस : आ ऊ आ ऊ हूं हूं... डिंग डाँग बेबी सिंग ए साँग

अनुराधा : ला ला ला ला ला ला

मनहर : जंजीर कोरस : जंजीर

मनहर : है पाँव में पहरे है फिजाओ में

कोरस : जंजीर है पाँव में पहरे है फिजाओ में

अनुराधा : फिर भी डरते फिरते है इन बदमस्त हवाओ में...

प्रेमियों के सच्चे प्रीतों के पंछी...

कोरस : आ ऊ आ ऊ डिंग डाँग ओ बेबी सिंग ए साँग..

बनती बाते बिगडे कोरस : तो

मनहर : बाग बहारे उजडे कोरस : तो

अनुराधा : कभी २ डर लगता है आज मिले कल बिछडे तो

मिले कहाँ, परदेशी मीलो के पंछी...

कोरस : आ ऊ आ ऊ डिंग डाँग ओ बेबी सिंग ए साँग

अनुराधा : ला ला ला ला ला ला...

मनहर : तीरों से　　　कोरस : तलवारों से
मनहर : न ऊँची　　　कोरस : दिवारों से
मनहर : रोके गए ना लोगों से यार जा मिले यारों से
अनुराधा : दुनियाँ से न हारे जीतों के पंछी...
कोरस : आ ऊ आ ऊ डिंग डाँग ओ बेबी सिंग साँग
अनुराधा : आज की शाम का प्यार के नाम का ल ल...
कोरस : डिंग डाँग
अनुराधा : के मा रे सा रे धपा पा पा रे
　　गम गम मगरे ल ला...ल ला...
३—प्यारेलाल, अनुराधा, मनहर और साथी
अनुराधा : मेरा जानम मेरा साजन मेरा साजन मेरा बालम...
　　मेरा बालम मेरा मजनू, मेरा मजनू मेरा राजा जानू
　　तू मेरा जानू है तू मेरा दिलबर है २
　　मेरी प्रेम कहानी का तू हीरो है
मनहर : पर प्रेम ग्रंथ के पन्नो पर अपनी
　　तकदीर तो जीरो है ओ...
अनुराधा : दिलवाले मे न कोई अमीर होता है न गरीब होता है
मनहर : किसी किसी को ये प्यार नसीब होता है
अनुराधा : दिल की दुनिया से ये दुनिया दूर होती है
　　　　　　　　दिल करीब होता है
मनहर : कोई कोई ऐसा खुशनसीब होता है
अनुराधा : तेरी बाते तू ही जाने मै तो बस इतना जानूँ २

कोरस : सा सा रे सा, ग सा रे मा, रे नी धा नी सा सा
मनहर : प्रेमी के हाथों में प्रेम लकीरे होती है तहरीरें होती है
अनुराधा : नहीं नहीं आंखो में तस्वीर होती है
मनहर–प्यार वो करते है जिनकी तकदीर होती है जागीर होती है
अनुराधा : कुछ भी हो लेकिन रांझे की हीर होती है
मनहर : ये सब किस्से है पुराने मै तो बस इतना जानूँ
के प्रेम ग्रंथो के पन्नो पर, अपनी तकदीर तो जीरो है...ओ...
अनुराधा : के प्रेम ग्रंथो के पन्नो पर तू मेरा हीरो है था...
अनुराधा–इतना काफी है तू मुझे प्यार करता है, इकरार करता है
मनहर : प्यार तुझे इक पल में दिल सौ बार करता है
अनुराधा : देखे कौन जुदा हमको दिलदार करता है
इनकार करता है
मनहर : प्यार कहाँ लोगों का इंतजार करता है
अनुराधा : तेरी बाते तूही जाने मै तो बस इतनाही जानूँ २
मनहर : मै तरा जानूँ हूं तू मेरी दिलबर है
अनुराधा : पर प्रेम ग्रंथ के पन्नो पर तू मेरा हीरो है ओ...
मनहर : तू मेरी जानूँ है तू मेरी दिलबर है २
४– रेशमा—
बिछडे अभी तो हम बस कल परसों
जीऊंगी मै कैसे, इस हाल में बरसों
मौत न आई तेरी याद क्यों आई, हाय लम्बी जुदाई
चार दिनादा प्यार ओ रब्बा, बडी लम्बी जुदाई २

होठों पे आई मेरी जान दुहाई, हाय लम्बी जुदाई
इक तो सजन मेरे पास नहीं रे
दूजे मिलन दी कोई आस नहीं रे २
उस प ये सावन आया...२ आग लगाई हाय लम्बी जुदाई
टूटे जमाने तेरे हाथ निगोडे, हाथ निगोडे
जिन के दिलों से तू ने शीशे तोडे, शीशे तोडे
हिजर की ऊंची...दीवार बनाई, हाय लम्बी जुदाई
बाग उजड गए खिलने से पहले
पंछी बिछड गए मिलने से पहले
कोयल की हूक में कूक उठाई हाय लम्बी जुदाई
चार दिनादा प्यार ओ रब्बा बडी लम्बी जुदाई
होठों प आई मेरी जान दुहाई हाय लम्बी जुदाई

५–मनहर, लता मंगेशकर और साथी

मनहर : ओ.. ओ .. लता : ओ ओ...
लोगों स सुना है, किताबो में लिखा है
सबने यही कहा है प्यार करने वाले कभी डरते नही
हां डरते नही जो डरते है वो प्यार करते नही
मनहर : प्यार करनेवाले कभी डरते नही हां डरते नही
जो डरते है वो प्यार करते नही
लता : आ.. आ ओ...ओ...
मनहर : लंबी दीवारे चुनावा दो लाख बिठा दो पहरे
मनहर : रास्ते में बिछो दो ऊंचे पर्वत सागर गहरे
लता रास्ते में बिछा दा ऊंचे पर्वत सागर गहरे

नहर : तूफाँ कब रुकते है   लता : बादल जब झुकता है
रस : हा तूफाँ कब रुकते है   बादल जब झुकता है
सारे कह उठते है
नहर : प्यार करनेवाले कभी डरते नही हां डरते नही
ता : जो डरते है वो प्यार करते नही   कोरस : आ...आ...
ता : प्यार छुपे ना खुशबू   ये ऐलान कहो तो कर दू
नहर : चुटकी भर सिंदूर माँगा दे माँग मे तेरी भर दूं
ता : हूं हूं दुनियां क्या कर लेगी   मनहर : दुनियां ये कहेगी
ोरस : ओ दुनियां क्या कर लेगी बस कहती ही रहेगी
प्यार करने वाले कभी डरते नही हां डरते नही
जो डरते है वो प्यार करते नही

–सुरेश वाडकर, लता और साथी

ुरेश : हूं...कयामत है य नजाकत है येशरारत है ये शिकायत है
ोरस : हूं   कयामत है ये नजाकत है ये
शरारत है ये शिकायत है ये
ुरेश : शराफत है अदावत है ये इनायत है ये इबादत है ये
ोरस : शराफत है ये अदावत है ये
इनायत है ये इबादत है ये शिकायत   शरारत   अदावत
इनायत   इबादत   नागावत हूं ..
सुरेश : मोहब्ब ये मोहब्बत   कोरस : मोहब्बत ये मोहब्बत
लता : मोहब्बत ये मोहब्बत   कोरस : मोहब्बत ये मोहब्बत
लता : हूं...ओ जिंदगी की शान है ये आदमी की जान है ये
कोरस : मोहब्बत ये मोहब्बत

सुरेश : ओ कहने की शबनम का कतरा, कतरे में तूफान है

कोरस : मोहब्बत ये मोहब्बत

लता : इससे जो टकरायेगा २, वो बहुत पछतायेगा २

सुरेश : टूट कर रह जाएगा २

लता : रास्ता इसका जो रोके २, वो बड़ा नादान है

कोरस : मोहब्बत ये मोहब्बत　　लता　मोहब्बत ये मोहब्बत

सा सा गम प,　　सा सा रे ग न पनी सा।

सुरेश : दिल का मतलब इश्क है २

लता : कुछ नही सब इश्क है २

सुरेश : रब है क्या रब इश्क है रब इश्क है

लता : ओ बस वो दिल घर है खुदा का २

जिसमें ये मेहमान है, मोहब्बत ये मोहब्बत

सुरेश : कोई कितना हो गरीब २

लता : प्यार जिसको है नसीब २

सुरेश : वो बड़ा है खुशनसीब २

जिसकी किस्मत में ये नही २ खाक वो इन्सान है

मोहब्बत ये मोहब्बत जिन्दगी की शान है ये

आदमी की जान है ये मोहब्बत ये मोहब्बत

ओ कहने को शबनम का कतरा कतरे में तूफान है

मोहब्बत ये मोहब्बत २

प्रकाशक : एच. बी. बुरहानपुरवाला, सेन्ट्रल प्रकाशन, पायवाला स्ट्रीट, मुं. ४.

मुद्रक : ए. एफ. बुरहानपुरवाला, महाराष्ट्र प्रिंटरी, पायवाला स्ट्रीट, मुं. ४.

जब प्यार किसी से होता है

कीमत
२५ पैसे

❀ नासिर हुसेन फिल्मस ❀

जब प्यार किसी से होता है

कलाकार–देव आनन्द, आशा पारेख, सुलोचना मुबारक
निर्देशक—नासिर हुसैन संगीत–शंकर जयकिशन
गीत–हसरत व शैलेन्द्र

सरदार त्रिलोचनसिंह बुक सेलर इन्दौर-१

१ रफी व लता -

बिन देखे और बिन पहचाने
तुम पर हम कुर्बान मोहब्बत इसको कहते हैं २
गर तुम पर ना मरते तो जीना था आसान
मोहब्बत इसको कहते हैं २
चाहत के सन्देशे लेकर आती है हर शाम
गर तुम भी आ जाते तो आ जाता आराम
दिल की बस्ती बस ही जाती
मेरी हर धड़कन ये गाती
तुम आते तो मुझ पर होता कितना बड़ा एहसान
बिन देखे....
होठों पे हैं हरदम तुम्हारा प्यारा नाम

फिर भी चुप रहता हूं मैं अपने दिल को थाम
मेरी तुम्हारी प्यार की बातें
खुल न जायें राज की बातें
मानो न मानो प्यार छुपाना इतना नहीं आसान
बिन देखे....

बेकल मेरे अरमाँ बेकल हैं मेरा प्यार
कब से मेरी बाहें सूनी जीवन की ये राहें सूनी
तुम बिन कैसे पूरे होंगे दिल में बसे अरमान
बिन देखे....

२ लता–नजर मेरे दिल के पार हुई
देखो न ऐसे देखो मेरी हार हुई
वही जानता है के दर्द क्या है
कभी भूल से जिसने दिल खो दिया, दिल खो दिया....
नज़र मेरे दिल के पार हुई
निगाहें मिली और वो मुस्कराए
बस इतने में सब हो गया हाय हाय
हाय ये क्या हो गया.... नजर मेरे दिल के पार....

३ लता–तुम जैसे बिगड़े बाबू से मैं अँखिया बचाऊं
थिन गिन थिन गिन नाचूं
और दुनिया को नचाऊं तुम जैसे....

आंखों में मधुशाले रंग भरे ये प्याले
चन्दा सूरज दोनों मेरे कानों के हैं बाले
अपने आपको क्या समझो हो बाबू ओ बाबू....
तुम जैसे बिगड़े बाबू से मैं अखियाँ बचाऊं थिन....
मुख पे लट लहराए धन बदरा शरमाए
नील गगन का बाँका राही पायल बाँधने आए
अपने आपको क्या समझो हो बाबू ओ बाबू....
" तुम जैसे बिगड़े बाबू से मैं अखियां बचाऊं

४ रफ़ी व लता

रफी–ये आँखे उफ युम्मा ये सूरत उफ़ युम्मा
प्यार क्यों न होगा ये अदाए उफ युम्मा
लता–ये आँखे उफ युम्मा ये धड़कन उफ युम्मा
कैसे दिल को रोकूं कोई थामें उफ युम्मा
रफी–तुम दिल हो दिलरूबा हो
तुम पर जहाँ फ़िदा हो
हम तो हैं क्या कुछ भी नहीं
तुम सा हँसी कोई नहीं
तुम तो चांद का टुकड़ा हो
ये शोखी उफ युम्मा ये शरारत उफ युम्मा
लता–कब तक रहूं छुपाए सीने में आग हाए

जलने लगा ये सारा बदन
समझो जरा ये दिल की लगन
तुम जो मिलो चैन आ जाए
ये उमगे उफ युम्मा ये तरंगे उफ यूम्मा.

रफी-आंखों का ये नशा है दिल जिसमें झूमता है
झुमें जमीं घूमें गगन तेरा असर है जाने चमन
तुम तो प्यार का सपना हो
ये काजल उफ़ युम्मा ये चिलमन उफ युम्मा

५ रफी व लता-

जिया हो ऽऽ जिया हो जिया कुछ बोल दो
अरे हो ऽऽ दिल का परदा खोल दो
अहाऽ हाऽ अहा ऽ हा
जब प्यार किसीसे होता है तो दर्द सा दिल में होताहै
तुम एक हसीन हो लाखों में
भला पा के तुम्हे कोई खोता है जिया होऽऽ....
नजरों से जितने तीर चले चलने दो जिगर पर झेलेगे
इन प्यार की ऊजली राहों पर
हम जान की बाजी खेलेगे
इन दो नैनों के सागर में कोई दिल की नैया डूबोता
जिया होऽ....

आंखों में तो इस आग में जलते हो
चन्दा से बयाँ हो जाता है
हर बात पे आहें भरते हो हर बात पे दिल थरीता हैं
जब दिल पे छुरियाँ चलती है
तब चैन से कोई सोता है जिया हो....

६ लता व रफी-

रफी–सौ साल पहले, मुझे तुमसे प्यार था २
आज भी है और कल भी रहेगा
लता–सदियों से तुझसे मिलने जिया बेकरार था
आज भी है और कल भी रहेगा
रफी–तुम रुठा न करो मेरी जां
मेरी जान निकल जाती है
तुम हँसती रहती हो
तो इक बिजली सी चमक जाती है
मुझे जीते जी ओ दिलबर
तेरा इन्तजार था आज भी है और कल भी रहेगा
सौ साल....
लता–इस दिल के तारों में मधुर झन्कार तुम्ही से है
और ये हसीन जलवा ये मस्त बहार तुम्ही से है
दिल तो ये मेरा सनम तेरा तलबगार था

आज भी है और....

रफी–इन प्यार की राहों में
कहो तो अब दिल को लुटा दूं मैं
और चाँदी से सपनों में धड़कते दिल को बिछा दूँ मैं
तुझे मेरे जीवन पर सदा इख्तियार था
आज भी है और....

७ कोरस–सीतो पीतो सीतो रीतो पीतो रे पा पा जा
लता–रीतो सीतो पीतो सोतो
ऐ हल्ले हब्बा सीतो रीतो पीतो
कोरस–ऐ हल्ले हब्बा सीतो रीतो पीती
लता- वल्ला वल्ला २ रीतो पीतो सीतो
जाने बहार अस्सलाम जाँ भी निसार अस्ललाम
वल्ला-४
कोरस-सीतो पीतो रीतो सीतो रीतो पीतो रे पा पा जा

८ रफी–तेरी जुल्फों से जदाई तो नहीं माँगी थी
कैद माँगी थी रिहाई तो नहीं माँगी थी तेरी....
मेंने क्या जुर्म किया आप खफा हो बैठे
प्यार माँगा था खुदाई तो नहीं माँगी थी
कैद माँगी थी....

आंखों ने दी तेरे आंखों की छलकती मय पर
चन्द पैनी थी पराई तो नहीं माँगी थी
कैद माँगी थी.... ८

अपने बीमार पे इतना भी सितम ठीक नहीं
तेरी उल्फ़त से जुदाई तो नहीं माँगी थी
कैद मांगी थी... ०

❀ छपकर तैयार हैं —

○ सही और पूरे गाने.
○ हर दूसरे माह नया भाग.

❋ हिट फिल्मों का संगीत भाग १६
❋ नवीन सिनेमा संगीत भाग २७
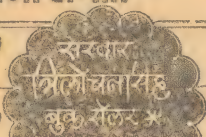
सरदार त्रिलोचनसिंह बुक सेलर
४३. सरवटे बस स्टेण्ड, इन्दौर-१

प्रकाशक-सरदार त्रिलोचनसिंह बुक सेलर
४३, सरवटे बस स्टेन्ड इन्दौर १

जवानी

किमत ४० पैसे

... रोस मुवीस प्रेझंट ...

निर्देशक-रमेश बहल ... संगीत-राहुल देव बर्मन

कलाकार-करन शाह, नीलम, शर्मीला टैगोर, मौसमी, चटर्जी

गीत-गुलशन बावरा

जवानी के गाने

अमीत और कोरस- -१-

अमीत-हल्ला गुल्ला मजा है जवानी कोरस-जवानी

अमीत-चढता नशा है जवानी कोरस-जवानी

अमीत-हो बिन पिये

अमीत-हन्नी हन्नी हन्नी हन्नी

कोरस-चिनी मिनी चिनी मिनी

अमीत-बचपन में तो सभी की सही

मानी जो भी बडो ने कही

अब मनमानी करेंगे हम

अपने भी तो दिन हैं यही हल्ला गुल्ला

अमीत-सांसो में एक मेहक आ गई

चाल में थोडी लचक आ गई

क्या चिज है जवानी भी.........

चेहरे पे खुद चमक आ गई हल्ला गुल्ला

-२-

अमीत-

मिना अभी हो कमसीन और नादान हो तुम
लेकिन एक जवा दिलका अरमान हो तुम
माना अभी हो कमसीन......

जिस दिन आ जाओगी प्यार की राहो मे
उस दिन दुनिया होगी मेरी बांहो मे
अभी प्यार की राहो से अनजान हो तुम
माना अभी हो कमसीन.........

बचपन के खिलने से जवानी आती है
भवरा आ जाये कली मुस्काती है
गुलशन मे एक ऐसी ही मुस्कान हो तुम
माना अभी हो कमसीन

अमीत, और आशा- ३--

अमीत-भीगा भीगा प्यारा प्यारा
मेहकी सी तनहाई तेरे होठो पे जी चाहे
लिख दूं एक रुबाई............

आशा-भीगा भीगा प्यारा प्यारा
मेहकी सी तनहाई तेरी शायरी से लगता है
मेरी शामत आई...........

अमीत-भीगा भीगा आशा-प्यारा प्यारा

अमीत-अब तु समझने लगी है मेरी बात

हो गई है बड़ी समझदार तु
आशा–तेरी सोबत का ये असर है जरा
कम नही है मै जो है होशियार तू
अमीत–अरे ऐसे में ये आना कानी
प्यार की है रुसवाई भीगा २
आशा–ऐसी भोली भाली शक्ल ना बना
मुझ पे होने वाला नही कुछ असर
अमीत–इस तरह की बेरुखी तु छोड दे
कुछ तो बेकरार दिल पे रहम कर
आशा–थामेगा तू हाथ मेरा ऊंगली जो पकडाई
अमीत–जो भी होगा प्यार मे वो ठीक
प्यार की सीमा नही है जाने जान
आशा–इस से पहले मै कहां कहुं जाने मन
सोचती हुं क्या कहेगा ये जहां

लता, और कोरस ४

सजना मै सदा तेरे साथ हुं
ये जहां हो या जहां साजन
आ जा चलें वहां पेहरे ना हो जहां
ना हो दुश्मन कोई ऐसे जहां मे ही
जा के बसायेगे छोटासा एक आशियां
मेरी निगाहो मे तू ही रहे सदा

मैने बस ये चाहा तेरी लगन मुझे
मेरी लगन तुझे ये लगन युं रहे जवां
तेरे बिना मेरी मेरे बिना तेरी
जिन्दगी है अधूरी बाहे हो बाहो मे
चलता चले ये कारवां सजना

५

लता, और अमीत-
अमीत-गली २ ढुंढा तुझे कौन कौन देखा रे
कहां तु रही दिल जानी......
लता-मै तो हुं तेरे दिल मे कहां उड गया था पंछी
अमीत-देखा होता आंचल में
अमीत-तेरे बिन जहां भी रहे तेरे कसम ऐसे लगा
सुना सुनापन हो जैसे हर एक मेहाफिल मे
लता-गली २ लता-तारो भरी रातो मे जब
देखा आसमान को मैने ऐसा लगा चांद मेरा
छुप गया बादल मे अमीत-गली २
अमीत-अब युं मिले तो दिल मे कई अरमान जागे
कहे तो मै पूरे कर लू.........
लता-डाल दिया मुश्किल में गली २

-६-

आशा, अमीत-
आशा-तु रुठा तो मै रो दूं सनम आजा मेरी
बाहो में आ तु रुठा तो.........

आशा–ले लगी जान मेरी तेरी नाराजगी
जिस मे तू खुश रहे मेरी उस मे खुशी तू रुठा तो
अमीत–तेरी ये सादगी ये भोलापन तेरा
मेरा नसीब है खिलता जोबन तेरा
आशा–मेरी बहार तू मेरा करार तू
मस्ती से भर दिया तू ने जीवन मेरा
अमीत–तू मेरी है मै तेरा हूं सनम
पहली है क्या हस दे जरा
आशा–चुपके से बोल दे दिल मे जो बात है
अब कोई डर नही अपनी हर रात है
अमीत–अपना ये प्यार भी पूजा से कम नही
मुझको ये नाज है तू मेरे साथ है
आशा–तु रुठा तो ....

यार है ॥ ॥ तैयार है ॥ ॥
सिनेमा संगीत भाग ७८ वां
किमत ३–००

प्रकाशक–एफ. बी. बुरहानपुरवाला सेंट्रल प्रकाशन
सिंलेक्स बिल्डिंग पाववाला स्ट्रीट, बंबई–४
मुद्रक–एस. के खरगोनवाला
बाकीर प्रिंटिंग प्रेस, मूजफराबाद हॉल ग्रांट रोड, बंबई–

ज्युअल थीफ

क़ीमत १० पैसे

× नवकेतन फिल्मस ×

डायरेक्टर-विजय आनंद * म्युझिक-एस. डी. बर्मन

कलाकार-देवआनंद, अशोककुमार, वैजयंतिमाला, तनुजा वगैरे

ज्युअल थीफ के गाने

किशोरकुमार— १

ये दिल न होता बेचारा

कदम न होते आवारा

जो खूबसूरत कोई अपना हमसफर होता

सुना है जबसे जमाने बहार के

हम भी आए है राही बनके प्यार के

कोई न कोई बुलाएगा

खडे है हम भी राहों में, ये दिल...

माना उसको नहीं मै पहचानता

बंदा उसका पता भी नहीं जानता

मिलन लिखा है तो आएगा

खडे है हम भी राहोंमें, ये दिल...

उसकी धून में पडेगा दुख झेलना

सीखा हमने पत्थरों से खेलना

सूरत कभी तो दिखाएगा

खडे है हमभी राहों में, ये दिल

२

लतामंगेशकर--

रुलाके गया सपना मेरा बैठी हुं कब हो सवेरा
वही है गमें दिल वही चांद तेरा
वही हम बेसहारे आधी रात वही है
और हर बात वही है
फिर भी न आया लुटेरा, रुलाके...

कैसी ये जिंदगीके सांसों से हम उठे
के दिल डूबा है हम डूबे एक दुखियां बेचारी
इस जीवन से हारी
उस पर ये गम का अन्धेरा, रुलाके...

३

किशोर, लता---

विनय--आसमां के नीचे हम आज अपने पीछे
प्यार का जहां बसाके चले
कदम के निशां बनाके चले

शालिनी--आसमां के नीचे हम आज अपने पीछे
प्यार का जहां बसाके चले
कदम के निशां बनाके चले

विनय--तुम चले तो फूल जैसे आंचल के रंग से
सज गई राहें सज गई राहें
पास आओ मै पहना दूं

चाहत का हार ये खुली खुली बाहें
खुली खुली बाहें
शालिनी—जिनका हो आंचल
खुदही चमन कहिए वो क्यों
हार बाहों के डाले आसमां
शालिनी—बोलती है आज आंखें
कुछ भी न आज तुम
कहने दो हमको कहने दो हमको
बेखुदी बढती चली है अब तो खामोश ही
रहने दो हमको रहने दो हमको
विनय—एक बार एक बार मेरे लिए
कहदो खनके लाल होटोंपे प्याले, आसमां...
विनय—साथ मेरे चलके देखो
आई धुमसे अब की बहारें
अबकी बहारें हर गली मोडपे वो
दोनों है नाम से हमको पुकारे
तुमको पुकारे......
शालिनी—कहदो बहारें से आए इधर
उन तक उठकर
हम नहीं जानेवाले आसमां...

आशा— ४

रात अकेली है बुझ गए दिए

आके मेरे पास कानों में

जो भी चाहे कहिए

तुम आज मेरे लिए रूक जाओ

रुत है फ़ुरसत भी है

तुम्हें न हो सही तुमसे मुहब्बत है

मुहब्बत की इजाजत है तो चुप क्यों रहिए

जो भी चाहे कहिए रात...

सवाल बनी हुई दबी दबी उलझन सीनेमें है

जवाब देना तो डूबी है पसीने में

ऊंची है दो हसीनों म तो चुप क्यों रहिए

जो भी चाहे कहिए रात...

आशा— ५

बैठे है क्या उसके पास आईना मुझसा नहीं

मेरी तरफ देखिए आईने की नजर सी

एसी मस्ती कहां है मस्ती मेरी नजर सी

इतनी सस्ती कहां है बैठे

ये लब हम क्यूं न छूले यूं ही आहें भरे क्या

हमसे भी खूबसूरत तुम हो हम भी करें क्या बैठे

बीती है रात कितनी ये सबकुछ भूल जाओगे!
जलती शम्मे बुझाके आओ हम दिल जलाए बैठे है

लता, रफी— ६

विनय-दिल पुकारे आरे आरे आरे
अभी न जा मेरे साथी
दिल पुकारे आरे आरे आरे...
विनय—बरसों बिते दिल पे काबू पीते
हमतो हारे तुम ही कुछ समझाते
शालिनी—समझाते है तुझ को लाखों अरमां
खो जाते लब तक आते जाते
विनय-पूछो न कितनी बातें पडी है
दिल ने हमारे दिल पुकारे-आरे आरे आरे आरे
शालिनी-पाके तुझको है कैसी मतवाली
आंखें बिन काजल के काली
विनय-जीवन सपना मै भी रंगी करलूं
मिल जाए जो इन होठों की लाली
शालिनी-जो भी है अपना
लाई हूं सबकुछ पास तुम्हारे
दिल पुकारे, आरे आरे आरे
विनय—महका महका आंचल हलके हलके
रह जाती हो क्यों पलकों पे मलके

शालिनी--जैसे सूरज बनके आए हो तुम
चल दोगे फिर दिनके ढलते ढलते
विनय--आज कहो तो रोलू यूं वक्त के धारे
दिल पुकारे--ओरे आरे आरे

७

लता--होटोंमें एसी बात मैं दबाके चली आई
खुल जाए वही बात तो दुहाई है दुहाई
बात जिसमें प्यार तो है जहर भी है
रात काली नागिन सी हुई है जवां
हाय दैया किसको डसेगा ये समां
जो देखूं पीछे मुडके पगमें पायल तडपे
आगे चलूं तो धडकती हूं स री अंगडाई
एसे मेरा ज्वाला सा तन लहराए
लट कहीं जाए, घूंघट कहीं जाए
अरे अब झटका टूटे की मेरा बींदिया छूटे
अब तो बचके कयामत लेती हूं अंगडाई

प्रकाशक-एफ. बी. बुरहानपूरवाला. सेंट्रल प्रकाशन
पाववाला स्ट्रीट, कृष्णासिनेमा न्यू चार्नीरोड, बंबई ४
मुद्रक-सज्जाद हुसेन कुर्बान हुसेन
बाकीर प्रिंटिग प्रेस, मुझफराबाद होल, ग्रांट रोड, बंबई ७

किमत २५ पैसे

फिल्म युनिट

डायरेक्टर-बासु चटर्जी   म्यु.-राजेश रोशन

कलाकार-देव आनंद, टीना मुनीम, गिरीश कर्नाड, महमूद

गीत--अमित खन्ना

• मनपसंद के गाने •

१-रफी, टीना-लड़की-दातून काली दातून

लोगो का दिल अगर हां, जीतना तुमको है तो

बस मीठा मीठा बोलो लोगो का...   बस मीठा...

लड़की-काली दातून दम दम पैसे लेलो

चले है जैसे कहीं शीशे में आरी

कानों लगे है आवाज तुम्हारी चले है...कानों...

कहना है कुछ अगर तो बोलो में मिश्री घोलो बस मीठा...

लड़की-ऐ बाबू ले ले ना बाबू

साज छुपा है जब सीनए दिल में

गीत तुम्हारे है तो फिर मुश्किल में साज...

सबसे तुम्हें अगर हां बढ़ना है तो बस मीठा

समय से एक है बात पते की

दिन हो सुरीला तो रात मजे की

लड़की-चुप बड्डुस   लड़का-समझ से

अपना ये माल अगर हां बेचना तुमको है तो बस मीठा

लड़की-दातुन काली दातुन   लड़का-लोगो का...

लडकी–खाली दातुन दस दस पैसे लेलो

२–टी०मीना–रहने को इक घर होगा खाने को हलवा होगा

बिस्तर, कपडे, पंखा सब होगा रहने को

हाथ मेरे फिर मैले न होंगे जब में

छम छम पैसे होंगे होंगे

२–मां को भी वापस हम लेकर आयेंगे

रहने को इक घर होगा

रेशमी आंचल में लिपटी लिपटी

चांदनी रातों में सिमटी सिमटी

सजधज कर टमटम पर सिनेमा जायेंगे रहने को...

सारे मुहल्ले की रानी बनकर

चलूंगी सडकों पर मै तो तनकर

ओ हो हो एक हुकुम से मेरे सब झुक जायेंगे रहने खाने...

३–किस्मत की जेब में–२ अंगुठा नसीब का

पढ पढके फेल होता है लौंडा गरीब का, किस्मत

मक्खन खाने से मेरे दांत हिल जाते है २

मखमल पे चले तो ये पांव छीले जाते है

आमदानी है सिफर, मखमल कहां से लाये

आओ सडक पे बैठे हवा ही खाये

जिंदगी तेरा मेरा–२ रिश्ता करीब का पढ पढके

कोरस–किस्मत को...   पढ पढ के...

सारी दुनियां के बाप घर तो चलाते है २
तकदीर वालों के कच्चे उन्हें खिलाते है
जब बेटी है कमाऊ २ हाथ पांव क्युं चलाऊं
फोकट का माल मिले तो पसीना क्युं बहाऊं
कुदरत का है ये २ करिश्मा अजीब सा पढ २ किस्मत
कोरस-किस्मत की— पढ पढ के
तो फिर क्युं ऐसा कर्मा करके
वो लोग की कमाई खाने का मुफ्त में पढ पढके
४-लता-सु न सुधा रजनी गंधा
आज अधिक क्युं भाये २ सुमन सुधा
प्रेम सिंहासन पिया बिराजे, पंखा झालुं मैं होले
मोहिक सुगंध उन्हीं को पाओ बान मधुर मन डोले
सुमन सुधा... आज अधिक...२ सुमन सुधा
हो आ हुं हुं आ प्रतिबिम्ब मरी आशाओं का
तुम संतोष हो मेरा अलिंगन सुंदर सपनों का
खुशियों का कोष हो मेरा सुमन...
आज अधिक २ सुमन सुधा
५-लता, किशोर, लडका-चारु चन्द्र की चंचल चितवन
बिन बदरा बरसे सावन मेघ मल्हार मधुर मन भावन
पवन पिया प्रेमी पावन अब तुम कहो
लडकी-चारु चन्द्र बिन बदरा मेघ मल्हार मधुर

ल.-फिर से सुनो लड़की-चारु चंद्र बिन बदरा मेघ
पवन पिया प्रेमी पावन   लड़का-अब चलते हुवे गावो
रिमझिम--२ छमछम गुनगुन तिलतिल पल २ रुन झुन
लड़की-रिमझिम - गुनगुन तिलतिल पल नही
लड़का-चारु चन्द्र की चंचल चितवन बोलो
लड़का-शाबाश चलो आगे-२ बढो।
लड़की-चारु बिन बदरा
लड़का-फिर से फिर से चलो
लड़की-चारु चन्द्र की बीन बद्रा
६-सारे गम प म ग रे सा गावो
लड़की-सारे गम प मग रे सा   लड़का-सारे सा ग सा ग
(शाबाश शाबाश। (फिर से गावो)
लड़का-सारे गम प मग रे सा ग सा रे २
लड़का-आवाज सुरीली का जादु ही निराला है
लड़की-आ हा हा ओ हो हो
संगीत का जो प्रेमी
४-वो किस्मत वाला है   लड़का-आ हा हा २ ओ हो हो २
लड़की-तेरे मेरे मेरे तेरे सपने सपने
सच हुवे देखो सारे अपने सपने
लड़का-फिर मेरा मन ये ये बोला
बोला बोला   लड़की-क्या

लडका-सारे ग म म ग रे   लडकी-.. ग सा ग

प ध नी स नी ध प म   दोनो-म ध र ध प नी सा

लडकी-हे चारु...बिन बदरा...मेघ मल्हार..

दोनो-चलो चांद सितारों को ये गीत सुनाते है

सोया जहां जगाते है आ हा हा ओ हो

लडकी-हम तुम, तुम हम गुमसुम गुमसुम

झिलमिल २ हिलमिल

लडका-तू मोती मै माला, माला, लाला

लडकी- अरमान भरे दिलकी धडकन भी बधाई दे

अब धुन मेरे जीवनकी कुछ सुर में सुनाई दे आहा हा ह-

लडका-रिमझिम-२ घमघम, गुनगुन

तिलतिल पल पल रुनझुन, रुनझुन

लडकी-मन मंदिर में पुजा पुजा आ हा

दोनो-सारे गम.. प ध नी...नी सा

७-किशोर-हुं मनमानी से हरगिज ना डरो

कभी शादी ना करो २

मर्जी है अरे आज कही बाहर खाना खायें

वो कहेगी नही साहब रिक्कार्ड बजे घर वापस आ जायें

कितबालये हाथ में आप चुप से बैठे है मेम साहब पुछगी

क्यों जी हमसे रुठे है किसी भी नारी से करलो दो बातें

वो कहे इन्ही से होती है क्या छुपके मुलाकातें

अजी तोबा बेवकुफी की है शादी इन्सिहां
हर औरत अपना सोचे औरो की नही परवाह
क्यों ठीक नहीं कहा मैने जो जी में आये वो करो
कभी शादी ना करो, मनमानी...
जरा सोचिये आराम से आप ये जीवन जी रहे है
पसंद का खा रहे है पसंद का पी रहे है
अच्छा भला घर है आपका लेकिन क्या करे
आपसे जुदा है शौक बेगम साहब का
आते ही कहें सुनीये जी हर चीज को बदलो
पहले पर्दे फिर सोफा फिर अपना हुलिया बदलो
अजी माना तनहाई से कभी दिल घबरायेगा
लेकिन इस घबराहट में जो शादी कर बैठे
ो उम्र भर पछतायेगा जीते जी अरे भई ना मारो कभी
-छला-होठो पे गीत जागे मन कहीं दुर भागे
खुशी मिली ऐसी
पंख उगाडु बिरोके से रुकूं खुशी मिली एसी-२
मै हुं गगन पे सितारे जमीं पर
रंग बिरंगा है हर नजारा सांसो के तार गाने लगे है
धडकन बनी है बहती धारा होठोपे गीत खुशी मिली
सरगम की डोरी में गीतों के मोती
सच सपनों की मोहक माला

आशा की नगरी में आज अचानक

पहला कदम ये मैंने डाला

होठों पे गीत जागे – खुशी मिली ऐसी

९–किशोर–मैं अकेला अपनी धुन में मगन

जिंदगी का मजा लिये जा रहा था मैं

कि तुम मिल गये तुम्हारा मुस्कुराना खिलखिलाना

तुम्हारा ठुनकना तुम्हारा दिल मिलाना

तुम्हारे कदमों की आहट तुम्हारी आंखों की मस्ती

तुम्हारे बालों की खुशबू इनसे मुझे क्या है हासिल

मेरे दिलमें दर्द है दया है तुम्हारे लिए कुछ है

मत पूछो क्या है–२ मेरे मैं नेक दिल हूं बुरा क्या सोचुं–२

तुम्हारी मोहब्बत तुम्हारा वफा इनसे मुझे क्या है हासिल

तुम दुर चली गई तो कैसे चलेगी ये जिंदगानी

अधुरी रहेगी तुम्हारा और तुम्हारी कहानी

तुम्हारा सजना संवरना झिलमिल निखरना

तुम्हारा गुनगुनाना गीत गाना मेरे सपनोंका सच हो जाना

मेरी मन,पसंद बन जाना इनसे मुझे क्या है हासिल

फिर भी ये है मेरी...मैं अकेला...

प्रकाशक—एफ. बी. बुरहानपुरवाला, सेंट्रल प्रकाशन

सिनेमा बिल्डींग, पावबाला स्ट्रीट. बंबई–४

मुद्रक—एस. के. बरगोनवाला

बाकीर प्रिंटिंग प्रेस, मुझफराबाद हॉल, ग्रांट रोड, बंबई–७

लाट साहेब

कथासार

×

जिंदगी की सबसे बडी सच्चाई का नाम है मौत । जिस तरह हर दिन के बाद रात और हर सुबह के बाद शाम जरुर होती ह इसी तरह मौत हर जिंदगी का अंजम जरुर होती है। हमारी कहानी भी जिंदगी और मौत की एक एसी तकरार है जिसमे ममता की मिठास के साथ साथ मोहब्बत के कडवे घूट भी शामिल है

हरी भरी वादियों का दामन में जहां सूरज की पहलीकिरण सान में ढलके आती है, एक सुबह एसी आई जो किसीकी मौत का पैगाम था और एक शाम एसी भी जो जिदंगी का आगाज है ।

जिदंगी और मौतके दोराहे पर खडा वह जंगू जो बहादूर भी था और सच्चा भी । वह जंगू जो नेक भी था और निडर भी वह जंगू जो मेहनती भी था ओर मुंह-फट भी और इसीलिये सारा गांव उसे लाट--साहब कहकर पुकारता था वह नहीं जानता था की उसका जिदंगी के नव्वे दिन था इनके फौरन बाद आनेवाली पूरणमाशी उसकी जिदंगी का, आखरी दिन होगी ॥

आगे परदे पर देखिए

इंटरनेशनल इंटर प्राइज

डायरेक्टर--हरी वालिया + म्यू.--शंकर जयकिशन

कलाकार-शम्मी कपूर, नूतन,प्रेम चोपडा राजेद्रनाथ ललितापवार

गाने-हसरत, शैलेद्र

लाट साहब के गाने

१

जंगू---जाने मेरा दिल किसे ढूंढ रहा है

इन हरी भरी वादियों मे

कभी न कभी टकरायेगा दिल से

इन ही वादियोंमें

ये किसीकी लगन मंजिल मंजिल

हर रोज मुझे दे जाती है

ये किसीकी तमन्ना सीने में जो आसका दीप जलाती है

जाने मेरा दिल किसे...

झरनोंमें नहाती जल परिया क्यो जाने मुझे ललचाती

जंगल की कंवारी कलियां भी हंस २ के कयामत ढाती

जाने मेरा दिल किसे ढूंढ...

जब देखे बिना मदहोस हूं मै

देखूगा उसे तो क्या हो...

क्या नूर भरी सूरत होगी क्या प्यार भरा जलवा होगा

जाने मेरा दिल किस ढूंढ...

२

जंगू--दिल लेगई लेगई इक चुलबुली चुलबुली नाजनीन
मुखडा है ऐसा जैसा उस जालिम का
हुस्न भरा है सारे आलम का
दिल लेगई लेगई.....
उसके काजल बिना नयन काले
और काजल लगाले तो क्या हो
उसके हाथों में सुरखी चमन की
और मेंहदी लगाले तो क्या हो
दिल लेगई लेगई लेगई.....
जितना गुस्सा करे वो हसीना और निखरे है उसकी जवानी
रंग आता है गोरे बदनपर जैसे चांदी पे सोने का पानी
दिल लेगई लेगई लेगई...
कितना नाजुक है वो छुई मुई अपने आंचल से
खुद दब रही है
एक चंपा मदहोश की डाली
अपने फूलों से खुद झुक रही है
दिल लेगई लेगई लेगई...,..

३

जंगू--सवेरे वाली गाडी से चले जाएंगे

कुछ लेके जाएगे कुछ देके जाएगे
सवेरे वाली गाडी....
ये मेला दो घडी दो दिनों की बहार
समय की बहती धार कहती जाती है पुकार
मेहमान कब रुके है कैसे रोके जाएगे कुछ लेके जाएगे
कुछ देके जाएगे सवेरे वाली गाडी....

लडकियां--सवेरे वाली गाडी...

जंगू--मिलो तो दिलो प्यारसे बोलो तो मीठी बात
हमारे बडे भाग्य हुई तुमसे मुलाकात
मिलेगा कुछ तो दिल जो यहां
खोके जाएगे कुछ लेके जाएग
कुछ देके जाएगे, सवेरे वाली गाडी...

लडकियां--सवेरे वाली गाडी....

जंगू--निशानी कोई प्यार की तो छोड जाएगे
कहानी कोई प्यार की तो जोड जाएगे
बनेंगे किसीके किसीके होके जाए , कुछ लेके जाएगे
कुछ देके जाएगे सवेरे वाली गाडी....

लडकियां-सवेरे वाली गाडी से चले जाएगे

जंगू-सवेरे वाली गाडी....

४

निक्की-मुझे जबसे मोहब्बत होगई बस एक मुसीबत होगई

दिल कहता है अब मुझसे प्रीतम की जरुरत होगई
मुझे जबसे मुहब्बत होगई...
मुझे प्यार नें ऐसा लूटा इक तीर जिगर पे टूटा
बस एक मोहब्बत सच्ची बेदर्द जमाना झूटा
ये कैसी हालत होगई

मुझे जबसे मुहब्बत होगई
इक आगसी दिलमें भडके दिल जोर से धडके
मुझे छू ले सर्द हवाए मेरा रोम रोम भडके
ये कैसी हालत होगई

मुझे जबसे मोहब्बत होगई
न उठते चैन मिले है न बैठे चैन मिले है
जब चांद खिले पूनम मेरे दिलके जख्म छीले है
ये कैसी कयामत होगई

मुझे जबसे मोहब्बत होगई

५

निक्की—ऐ चांद जरा छुप जाए वक्त जरा रुक जा
इक बात है होटोपे कहलूं तो करार आए
इक बोझ तो हट जाए...
जंगू—ऐ चांद जरा छुप जाए वक्त जरा रुक जा
रुख बनके इधरको है अब कियों न बहार आए
दुनियां न बदल जाए ऐ चांद जरा छुप जा

निक्की-सब ख्वाब सा लगता है इस रात में जादू है
खामोश नजरो की हर बात में जादू है
हम है कि बन्देसे है दिल है की उडा जाए
इक बात है होटोंपे कहलू तो करार आए
इक बोझ तो हट जाए ऐ चांद जरा छुप जाए
जंगू-मै प्यार की बाजी में दिल हारा तो क्या हारा
पहलू में मेरी दुनियां बाहोंमें जहां सारा
क्या देगा मुकद्दर अब हम मांग के पछताए
इक बात होटोपे कहलू तो करार आए
इक बोझ तो हट ज ए
निक्की-ऐ चांद जरा छुम जा ऐ वक्त जरा रूक जा
इक बात है होटोपे कहलू तो करार आए
इक बोझ तो हट जाए
जंगू—ऐ चांद जरा छुप जा...
निक्की-ऐ चांद जरा छुप जा...
दोनो—ए चांद जरा छुप जा

६

निक्की—तन में अग्नी मन में चुभन
कांप उठा मेरा भीगा बदन
ओ रब्बा खैर ओ रब्बा खैर ओ रब्बा खैर खैर खैर ३
ओ रब्बा खैर...

ओ रब्बा खैर...

जंगू–उजला मुख जैसे दर्पन काली लट जैसे नागिन
ओ रब्बा खैर ओ रब्बा खैर ओ रब्बा खैर ओ रब्बा खैर
ओ रब्बा खैर...

निक्की–कोई लहर जब तन को छूले
बीच भवर मोरी काया झूले
बात जिगर पर मारे पवन थामके दिल रह जाऊं सजन
ओ रब्बा खैर...

जंगू–फूलसे निखरे तेरी जवानी शोला बनगया ठंडा पानी
ओ रब्बा खैर...

निक्की–सोच न तू बाहोंमे लेले इश्क वही जो आग से खेले
चांद से उतरी चंद्र किरण कौन बुझाए मनकी तपन
आज हुआ दो दिल का मिलन
आज मिला धरती से गगन
ओ रब्बा खैर...

जंगू–ओ रब्बा खैर...

प्रकाशक–एफ. बी. बुरहानपुरवाला, सेंट्रल प्रकाशन.
पाववाला स्ट्रीट, कृष्णासिनेमा न्यू चार्नीरोडं मुं. ४
मुद्रक : सज्जाद हुसेन कुर्बान हुसेन,
बाकिर प्रिंटिंग प्रेस, मुझफराबाद हॉल, ग्रांटरोड मुं. ७

माया

* लाईट ऑफ एशिया फिल्म्स *

डायरेक्टर डी. डी. कश्यप * म्यु.-सलील चौधरी

कलाकार–देव आनंद, माला सिंहा, ललिता पवार, जयंत

गीत मजरूह सुलतानपुरी

माया के गाने

१

तस्वीर तेरी दिल में जिस दिन से उतारी है
फिरूं तुझे संग ले के नये नये रंग लेके
सपनों की महफिल में, तस्वीर तेरी दिल में...
माथे की बिंदिया तू है सनम
नैनों का कजरा पिया तेरा गम
नैन किये नीचे नीचे रहुं तेरे पीछे पीछे
चलो किसी मंजिल में, तस्वीर तेरी दिल में...
तुमसे नजर जब गई है मिल
जहां है कदम तेरे वही मेरा दिल
झुके जहां पलकें तेरी, खुले जुल्फें तेरी
रहुं उसी मंजिल में, तस्वीर तेरी दिल में...

२

कोई सोने के दिल वाला कोई चांदी के दिलवाला
शीशे का है मतवाले तेरा दिल

महफिल ये नहीं तेरी दिवाने कहीं चल
कोई सोने के दिलवाला...
है तो सनम लेकिन पत्थर के सनम यहां
प्यार वाली नरमी अदाओं में कहां
होटों से देख इन के टकरायेगा तेरा प्याला
कोई सोने के दिलवाला
क्या जाने ये कहां से आती है कानों में सदा
है दिवाने गम तेरा सबसे जुदा
इस महफिल से उठा दिल
ना बहलेगा ये मतवाला
कोई सोने के दिलवाला...

३

जारे जारे उड जारे पंछी
बहारों के देश जारे यहां क्या है मेरे प्यारे
क उजड गई बगिया मेरे मन की जारे...
न डाली रही ना कली
अजब गम की आंधी चली
हुई दुख की भूली राहों में

जारे ये गली है बिहरन की
बहारों के देश जारे यहां क्या है मेरे प्यारे
के उजड गई बगिया मेरे मन की जारे
मैं बीना उठा ना सकी
तेरे संग गा ना सकी
ढले मेरे गीत आहें में
जारे ये गली है असुअन की
बहारें के देश जारे यहां क्या है मेरे प्यारे
के उजड गई बगिया मेरे मन की जारे

-४-

ऐ दिल कहां तेरी मंजिल
ना कोई दीपक है ना कोई सहारा है
दिल है जमीं दूर आसमां
ए दिल कहां तेरी मंजिल...
किस लिये मिल मिल के दिल टूटते है
किस लिये बन्धन के महल टूटते है
किस लिये दिल टूट ते है
ऐ दिल कहां तेरी मंज़िल...

पत्थरों से पूछा शीशे से पूछा
खामोश है सब की जबां
ऐ दिल कहां तेरी मंजिल...
ढल गये नादां वो आंचल के साये
रह गये रास्ते में अपने पराये
आंचल भी छूटा साथी भी छूटा
ना हम सफर ना कारवां
ऐ दिल कहां तेरी मंजिल...

-१-

फिर एक बार कहो, इतना कहो
सुनो जी साजना मुझको तुमसे प्यार है
नहीं नहीं जी हां जी हां
फिर एक बार कहो...
ओ...किसे खयाल है दिल का मेरे
ओ...पूछो न परदा कौन करे
नयनों में तेरे चल गया कैसा
अपना प्यार कहो, फिर एक बार कहो
ओ...नींद में डूबा सारा नगर

ओ जाग रही तकदीर मगर
ऐसे में तुझको आज कहुं क्या
मेरी बहार कहो, फिर एक बार कहो

६

सनम तू चल दिया रस्ता
तेरे बिना तो क्या मैं रह नहीं सकता
तेरे बिना सनम तु चल दिया रस्ता
जायेगा उजड़ क्या ये सन्सार
जरा ये बतला दे हम से
एलोरा, एजंटा, कुतुबमिनार
खड़े है क्या तेरे दम से
रहेगी वो दिल्ली रहेगा ये बाम्बे और कलकत्ता
अजी जनाब सनम तु चल दिया रस्ता
भूल न सकेगा दिल जो मेरा
सनम तुम्हारी बातें को
कभी कभी दिवानें की तरह
फिरुंगा उठ के रातें को
जिया चाहे तरसे पर बिस्तर से
उठूंगा मैं हंस अजी जनाब
सनम तू चल दिया रस्ता

मझो गालेब

किमत २० पैशे

मिनर्वा मुवीटोन
डायरेक्टर–सोहराब मोदी ❁ म्यु.–गुलाम मोहम्मद
कलाकार–सुरैया, भारत भूषण, निगार. मुकरी, वगैरे
गीतं—शकिल बदायुनी, कलामें गालिब

मिर्झा गालिब के गाने

—१—

नुक्ताचीन है गमें दिल तुझको सुनाएं न बने
क्या बने बात जहां बात बनाएं न बने
गैर फिरता है लिए युं तेरे
खत को अगर कोई पूछे
के ये क्या है तो छुपाये न बनें मै बुलाता तो हुं
मगर ए जजबाए दिल इसपे बन जाए कुछ ऐसी के
बन आए न बने इश्क पर
जोर नही है ये वो आतिश है
गलिब के लगाए न लगे और बुझाए न बूझे

—२—

है बस के हर एक उनके इशारे में निशां और
करते है मोहब्बत वो गुजर ता है गुमां ओर
यार न वो न समझे रे न समझे रे मेरी बात
दे और दिल उनको जों न दे मुझकों जबां और
तुम शहर मे हों तों हमें क्या गम जब उठेंगे

ले आए में बाजार से जाकर दिलो जां और
है और भी दुन्यो में सरखुनीर दहोत अच्छे
करते है गालिब का है अंदाजे बस और

—३—

चली पी के नगर अब काहे का डर
मोरे बांके बलम कोतवाल
अपने पीया की मै वो तो बनी
मारो नजरया दिल होवे छलनी
मेंहदी से हथेली है लाल
बन दुल्हनिया मै इतराऊं
अब न किसी से आंख मिलाऊं
मोहे देखे ये किस की मजाल
घर मै बलम के राज करुंगी
सास ननद मै न डरुंगी
देवर को मै दूंगी निकाल
मोरे बांके बलम कोतवाल

—४—

फिर मूझे दिदगर याद आया
दिले जिगर तश्ना फरयाद आया
दम लिया थाम न कयामत ने हबूज
फिर तेरा वक्त सफर याद आया

जिन्दगी युं भी गुजर जाती है
क्युं तेरा रह गुजर याद आया
फिर तेरे कुचे को जाता है ख्याल
दिले गम गुश्त मगर याद आया

—५—

इश्क मुझको न सही वसहत ही सही
मेरी वशाहत तेरी शोहरत ही सही
खतम किजिए न ताल्लुक हम से
कुछ नही है तो अदावत न सही
मेरे होने में है क्या रुसवाई
गये वो मजीलस नही खल्वत ही सही
हम भी दुश्मन तो नही है अपने
गैर से तूझको मोहब्बत ही सही
हम कोई तर के वफा करते है
न सही इश्क मुसीबत ही सही
हम भी तस्लीम की खूं डालेगे
बे नियाजी तेरी आदत ही सही
याद से छेड चली जाये असद
गर नही वसल तो हसरत ही सही

—६—

दीले नादान तूझे हुवा क्या है

आखिर इस दर्द की दवा क्या है

हम है मुस्ताक और बेजार

या इलाही ये माजरा क्या है

मै भी मुंह मे जबां रखता हुं

काश पूछो के मुद्दाआ क्या है

हमको इनसे,वफा की है उम्मीद

जो नही जानते वफा क्या है

—७—

जान तुम पर निसार करते है

मै नही जानती दुवा क्या है

गंगा की रेती पे बंगला छपाई दे

सैया तेरी करे हाजी बलमा तेरी करे हो

खिडकी की ओर कोई बगया लगाई दे

फूलों की सरे हाजी बलमा तेरी सैर हो

नैनो से नैन मिलें बाते हो प्यार की

पायल के साथ बजे बंसी बहार की

एक तू हो एक मै हुं कोई गैर न हो

—८—

आह को चाहिए एक उम्र असर होने तक

कोन जीता है तेरी जुल्फ के सर होने तक

आशकी सब्र तलक और तमन्ना बेताब

दिलका क्या रंग करुं खुने जिगर होने तक
हमने माना के तगाफूल न करोगे लेकिन
खाक हो जाएगे हम तुमको खबर होने तक
गमे हस्ती का असद किस से हो मर्ग इलाज
शमा हर रंग मे जलती है सहर होने तक

--१--

सखी सरकार हैं तेरी गरीबो का तू दाता है
तेरे दर पर जो आता है
वो कुछ लेकर ही जाता है
जो तू चाहे तो घर उजडा हुआ आबाद हो जाए
कोई मजर तू गमकी कैदं स आझाद हो जाए
सजदे मै है सर तुझपर है नजर
शिकवे भी जबां तक आ पहुंचे
दुनिया के मालिक देख जरा
दीवाने यहां तक आ पहुंचे
भटकती फिर रही थी आरजू में गमकी राहों में
एका एक तेरी सूरत फिर गई मेरी निगाहों में
दुवाओ की वहां लाया जहां तासीर बनती हैं
सुना है ये तेरे दरबार में
तकदीर बनती है

जलता है बदन, फुंकता है जिगर

कर अब तो करम ले

अब तो खबर चिलमन से निकलकर देख जरा

दिवाने कहां तक आ पहुंचे

कहां जाए तेरी महफिल से उठकर तेरे दीवाने

हमारी लाज रखले अब तो

ऐ दुनिया के रख वालें

निगाहें फेर ली सबने लूटे है आस के दीदे

सुनेगा कौन अपनी दास्ताने गम सिवा तेरे

आए है इसी उम्मीद पे हम

जब तूही हमारा फिर गया गम

वो बात भला क्या बिगडेगी

जो बात यहां तक आ पहुंचे

—१०—

रहे अब ऐसी जगह चलकर जहां कोई नही

हम सुखन कोई नही और हम जवां कोई नही

बेदरो दीवार सा एक घर बनाना चाहिए

कोई हम साया न हो और पासबां कोई नही

पडे गर बीमार तो कोई न हो तिमार दार

और अगर मर जाए तो

नाहा खवां कोई न हो

ये न थी हमारी किस्मत के विसाले यार होता
अगर और जीते रहते यही इन्तजार होता
तेरे वादें पे जीये हम तो ये जान लूट जाए
के खुशी से मर न जाते अगर एतबार होता
कोई मेरे दिलसे पुछे तेरे तीरे नम कश को
ये खलिश कहां से होती
जो जिगर के पार होता
हुवे मर के हम जो रुसवा
हुवे क्यों न गर्क दर्या
न कही जनाजा उठता न कही मजार होता

तैयार है कभी कभी का मुखपृष्ट तैयार है

सिनेमा संगीत भाग ६२

किमत १—५० पैसे

प्रकाशक—एफ. बी. बुरहानपुरवाला, सेंट्रल प्रकाशन,
सिंप्लेक्स बिल्डिंग, पाववाला स्ट्रीट, बंबई—४
मुद्रक—एस. के. खरगोनवाला
बाकीर प्रिंटिंग प्रेस, मुझफराबाद हॉल, ग्रांट रोड बंबई-७

नीलकमल

किमत २५ पैसे

कल्पना लोक कृत

डायरेक्टर–राम महेश्वरी म्युझिक–रवी

कलाकार–वहीदा रेहमान, राज कुमार, मनोज कुमार मे.

गीत––साहिर

नील कमल के गाने

रफी–– १

आजा आजा २ तुझको पुकारे मेरा प्यार
आजा मै तो मिटा हुं तेरी चाह में
आखरी पल है आखरी आहे तुझे ढुंढ रही है
डूबती निगाहें बुझती सांसें तुझे ढुंढ रही
सामने आजा इकबार, आजा मै तो
दोनो जहां की भेट चढादी मैने चाह में तेरी
अपने बदन की खाक मिला दी
मैने चाहा में तेरी
अब तो चली आ इस पार, आजा...
इतने युगो तक इतने दुखो को
कोई सह न सकेगा
तेरी कसम मुझे तू है किसी की
कोई कह न सकेगा मुझसे है तेरा इतबार
तेरी नजर की ओस पडे तो
यास मिलन की

तेरे बदन की ओट मिटे तो रहे लाज लगन की
मिल जाए चैन करार
आजा मै तो मिटा हुं तेरी चाह में

आशा, रफी-- २

आओनी सखियो आओनी अडियो देखो चीज निराली
ना ये मुछो वाली शै है न ये चोटी वाली
मुझे तो सखी रुप उसका
दोनो के बिच कार लगता
देश देश में तेरी खातिर बितल बनकर घुमा
गा गा के वो धुम मचाई सारा योरुप झुमा
मुझे ना दुत्कार गोरिए के
मै तो तेरा यार लगता
जाने तू इन्सान है कोई या भुतनी का बच्चा
खुद को मेरा यार कहां तो खा जाऊंगी कच्चा
देखे तो तेरी जान निकले
जो मेरा दिलदार लगता
सात समन्दर पार से आया लेकर कपडा गहना
मै ही तेरा यार हुं गोरिए
मान ले मेरा कहना वहां ना एसा रुप भरता
तो लोगो को गंवारा लगता

मुर्गे जैसी तांगे तेरी बंदर जैसा चेहरा
तू और मेरे घर आएगा बांध के सिर पर सेहरा
शीशे में जाके तक मुखडा
तू तो कोई चिटी मार लगता
देख पहन ली फिर से मैने वो पोशाक निराली
अब तो मान अब तो कहदे मुझको अपना जानी
तुझपर सदके तुझ पर वारी मेरी भरी जवानी
तु खेतो का राजा बन गया मै सपनो की रानी
मुझे तो तेरा रुप सजना
बड़ा ही लच्छेदार लगता
तू मेरी दिलदार लगती मै तेरा दिलदार लगता

रफी-- ३

बाबुल की दुआएं लेती जा
जा तुझको सुखी संसार मिले
मै के कि कभी ना याद आए
ससुराल में इतना प्यार मिले
बाबुल की दुआएं लेती जा
नाजो से तुझे पाला है मैने
कलियो की तरह फुलो की तरह
बचपन में झुलाया है तुझको

बाहो में मेरी फुलो की तरह
मेरे बाग की पे नाजुक डाली
तुझे हर पल नई बहार मिले
बाबुल की दुआएं लेती जा...
जिस घर से बंधे तेरे भाग सदा
उस घर में सदा तेरा राज रहे
होटो पे खुशी की धुप खिले
माथे पे खुशी का ताज रहे
कभी जिसकी जीत न हो फिकी
तुझे एसा रुप सिंगार मिले
बाबुल की दुआएं लेती जा...
बीते तेरे जीवन की घडिया आराम की ठंडी छाओ में
कांटा भी ना चुभने पाए कभी
मेरी लाडली तेरे पांव में
उस द्वार से भी दुख दुर रहे
जिस द्वार से तेरा मिले
बाबुल की दुआएं लेती जा...

--४--

खाली डब्बा खाली बोतल मेरे यार
खाली से मत नफरत करना खाली सब संसार

बडा बडा सर खाली डब्बा
बडा बडा तन खाली बोतल
जिस पर लगा था भरे का लेबल
हमने इस दुनिया के दिलमें झांका ी ी बार
भरे थे तब बंगलो मै ठहरे
खाली हुए तो हम तक पहुंचे
महलो की खुशियो के पाले
फुटपाथो के गम तक पहुंचे
इन शरणार्थीयो के सर पर
देदे थोडा प्यार ले ले खाली
खाली की गारंटी दुंगा भरे हुए की क्या गारंटी
शहद में गुड के मेल का डर है
घी के अन्दर तेल का डर है
तम्बाकू में घास का खतरा
सेठ में झुठी बात का खतरा
मक्खन में चर्बी की मिलावट
केसर में काजल की मिलावट
मिरची में ईंटो की घिसाई आटे में पत्थर की पिसाई
व्हिसकी अन्दर टिचर घुलता
रबरी बीच बलौटिंग तुलता
क्या जाने किस चीज में क्या हो

गर्म मसाला ठीक भरा हो
क्यो दुविधा में पडा है प्यार
झाड दे पाकिट खोल दे अंटी
छान पीस कर खुद भर लेना
जो कुछ हो दरकार ले ले खाली

--५--

शर्मा के युं ना देख अदा के मुकाम से
अब बात बढ चुकी है द्याय के मुकाम से
तस्वीर खींच ली है तेरे शौख हुस्न की
मेरी ने आन्न खता के मुकाम से
दुनिया को भुलाकर मेरी बारी में झुल जा
आवाज दे रहा हुं वफा के मुकाम से
दिलके मुआमले मे नतीजे की फिक्र क्या
आगे है इश्क जुर्मो सजा के मुकाम से

--६--

यह जिंदगी जो थी अब तक तेरी पनाहो में
चली है आज भटकने उदास राहो में
तमन्ना उम्र के रिश्ते घडी में खाक हुए
न हम है दिलमें किसी के न है निगाहो में
ये आज जान लिया अपनी कम नसीबी ने
कि बेगुनाही भी शामिल हुई गुनाहो में

किसी को अपनी जरुरत न हो तो
निकल पडे सिमटने कजा की बाहो में

---७---

आशा--हो रोम रोम में बसने वाले राम
जगत के स्वामी हो अन्तर्यामी मै तुझसे क्या मांगू...
आस का बंधन तोड चुकी हु
तुझपर सब कुछ वार चुकी हुं
नाथ मेरे मै क्यो सोचू तू जानें तेरा काम
जगत के स्वामी है अन्तर्यामी
तेरे चरणो की धुल जो पाए
वो कंकर हीरा हो जाये
भाग मेरे जो मैने पाया इन चरणोमें धाम
भेद तेरा कोई क्या पहचाने
जो तुझ सा हो वो तुझे जाने
तेरे किये को क्या देवे भले बुरे का नाम

प्रकाशक–एफ. बी. बुरहानपूरवाला, सेंट्रल प्रकाशन
सिंप्लेक्स बिल्डिंग, पावबाला स्ट्रीट, बंबई–४
मुद्रक--एस. के. खरगोनवाला
बाकी प्रिंटिंग प्रेस, मुझफराबाद हॉल, ग्रांट रोड बंबई ७

प्रेम पर्वत

और टावर हाऊस

कीमत १२ पैसे

आर्टमकर प्रझेंटेशन शांतिसागर

डायरेक्टर–वेदराही　　　संगीत—जयदेव

कलाकार–रेहाना सुल्तान, सतीस कौल, नाना पलसीकर

गीत— जॉनिसार अख्तर, पद्मा सचदेव
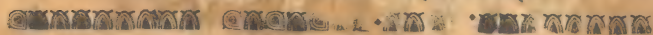
० प्रेम पर्बत के गाने ०

१—मेरा छोटा सा घर बार मेरे अंगना में

छोटा सा चन्दा छोटे छोटे तारे

रात करे सिंगार मेरे अंगना मै

प्यारा सा गुड्डा मेरा अम्बर से आया

अम्बर से आया मेरे मन में समाया

कण कण में जागा है प्यार मेरे अंगना में

मेरा छोटा सा घर बार मेरे अंगना में

देहरी रंग लूं अंगना बुहारुं

तुलसी मईया मै तेरी नजर उतारुं

प्यार खडा मेरे द्वार मेरे अंगना में

मेरा छोटासा घर मेरे द्वारे अंगना में

रात सुहागन चांद को तरसे बोल न निकले आंख न बरसे

मौन खडी इक नार, मेरे अंगना में

मेरा छोटासा घर बार मेरे अंगना में

२—रात पिया के संग जागी रे सखी

चैन पडा जो अंग लागी रे सखी

सैया जी ने जादू फेरा बाहों का डाला घेरा

करके जरा अन्धेरा, अचरा जो खींचा मेरा
गोद पिया की तंग लागी रे सखी
रात पिया के संग जागी रे सखी
सईया जी ने डाका डाला उलझा लटो मै बाला
बिखरी गले की माला भडकी बदन की ज्वाला
देह धनूष रंग लागी रे सखी रात पिया के संग
गजरा सुहाना टूटा कजरा नयन का छुटा
सब तन भैया रे झूठा जितना सताया लूटा
और भी वो के अंग लाली रे सखी
तनकी छुपी तरंग जागी रे सखी चैन पडा जो अंग रे सखी
३—यह निर कहां से बरसे है बदरी कहां से आई है
गहरे गहरे नाले गहरा गहरा पानी
गहरे मनकी चाह अनजानी रे
जग की भुल भुलईये में कूंज कोई बौराइ है
यह बदरा कहां से आई है चीडो के संग आहे भरला
आग चनार की मांग मै धरली बुझ न पाए रे राख से भी जा
ऐसे अगन लगाई है यह बदरी कहां से आई है
पंछी पगले कहां घर तेरा रे
भुल न जाईयो अपना बसेरा रे
कोयल भुलगई जो घर वो लोट के फिर कब आई है
यह बदरी कहां से आई है
४—बन्नो-चुडी ना खनका मेरा बन्ना न डरा

मेरा बन्ना है अनजान, इस को दुध और भात खिलाना
बन्नो कंगना ना खनका मेरा बन्ना न डरा
मेरा बन्ना एक दम भोला तेरे डर से कुछ ना बोला
बन्ना बिछुवे खनका मेरा बन्ना न डरा
बन्ना डर के गिर न जाए अपने बोल से फिर न जाए
बन्नो घुंघट न सरका मेरा बन्ना न डरा
बन्नो काली है या गोरी बन्ना देख चोरी चोरी

५—यह दिल और उनकी निगाहो के साए
मुझे घेर लेते है बाहों के साए
पहाडो को चंचल किरण चुमती है
हवा हर नदी का बदन चुमती है
यहा से वहां तक है चाहो के साए
मुझे घेरे लेते है बाहो के साए
लिपटते यह पेडो से बादल घनेरे
पल पल उजाले, पल पल अन्धेरे
बहुत ठंडे ठंडे है राहो के साए
मुझे घेर लेते है बाहों के साए
धडकते है दिल कितनी आजादियों से
बहुत मिलते जुलते है इन वादियों से
मुहब्बत की रंगी पनाहों के साए
मुझे घेर लेते है बाहों के साए

❀ दीस प्रोडक्शन प्रेझेंट ❀

डायरेक्टर–एन· ए. अनसारी ❀ म्युझिक–रवी

कलाकार–अजीत, शकीला, एन. ए. अनसारी, भगवान

गीत—एस. एच. बिहारी

टावर हाउस के गाने

—१—

ये सितम क्या है बनाकर हमको दिवाना चले
दो घडी तो कम से कम ये दौर पैमाना चले
ये सितम क्या है.........
तुम से मिलकर बिन पिये ही शराबी हो गये
देख लो आंखों के डोरे भी गुलाबी हो गये
इक नजर में लुटकर तुम सारा मैखाना चले
ये सितम क्या है.........
जिन्दगी में ऐसी रातें रोज आने की नहीं
आ भी जाओ ये घडी दामन बचाने की नहीं
अब अधुरा छोडकर क्युं दिलका अफसाना चले
ये सितम क्या है.........

(असद भोपाली)

—२—

आज की रात अंधेरा भी तन्हाई भी
कोई इस रात की तन्हाई में हमराज नहीं

आसमां चुप है जमीं चुप है, जमाना चुप है
कोई साया कोई आहट कोई आवाज नहीं
ऐ मेरे दिले नादां तु गम से न घबराना
इक दिन तो समझ लेगी दुनिया तेरा अफसाना
ऐ मेरे दिले नादां.........
मालिक ने तुझे दी है ये जिन्दगी जीने को
तुफान में घिरने दे तु अपने सफीने को
जब वक्त इशारा दे साहिल पे पहुंच जाना
ऐ मेरे दिले नादां........

(असद भोपाली)

३– जरा बचके शिकारी शिकार करना
नैन जाने हमारे भी वार करना जरा बचके.........
हुस्न की शोख अदा देख के दिल न जाना
खाके आंचल की हवा क्यूं मचलता है भला
जा रे जा ओ दिवाने तेरी भूल है
दिल हमारे लिये बेकरार करना जरा बचके.........
फूल से गाल भी है रेशमी बाल भी है
आज तो बिखरे हुए जुल्फ के जाल भी है
बात माने न माने हमारी मगर
काम अपना तो है होशियार करना जरा बचके......
जान प्यारी है अगर, यूं न फिर देख इधर

खिंचकर तिरे नजर, मार दे हम जो अगर
उमर भर चोट खाके तडपता रहे
भूल जाये हसीनों से प्यार करना जरा बचके.........

(बिहारी)

४-मै खुशनसीब हुं मुझको किसी का प्यार मिला
बडा हसीन मेरे दिलका राजदार मिला मै खुशनसीब हुं...
है दिलमें प्यार जवां चुप झुकी झुकी नजरें
अजब अदा से कोई आज पहली बार मिला मै खुशनसीब हुं
किसी को पाके मेरे दिलका हाल मत पूछो
कि जैसे सारे जमाने पे इखत्यार मिला मै खुशनसीब हुं
किसी ने पूरे किये आज प्यार के वादे
मेरी वफा का सिला मुझको शानदार मिला मै खुशनसीब हुं
मेरे चमन का हर एक फूल मुस्कुराने लगा
वो क्या मिले कि मुझे मौसमे बहार मिला मै खुशनसीब हुं

(असद भोपाली)

५—मौसम है जवां नूर में डुबे है नजारे
ऐसे में हर एक दिल है किसी दिलके सहारे मौसम है जवां
ये फूलों की वादी, ये बहारों का जहां है
हंसता हुआ गाता हुआ रंगीन समां है
तुम दूर हो, फिर भी है ये दिल पास तुम्हारे
मौसम है जवां..........

ये झिल की मौजों के मचलने का नजारा
ये दूर से तकता हुआ खामोश किनारा
जैसे कोई हम दोनों की तस्वीर उतारे मौसम है जवां
इक आग सी लगती है जो चलती है हवायें
इक दर्द सा उठता है जो उठती है घटायें
जो दिन भी गुजरे है यही कहके गुजारे मौसम है जवां
(असद भोपाली)

६–ऐ मेरे दिले नादां तू गम से न घबराना
इक दिन तो समझ लेगी दुनिया तेरा अफसाना
ऐ मेरे दिले नादां............
अरमान भरे दिलमें जख्मों को जगा दे दे
भडके हुए शोलो को कुछ और हवा दे दे
बनती है तो बन जाये ये जिंदगी अफसाना ऐ मेरे दिले नादां
फरियाद से क्या हासिल रोने से नतीजा क्या
बेकार है ये बातें इन बातों से होगा क्या
अपना भी घडी भर में बन जाता है बेगाना
ऐ मेरे दिले नादां....... ...

प्रकाशक—एफ· बी. बुरहाणपुरवाला, सेंट्रल प्रकाशन
सिंप्लेक्स बिल्डिंग पाववाला स्ट्रीट बंबई ४
मुद्रक—एस. के. खरगोनवाला
ब.कीर प्रिंटिंग प्रेस मुझफ.राबाद हॉल ग्रांट रोड बंबई ७

शराबी

कीमत ०४ रुपये

......प्रकाश मेहरा प्रेझेंट.. ...

डायरेक्टर-प्रकाश मेहरा... संगीत-बप्पी लहरी

कलाकार-अमिताभ बच्चन, जया प्रदा, ओमप्रकाश, प्राण

गीतकार-अंजान

शराबी के गाने

१-लडका-हां जहां चार यार मिल जाय
वही रात हो गुजार, जहां चार यार मिल जाय
महफिल रंगीन जमे-२ दौर चले धुम मचे
मस्त मस्त नजर देखे नये चकरकार
जहां चार यार मिल जाय
बन ए कोन्क इन माई हाउस देर वोज
ए कैत देर वोज ए माउस, खेल रहे थे दंडा गिली
चुहा आगे पीछे बिली चुहे पढ गए
जान के लाले बोला मुझ को कोई बचा ले
चुहा आगे पीछे बिल्ली ४
बंद झरोका बंद थी खिडकी
बिगडी हुई थी हालत उसकी
मेरे पास था बडा गिल्लास, पी गया चुवा सारी विस्की
खडक के बोला कहां है बिल्ली है
दुम दुबा के बिल्ली भागी चुहे की फुटी किस्मत जागी
दुम दबा के बिल्ली भागी २

खेळ रिसकी था किया विस्की ने बडा पार २
महाफिल रंगीन जेम...
एक था हसबंद एक थी वाईफ
बिलकुल उलटी उनकी लाईफ
डंकन हसबंद फाईटर वाईफ
निले बिगडे शौहर तिगडे रोज के
जगडे रोज के लफडे जगडे अरे जगडे लफडे
बीबी की थी एक सहेली उसने उसको कुछ समझाये
तब बीबी की समझ में आया
रात को शौहर पी के आया दरवाजे पे केह केह लगाया
उसकी बिबी बन गई भोली भाली खोली २ हंस के बोली
जाने तमन्ना अन्दर आवो पहले तो कुछ खाओ
फिर बिस्तर पे होगी बाते बडे प्यार से कटेगी राते
शौहर सोचा भुल मै ये किस के घर आ गया यार
मेरी बिबी मुझे कभी भी प्रेम नही करती इतना प्यार
शौहर बिस्तर छोडके भागा
अरे गुल्ली ताळा तोडके भागा २
छोड दे तो माफ किजिए मेरे साथ जरा इन्साफ किजिए
मुझको अपने घर जाना है वरना बिबी फिर मारेगी
उस दिन बिवी होस में आई, बंद हो गई सारी लडाई
नफरत हारी उल्फत जीती रुठी खुशी लौट आई

पिना छुट गया बिबी ने इतना दिया प्यार-२
फिर दोनो ऐसे मिले प्यार में ही डुब गए
प्यार अगर मिले तो हर नशा है बेखार
जहां चार यार मिले जाए
२-लडकी-अंग अंग तेरा रंग रचा के
ऐसा करु सिंगार जब २ झांझर
बंदे पावो में खनके मन के तार
मुझे नवलखा मंगा दे हो सैया दिवाने
मुझे नवलखा मंगा दे हो सैया दिवाने
माथे पे झुमर कानो झुमका
पावो में पायालिया हाथो में हो कंगना
मुझे नवलखा मंगा रे हो सैया दिवाने
तुझे मै तुझ मै तुझे गले से लगा लुंगी
सलमा सितारो की झील मिल चुनरीयां
ओ हो पहन के तो फिसले नजरीयां
मुझे सजा दे बलमा-२
कोरी कुवारी ये कमसीन उमरीया
तेरे लिए नाचे सजके सावरीया
लाली मगा दे सजना सुरज से लाली मगा दे सजना
तुझे मै तुझे मै तुझे होठो से लगा लुगी हो सैया दिवाने
मुझे नवलखा मगा दे रे हो सैया दिवाने
तुने तो सारी उमरीया लुटाये बैठी बलमा

दो अखियो की शरारत में
मै तो जन्मो का सपना सजाए बैठी सजना
खो के तेरी मुहब्बत में
माना है माना ये अब मै
होता है क्या तीर का लगाना
रुठे ये दुनिया या रूठे जमना
जाना है मुझको सजन घर जाना हो जैसे सजन के
जैसे अखिया मे तु मुस्काना
तरीया ले मांग सजा के
पुनम से चन्दा की बिंदिया मंगा दे
तुझे मै तुझे मै तुझे माथे पे सजा लुंगी हो सैया दिवाने
माथे पे झुमर कानो मे झुमका पावो मे पायलिया
मुझे नवलखा मंगा दे रे हो सैया दिवाने
तेरे होठो पे सजा दुंगी मै सारे मैखाने
लडका-तेरे नाम लोग कहते है मै शराबी
तुमेने भी शायद ये ही सोच लिया हो
लोग कहते है मै शराबी हुं
किसी के हुस्न की गुरुर जवानी का नशा
किसी के दिल से मुहब्बत की रवानी का नशा
किसी को देख के सांसो से उभरता है नशा
बिना पिए भी कही हद से गुजरता है नशा

नशे में कौन नही है मुझे बताओ जरा
किसे है होश मेरे सामने तो लाओ जरा
नशा है सब पे मगर रंग नशे का जुदा
खिली खिली हुई सुबह पे शबनम का नशा
हवा पे खुशबु सा बादल पे है रिमझिम का नशा
कही सुरर हैं खुशियो का कही गम का नशा
नशा शराब में होता तो नाचती बोतल
नशा में कोई नही है मुझे बताओ जरा २
लोग कहते है मैं शराबी हूं
तुमने भी शायद ये सोच लिया होगा
थोडी आंखो से पिला दे रे सजनी दिवानी
तुझे मे तुझे मे तुझे सांसो मे बसा लूंगा सजनी दिवानी
तुझे नवलचा मंगा दूंगा सजनी दिवानी
३–लडका–मंझिलो पे आप मुझ से है दिलो के कारवा
कसातियां साहील से अक्सर डुबती है प्यार की
मंझिले अपनी जगह है रास्ते अपनी जगह २
जब कदम ही साथ ना तो मुसाफिर क्या करे
थुं तो है हम भी और हम सफर भी है मेरा
बढ के कोई हाथ ना दे दिल बहला फिर क्या करे
मंझिले अपनी जगा है रास्ते अपनी जगा
डुबने वाले को तिनके सहारा बहुत

दिल बहल जाए फकत इतना इशारा ही बहुत
तेरे परभी आसमां वाला गिरादे बिजलिया
कोई बतलादे जरा डुबता फिर क्या करे
मंझिले अपनी जगा है रास्ते अपनी जगा
प्यार करना जुलम है तो जुलम हम से होगया
काफिले मां की हुआ करते नही ऐसे गुन्हा
संग दिल है जहां और संग दिल मेरा चनम
क्या करे जोसे जुनु और हौसला फिर क्या करे
मंझिले अपनी जगा है रास्ते अपनी जगा
जब कदम ही साथ ना दे तो मुसाफिर क्या करे
यो तो है हम दर्द भी और हमसफर भी है मेरे
बढ के कोई हात न दे दिल भला फिर क्या करे
४-लडका-हम बंदे हैं प्यार क मांगे सबकी खैर
हां अपनी सब से दोस्ती नही किसी की बैर
हां दे दे प्यार दे दे प्यार दे हम से प्यार दे
दुनिया वाले सब कुछ भी समझे हम है प्रेम दिवाने
जहां भी जाए तुझे पुकारे गाके प्रेम तराने
दे दे प्यार दे प्यार दे प्यार दे
अरे आने को तो लोग है आते
सुरज चान्द सितारे हां फिर भी अंधेरी
है ये दुनिया तु ही दाग दिखा दे

प्रेम प्यार से प्रेम की बरखा प्रेम नगर से बरसे
ये देखकर दुनिया तुझे कोई गिल्लास प्यासा तरसे
दे दे प्यार दे प्यार दे
अरे कहां दिलो के बीच खडी जो बोह दिबार गिरी
हां दिल में खोई २ ऐसी प्यार की ज्योति जगा दे
प्यार दे दिल में तो लगती है सारी दुनिया प्यारी
हम सारी दुनिया से सारी दुनियां हमारी
दे दे प्यार दे प्यार दे दे

यैार है ॥ ॥ तैयार है ॥ ॥

सिनेमा संगीत भाग ७८ वा

किमत ३-००

प्रकाशक-एफ. बी. बुरहानपुरवाला, सेंट्रल प्रकाशन
सिंग्लेक्स बिल्डिग, पाववाला स्ट्रीट बंबई-४
मुद्रक-एस. के. खरगोनवाला
बाकीर-प्रिटिंग प्रेस, मुजफराबाद हॉल ग्रांट रोड, बंबई-७

शिकार
ईस्टमनकलर
कीमत १० पैसे
शिकार

कथासार

—❦—

अजयसिंह (धर्मेन्द्र) एक प्राइवेट जंगल की देखभाल करता है जो उसके एक अमीर दोस्त माथुर (रमेश देव) की मिलकियत है एक दिन आदमखोर शेर एक मजदूर औरत को उठाकर ले जाता है ये औरत इसी जंगल में काम करती थी अजय और नरेश आदमखोर का पिछा करते है और आखिर में उसे बंदुक की गोली का निशाना बना देता है इसी खुशी में रात को जंगली लोग जश्न मनाते है

उसी रात अजय अपने सोने के कमरे कि खिडकी से देखता है कि एक जिप गाडी तेजी से जा रही है और बडे धमाके के साथ एक दरखतसे टकराकर उलट जाती हैं। अजय बाहर भागता है और एक्सीडेंट की जगह से एक खूबसूरत जवान लडकी को उठाता है जो गाडी चलाती थी अजय उस बेहोश लडकी को उठाकर कमरें में लाता है और बिस्तर पर लिटाकर खुद डाक्टर को बुलाने शहर की तरफ जाता है जो वहां से बीस मिल दुर है जैसे ही वो गाडी में जा रहा है देखता है कि नरेश के बंगले का दरवाजा टूटा हुआ है और उसकी जिपं बाहर खडी है

आगे पन्देपर देखिए

+ गुरुदत्त फिल्मस *

डायरेक्टर-आत्माराम 卐 म्यु.-शंकर जयकिशन

कलाकार-आशा पारेख, धर्मेन्द्र, हेलन, संजीवकुमार, जानीवाकर

- शिकार के गाने --

आशा— १

लड़की-पर्दे में रहने दो पर्दा न उठाओ

पर्दा जो उठ गया तो भेद खुल जाएगा

अल्ला मेरी तौबा अल्ला मेरी तौबा

कोरस—अल्ला मेरी तौबा अल्ला मेरी तौबा

लड़की-मेरे पर्दे में लाख जलवे है

कैसे मुझसे नजर मिलाओगे

जब जरा भी नकाब उठाऊंगी

याद रखना के जल ही जाओगे, पर्दे में रहने दो

हुस्न जब बे नकाब होता है

वो समां लाजवाब होता है

खुद को खुद की खबर नहीं रहती

होश वाला भी होश खोता है, पर्दे में......

हाय जिसने मुझे बनाया है

वो भी मुझको समझ न पाया है

मुझको सजदे किए है इन्सां ने

इन फरिश्तोंने सर झुकाया है, पर्दे में...

रफी—　　　　　　　　४

लड़का-तुम्हारे प्यार में हम बेकरार होके चले
शिकार करने को आए होके चले
तुम्हें करीब से देखा तो दिलको हार दिया
तुम्हारी शोख अदा ने हमें तो मार दिया
हरएक बातपे हमतो निसार होके चले, शिकार करने...
तुम्हारी आंख मुहब्बत की बात कहती है
तुम्हें जरूर किसीकी तलाश रहती है
ये राज़ जान गए राजदार होके चले
शिकार करने को...
न इतना होश न अपनी खबर कहां है हमें
इसी का नाम महब्बत है मेरे हमदम
तुम्हारे कूचे से दिवाना वार होके चले शिकार करने

आशा भासले—　　　　　　　　३

हाय मेरे पास तो आ किधर ख्याल है
आंख से आंख तो मिला किधर ख्याल है
इधर भी एक नजर करदे मेरे मन चाहे परवाने
घड़ी घड़ी न भायगी कहां खोया है दिवाने
हाय मेरे पास तो आ...
पड़े है हमभी राहों में मिटादे जितना जी चाहे
सितम भी मेरे प्यारे सताले जितना जी चाहे

हाय मेरे पास तो आ

मत्र ता है दि ... नादां नहीं माने बडी मुश्किल

कहां तुझको समझाऊं मेरा बनजा मेरे कातिल

हाय मेरे पास तो आ...

महेंद्र, कृष्ण कहे— ४

लडका-मेरे सरकार मेरी आहों का असर देख लिया

लडकी-हां असर देख लिया

लडका—रुक गए आप वफाओं का असर देख लिया

लडकी-हां असर देख लिया

लडका-प्यार सच्चा हो तो ये वक्त भी रुक जाता है

आसमां लाख ऊंचा रहे झुक जाता है

आपने दिलकी दुआओं का असर देख लिया

लडकी-हां असर देख लिया   लडका-मेरे सरकार

लडका-आगए आपके कदमों में उतर कर बादल

बनगई मस्त घटा आपके सर का आंचल

आपने शोख फिजाओं का असर देख लिया

लडकी-हां असर देख लिया   लडका-मेरे सरकार

लडका-फूल से चहरे पे हसीं भी आई

आज सौ रंग लिए दिल में खुशी भी आई

आपने इश्क की राहों का असर देख लिया

लडकी—हां असर देख लिया   लडका—मेरे सरकार

५

आशा भोसले—

लडकी—मै अलबेली प्यार जताके ल लेती हूं दिल

एक नजर मै जिसपे डालूं होजाए गाफिल

मेरी आंखें जो भी देख बहका २ जाय

मेरी बातें जो भी सुनले सौ २ चक्कर खाय

हुदरी या या या

मेरा जैसा कौन मिलेगा मस्ताना कातिल

एक नजर मै जिसपे डालूं होजाय गाफिल

मै अलबेली प्यार......

बचके रहना ए दिलवालों मै हूं एक बला

हंस हंस के जो चाहे ले लूं वो हूं शोख अदा

हुदरी या या या

जिसको चाहे कर लेती हूं पलभर में हासिल

एक नजर मै जिसपे डालूं होजाए गाफिल, मै अलबली...

चंदा से भी उजली हूं मै शोला चिंगारी

फूल समझ दिलसे खेलू मै तितली मतवारी

हुदरी या या या

दम से मेरे इस दुनियां की रंगी महफिल

एक नजर मै जिसपे डालूं होजाए गाफिल, मै अलबली...

६—जबसे लागी तोसे नजरिया

नस नस में दौडे है बिजुरिया

आजा अ जा मोरे सांवरियां
मोसे संभले न बाली उमरिया

नैन हुए है दोनों गुलाबी
चाल चलूं मै जैसे शराबी

भेद जिया के कैसे बताऊं
पढले मोरा चेहरा किताबी, जबसे लागी तोसे नजरिया
रंग में तोरे मै तो रंग गई
प्यार की बतियां मै तो समझ गई

जान ले तू भी मोरे बलम
आज काहे इतनी सज गई, जबसे लागी...
राह नवेली डर मोहे लागे
थाम ले बैयां सामने आके

खोज में तेरी खुद खो जाऊं
तू जो मिले तो ये जागे
जब से लागी तोसे नजरिया......

प्रकाशक–एफ. बी. बुरहानपूरवाला; सेंट्रल प्रकाशन, सिप्ले रूम बिल्डिंग; पाववाला स्ट्रीट, ड्रीमलैंड सिनेमा न्यू चार्नीरोड, बंबई ४
मुद्रक—एस. के. खरगोनवाला
शाकीर प्रिंटिंग प्रेस, मुझफराबाद हॉल; ग्रांट रोड, बंबई ७

तीसरी कसम

कथासार

...X...
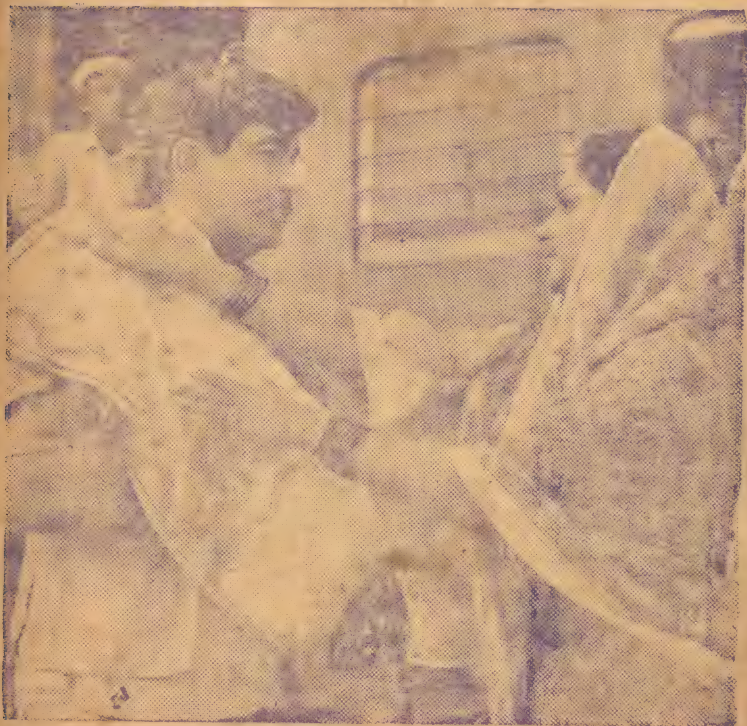
भोला भाला देहातीगाड़ीवान हिरामन और नौटंकीकी एक्ट्रेस हिराबाई जीवनकी राहमें आ मिली। एक हिरामन हिराबाई को फार्बिजगंज के मेले में जा रहे थे, तीन घंटे का सफर था साथ उन्होंने एक दूसरे के पास ले आया॥ हिराबाई की जिंदगी म शायद पहली बार एक हिरा आदमी मिला। जिसका मन गंगा के निर्मल पानी की तरह स्वच्छ था। हिरामनने शायद पहली बार एक औरत को इतने नजदीक से देखा बात ही बात में सफर कट गया॥

मेले में पहुंचकर हिराबाईने हिरामन को अपनी नौटंकी देखने का बुलावा दे डाला॥ हिरामन रोज तमाशा देखने पहुंचता हिराबाई रोज नये रुपमें सजधज कर स्टेज की चका चौंधमें उतर के गाती गाती रोज पर्दा खुलता और एक नया खेल शुरू होता

हिरामन और हिराबाई को पता भी नहीं चला नौटंकी की इस दुनियामें परदे के पीछे एक और खेल शुरू होगया है और तमाशा देखते देखते वे खुद तमाशा बनगए है, प्यारके खेल की शुरुआत ऐसे ही अनजाने में हो जाती है, बिलकुल अलग किस्मतकी दुनियाओंसे आए हिरामन और हिराबाई आ तो मिले एक जगह लेकिन

आगे परदेपर देखिए

❀ शैलेंद्र प्रेझेंट ❀

डायरेक्टर : बसु भट्टाचार्य ❀ म्यु.—शंकर जयकिशन

कलाकार—राजकपूर, वहिदारेहमान, दुलारी, असीत सेन वगैरे

तीसरी कसम के गाने

१

सजनरे झूट मत बोलो खुदाके पास जाना है
न हाथी है न घोडा है वहां तो पैदल ही जाना है
तुम्हारे महल चौबारे यहीं रह जाएंगे सारे
अकड किस बातकी प्यारे य सरभी झुकाना है, सजनरे...
भला कीजे भला होगा बुरा कीजे बुरा होगा
वही लिख २ के क्या होगा यहीं सब कुछ चुकाना है, सजनरे...
लडकपन खेलमें खोया जवानी नींदभर सोया
बुढापा देखकर रोया वही किस्सा पुराना है, सजनरे...

—शैलेंद्र

२

सजनवां बैरी होगए हमार
चिठ्ठियां हो तो हर कोई बांचे भाग न बांचे कोई
करमवा बैरी होगए हमार
जाय बसे परदेसे सजनवा सौतन के भरमाए
न संदेश कोई खबरिया रुत आए रुत जाए
डूब गए हम बीच भंवरमें करके सोलह पार

सजनवा बैरी गए हमार
सूनी सेज मोद मोरी सूनी मरम न जाने कोय
छटपट तड़पे प्रीत बिचारी ममता आंसू रोये
न कोई इस पार हमारा न कोई उसपार
सजनवा बैरी गए हमार — शैलेंद्र

-३-

दुनियां बनाने वाले क्या तेरे मनमें समाई
काहे को दूनियां बनाई तू ने काहे को दुनियां बनाई
काहे बनाए तूने माटी के पुतले
धरती ये प्यारी प्यारी मुखड़े पे उजले
काहे बनाया तूने दुनियां का खेल
जिसमें लगाया जवानी का मेल
गुपचुप तमाशा देखे वाहरे तेरी खुदाई
तू ने काहे को दुनियां बनाई
तू भी तो तड़पा होगा मनको बनाके
तूफां ये प्यारका दिलमें छुपाके
कोई छबीतो होगी आंखों में तेरी
आंसू भी छलके होगे पलकोंमे तेरी
बोल क्या सूझी तुझको काहे को प्रीत जगाई, तूने काहे क...
प्रीत बनाके तूने जीना सिखाया
हंसना सिखाया रोना सिखाया

जीवन के पथ पर मीत मिलाए

मीत मिलाके तू ने सपने जगाये

सपने बनाके तू ने कांहे को दे दी जुदाई

तूने काहे को दुनिया बनाई —हसरत जैपुरी

-४-

चलते मुसाफिर मोह लिया पिंजरे वाली मुनिया

उड़उड़ बैठी हलवईया दूकनियां

बरफी के सब रस ले लियारे पिंजरे वाली मुनिया

उड़उड़ बैठी बजजवा दूकनियां

कपड़ा के सब रस ले लियारे पिंजरे वाली मुनिया

उड़उड़ बैठी बवनियां

बिड़ा के सब रस ले लियारे, पिंजड़ वाली मुनियां

—शैलेंद्र

-५-

पान खाए सैयां हमारे

सांवली सुरतियां होंठ ल ल ल ल

हाय हाय मलमल का कुर्ता

मलमल के कुरत पे छींटे लाल लाल

हमने मगाई सुरमेदानी ले आया जालिम बनारस का जर्दा

अपनी ही दुनियां में खोये रहे

वो हमारे जी को न पूछे बेदर्दी पान खाए

बगिया गुनगुन पायल छुन छुन
चुपके से आई है रुत अलबेली
खिल गई कलियां दुनियां जाने
लेकिन न जाने बगिया का माली, पानखाए
खाके गिलोरी शामसे उडे सोजाए वो दिया बातीसे पहले
आंगन अटारी मै घबराइ डोलूं
चोरीके डरसे दिल मोरा दहले—पान खाए...

—शैलेंद्र

६

मारे गए गुलफाम अजी हां मारे गए गुलफाम
उल्फत भी रास न आई अजीहां मारे गए गुलफाम
एक सब्ज परी देखी और दिल गंवा बैठे
मस्ताना निगाहोंपर फिर होश लूटा बैठे
काहे को मै मुस्काई अजीहां मारे गए गुलफाम
आबरु की कटारीसे नैनों की दो धार से
वह होके रहे जखमी इक वादे दहारीसे
ये जुल्फ क्युं लहराइ अजी हां मारे गए गुलफाम
एक प्यारकी महफिलमे वो आए मुकाबिलमें
वो तीर चले दिलपर हलचलसी हुई दिलमें
चाहतकी सजा पाई अजीहां मारे गए गुलफाम...

—हसरत जैपुरी

७

हुया गजब कहीं तारा टूटा

लूटारे लूटा मेरे सैयाने लूटा

पहला तारा अटरियापे टूटा दांतों तले मैंने दाबा अंगुठा

लूटारे लूटा सांवरिया लूटाने

दूसरा तारा बजरिया में टूटा

देखा है सबने की मेला था छूटा

लूटारे लूटा सिपहियाने लूटा

तीसरी तारा फुल बगियामें टूटा

फूलोंसे पूछ कोई है कौन झूटा

लूटारे दरोगाने लूटा

शैलेंद्र

८

लाली लाली डोलियामे लालीरे दुल्हनियां

पियाकी प्यारी भोली भालीरे दुल्हनियां

मीठे बैन तीखे नैनों वालीरे दुल्हनियां

लौटनी जो गोदी भरे भरे हमें न बुलाना

लड्डू पढे खाना अपन हाथोंसे खिलाना

तेरी सब रात ही दीवालीरे दुल्हनियां

दुल्हे राजा रखना जतनसे दुल्हको

कभी न दुखाना तुम गोरिया के मन को

नाजुक है ताओं की पालीरे दुल्हनियां

मन मुस्काये दोनों मुखड़ा छुपाये
भेद न खोले न तो बोले बतियारे
जुग जुग जिए जोड़ी मतवाली दूलहनियाँ —शैलेंद्र

—९—

रहेगा इश्क तेरा खाक में मिलाके मुझे
हुए है इब्तेदा में रंज इन्तहा के मुझे
आभीजा रात ढलने लगी चांद छुपने चला
शाम की तरह रातभर तेरी याद में बखबर
जली आरजू दिल जला सितारोंने मूंह फेरकर
कहां अलविदा हमसफर चला कारवां अब चला
उफक पर खडी है सहर अन्धेरा है दिल में इधर
वही रोज का सिलसिला —शैलेंद्र

तैयार है ? तैयार है !

सिनेमा संगीत भाग ४० वां

तीन रंगी मुखपृष्ठ किमत ६० पैसे

प्रकाशक—एफ. बी. बुरहानपूरवाला, सेंट्रल प्रकाशन, सिल्वेषस बिल्डिंग, पाववाला स्ट्रीट, कृष्णासिनेमा न्यू चर्निरोड, बंबई—४
मुद्रक—सज्जाद हुसेन कुर्बान हुसेन
बाकीर प्रिंटिंग प्रेस, मुझफराबाद हॉल, ग्रांट रोड, बंबई—७

तीसरी कसम

किमत २५ पैसे

कथासार

—※—

भोला भाला देहाती गाडीवान हीरामन और नौटंकी की एक्ट्रेस हीरबाई जीवन की राह में आ मिले एक दिन हीरामन हीराबाई को फार्बिसगंज के मेले में ले जा रहा था तीस घंटे का सफर का समय उन्हें एक दुसरे के पास ले आया हीराबाई को जिंदगी में शायद पहली बार एक हीरा आदमी मिला जिसका मन गंगा के निर्मल पानी की तरह स्वच्छ था हीरामन ने शायद पहलीबार एक औरत को इतने नजदीक से देखा बात ही बात में सफर कट गया.

मेले में पहुंचकर हीराब ई ने हीरामन को अपनी नौटंकी देखने का बुलावा दे डाला हीरामन रोज तमाशा देखने पहुंचता हीराबाई रोज नए नए रुप में सजधज कर स्टेज की चकाचौंध में उतर के नाचती गाती रोज पर्दा खुलता और एक नया खेल शुरू होता.

हीरामन और हीराबाई को पता भीं नहीं चला की नौटंकी की इस दुनियां में पर्दे के पीछे एक और खेल शुरू हो गया और देखते ही देखते वे खुद तमाशा बन गये

आगे परदेदर देखिए

❀ शैलेंद्र प्रेझेंट ❀

डायरेक्टर–बासू भट्टाचार्य ◙ म्यु.–शंकर जयकिशन

कलाकार–राजकपूर, वहीदा रेहमान, दुलारी, इफ्तीखार

तीसरी कसम के गाने

१–मुकेश–सजन रे झूठ मत बोलो खुदा के पास जाना है

न हाथी है न घोडा है वहां पैदल ही जाना है

तुम्हारे महल ये चौबारे यहीं रह जायेंगे सारे

अकड किस बात की प्यारे ये सर फिर भी झुकाना है

सजनरे झूठ मत बोलो......

भला किजे भला होगा बुरा किजे बुरा होगा

वही लिख लिख क्या होगा

यहीं सबकुछ चुकाना है, सजन रे......

लडकपन खेलमें खोया जवानी निंद भर सोया

बुढापा देखकर रोया, वही किस्सा पुराना है, सजनरे

—शैलेंद्र

२–मुकेश–सजनवा बैरी हो गए हमार

चिठिया हो तो हर कोई बाचे भाग न बाचे कोय

करमवा बैरी हो गए हमार

जाय बसे परदेश सजनवा सौतन को भरमाए

न संदेश न कोई खबरिया रूत आए रूत जाए

डूब गये हम बीच भवर में करके सोलह पार

सजनवा बैरी हो गये हमार...
सुनी सेज गोद मोरी सुनी भरम न जाने कोय
छटपट तडपे प्रीत बिचारी ममता आंसू रोय
न कोई इसपार हमार न उस पार
सजनवा बैरी हो गये हमार... —शैलेंद्र

मुकेश— ३

दुनियां बनाने वाले क्या तेरे मनमें समाई
काहे को दुनियां बनाई
तुने काहे को दुनियां बनाई......
काहे बनाये तुने माटी के पुतले
धरती ये प्यारी प्यारी मुखडे ये उजले
काहे बनाया तुने दुनियां का खेला जिसमे लगाया जवानी का मेला
गुपचुप तमाशा देखे वाहरे तेरी खुदाई
तुने काहे को दुनियां बनाई...
तु भी तो तडपा होगा मनको बनाके
तुफां ये प्यारका दिल में छुपाके
कोई छबी होगी आंखों में तेरी
आंसू भी छलके होंगे पलको में तेरी
बोल क्या सुझी तुझको काहे प्रीत जगाई, तुने काहे...
प्रीत जगाके तुने जीना सिखाया
हंसना सिखाया रोना सिखाया

जीवन के पथपर मीत मिलाये मीत मिलाके तूने सपने जगाये
सपने बनाके तूने काहे को दे दी जुदाई
तूने काहे को दुनिया बनाई

—४— हसरत जयपुरी

चलत मुसाफिर मोहे लिया रे
पिंजडे वाली मुनिया...
उड उड बैठी हलवाईया दूकनिया
बरफी के सब रस ले लिया रे
पिंजडे वाली मुनिया
उड उड बैठी बजजवा दूकनिया
कपडा के सब रस ले लिया रे
पिंजडे वाली मुनिया
उड उड बैठी पनवाडिया दूकनिया
बीडा के सब रस ले लिया रे
पिंजडे वाली मुनिया...

—५— शैलेंद्र

पान खाए सैयां हमारो......
सांवली सूरतिया होठ लाल लाल
हाय हाय मलमल का कुर्ता
मलमल के कुर्ते प छींट लाल लाल
हमने मंगाई सुरमदानी ल आया जालिम बनारस का जर्दा

अपनी ही दुनियां में खोया रहे वो
हमारे जी को न पुछे बेदर्दी पान खाए ...
बगिया गुन २ पायल छुन २ चुपके से आई है रूत मतवाली
खिल गई कलियं दुनियां जाने लेकिन न जाने
बगिया का माली, पान खाए... ...
खाके गिलोरी शामसे उंघ, सो जाए दिया बातीसे पहल
आंगन अंटारी मै घबराई डोलुं
चोरी के डरसे दिल मेरा दहल, पान खाए...

—६— —शैलेंद्र

मारे गये गुलफाम अजी हां मारे गये गुलफाम
उल्फत भी रास न आई अजी हां मारे गये गुलफाम
एक सब्ज परी देखी और दिल को गंवा बैठे
मस्तानी निगाहो पे फिर होश लुटा बैठे
काहे को मै मुस्कुराई, अजी हां मारे गये गुलफाम...
अबरू की कटारी से नैनों की दो धारी से
वह हाँके रहे जख्मी इक बादेबहारी से
ये जुल्फ क्या लहराई
अजी हां मारे गये गुलफाम ...
एक प्यार की महफिल मे. वो आए मुकाबिल में
वो तीर चले दिलपर हलचल सी हुई दिल में
चाहत की सजा पाई

अजी हां मारे गये गुलफाम -हसरत

--७--

हाय गजब कहीं तारा टुटा लुटा रे लुटा मेरे सैयांने लुटा
पहला तारा अटारिया पे टुटा
दांतो तले मैने दाबा अंगुठा
लुटा रे लुटा संवरिया ने लुटा
दुसरा तारा बजारिया में टुटा
देखा है सबने की मेला था छुटा
लुटा रे लुटा सिपहिया ने लुटा
तीसरा तारा फूल बगिया में लुटा
फुलों से पुछे कोई है कौन झुटा
लुटा रे लुटा दरोगा ने लुटा... -शैलेंद्र

--८--

लाली लाली डोलिया में लाली रे दुलहनियां
पिया की प्यारी भोली भाली रे दुलहनियां
मीठे २ बैन तीखे नैनों वाली रे दुलहनियां
लौटेगी जो गोदी भर हमें न भुलाना
लड्डु पेडे लाना अपने हाथों से खिलाना
तेरी सब राते हो दिवाली रे दुलहनियां...
दुल्हे राजा रखना जतन से दुल्हन को
कभी न दुखाना तुम गोरिया के मनको

नाजुक है नाजों का पाली रे दुल्हनियां...
मन मुस्काए दोनों मुखडा छुपाए
भेद न खोले न तो बोले न बताए
जुग २ जिए जोडी मतवाली रे दुल्हनियां —शैलेंद्र

—९—

रहेगा इश्क तेरा खाक में मिलाके मुझे
हुए है इबतेदा में रंज इन्तेहा के मुझे
आ भी जा रात ढलने लगी
चांद छुपने चला शमा की तरह रातभर
तेरी याद म बखबर
जली आरजू दिल जला
सितारों मुंह फेरकर
कहा अलविदा हमसफर
चला कारवां अब चला
उफक पर खडी है सहर
अन्धेरा है दिलमें इधर
वही रोज का सिल सिला......
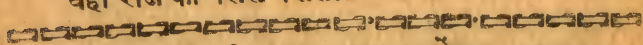
प्रकाशक—एफ. बी. बुरहानपूरवाला सेंट्रल प्रकाशन
सिंप्लेक्स बिल्डिंग पाववाला स्ट्रीट बंबई ४
मुद्रक—एस. के. खरगोनवाला
बाकीर प्रिंटिंग प्रेस मुझफराबाद हॉल ग्रांट रोड बंबई ७

दि ट्रेन

किमत १० पैसे

* राजेंद्रकुमार प्रेझेंट *

डायरेक्टर-रवि नागेश 卐 म्यु.-राहुलदेव बर्मन

कलाकार-नंदा, राजेश खन्ना, हेलन, राजेंद्रनाथ, मदनपुरी, सुंदर

गाने—आनंद बक्षी

दि ट्रेन के गाने

—१—

किस लिए मैंने प्यार किया
दिल को यूं ही बेकरार किया
शाम सवेरे तेरी राह देखी
रात दिन इंतजार किया
आंखों में मैने काजल डाला, माथे पे बिंदिया लगाई
ऐसे में तू आजाये तो क्या हो राम दुहाई
चुपके मन में अरमानों ने ली जैसी अंगडाई
कोई देखे तो क्या समझे हो जाए रुसवाई
नि क्यूं सिंगार किया, दिल को यूं ही बेकरार किया
शाम सवेरे तेरी राह देखी
रात दिन इंतजार किया
आज वो दिन है जिसके लिए मैं तडपी बनके राधा
आज मेरे मनकी बेचैनी बढ गई और ज्यादा
प्यार में धोका न खा जाए ये मन सीधा साधा
ऐसा न हो झूठा निकले आज मिलन का वादा

मैने क्यूं एतबार किया
दिल को यूं ही बेकरार किया
शाम सवेरे तेरी राह देखी
रात दिन इंतजार किया

—२—

लडका-मुझसे भला ये काजल तेरा
नैन बसे दिन रैन-नि सोनिये २
लडकी-हो छोड बेदर्दी आंचल मेरा
हो गई मै बेचैन-रे सोनिया २
लडका-नाम कि तू है मेरी सजनिया
नाम का हूं मै तेरी पिया-ओ
रेशमी लटसे खेले ये गजरा
दूर से तरसे मेरा जिया
लडका-हां हां
लडकी-ना ना
लडका-तौबा कैसी
लडकी-तौबा
लडकी-नाम है प्रेमी पागल तेरा तो संग
लागे नैन-रे सोनिये २
लडकी-प्रेमी गली में होगा न बलमा
तुझसा दिवाना और कोई-ओ
चैन उडाना, निंद चुराना सीखे यह तुझसे चोर कोई
लडकी-हां हां
लडका-ना ना

लडका–गोरी लडकी–क्या है सैयां

लडका–हां आप हूं मै तो घायल तेरा

तडपू सारी रैन–नि सोनिये २

लडकी–छोड बेदर्दी...मेरा हो गई...वे सोनिया २

लडका–चाहे पवन हो चाहे किरन हो

छूने न दूंगा तेरा किरन

लडकी–जलता है मन तो मन मैं छुपा के

रख ले मुझे तू मेरे सजन

लडका–ना ना लडकी–हां हां

लडका–रानी लडकी–क्या है राजा

लडका–हां रुप बरसता बादल तेरा प्यासे है नैन–नि सोनिये २

लडकी–ओ छोड...मेरा हो गई...रे सोनिया २

—३—

लडका–ओ मेरी जां जां मैने कहा, ओ मेरी जां तूने सुना

दिलने दिलसे क्या कहा बिगी २ ३ ४ ५ ६ ७

लडका–ओ मेरी जां मैने कहा, ओ मेरी जां तूने सुना

दिलने दिलसे क्या कहा

लडकी–बातों बातों मे करती हूं कमाल, ए २ ३ ४ ५ ६ ७

बस जाती हूं मै दिलमें बनके ख्याल, तारी री री

आंखों २ में देती हूं मै जवाब

आंखो २ मैं करती हूं मै सवाल

लडका-ओ मेरी...कहा, ओ मेरी सुना
दिलने...कहा, मेरे होठों पे अफसाना प्यार का
लडकी-मै भी थोडीसी रहती हूं बेकरार ए २ ३ ४ ५ ६ ७
तू भी थोडासा लगता है बेकरार, तारी री रां रा
तेरी मेरी तो हालत है एक सी, ए २ ३ ४ ५ ६ ७
क्यों ना आपस में हम दोनों करले प्यार
लडकी-मेरी...कहां मेरी...सुना
दिलने...कहा दादु देरा दादू ला ला
लडका-दिल कश बातें हंसी मैफिल दिले जवां
ए २ ३ ४ ५ ६ ७ ऐसी रातें जवानी में फिर कहा
तारी री रा रा ए २ ३ ४ ५ ६ ६
तेरे लब पे मुहब्बत की दास्तां
लडका-मेरी जां मैने कहां मेरी जां तूने सुना
दिल ने दिलसे क्या कहां

—४—

गुलाबी आंखें जो तेरी देखी
शराबी यह दिल हो गया
संभालो मुझको ओ मेरे यारों
संभलना मुश्किल हो गया
दिल पे मेरे ख्वाब तेरे तस्वीरें जैसे हो दिवार पे
तुपे फिदा मै क्यूं हुआ आता है गुस्सा मुझे प्यारपे

मै लुट गया मान ले दिलका कहा
मै कहीं का न रहा, क्या करुं मै दिलरुबा
बुरा ये जादू तेरी आंखों का
यह मेरा कातिल हो गया
गुलाबी आंखें जो तेरी देखी शराबी यह दिल हो गया
मैने सदा चाहा यहीं दामन बचालूं हसीनों से मै
तेरी कसम ख्वाबों में भी
बचता फिरा नाजनीनों से मै
तौबा मगर मिल गई तुझसे नजर
मिला गया दर्द जिगर सुन जरा ओ बेखर
जरासा हंस के जो देखा तूने
मै तेरा बिस्मिल हो गया
गुलाबी आंखें जो तेरी देखी शराबी यह दिल होगया
संभालो मुझको ओ मेरे यारों संभलना मुश्किल हो गया

—५—

मैने दिल कभी दिया नहीं मै अभी क्या जानूं
मै हूं नादान तू अंजान मै कैसे मानू
बस आज नहीं तो हम मिले है बेचैन होठोंपे मिले है
दो चार होगी मुलाकाते फिर होगी प्यार भरी बातें
मैने प्यार कभी किया नहीं मै अभी क्या जानूं
मै हूं नादान तू अंजान मै कैसे मानूं

सौ बार लोगोंसे सुना है इस प्यार में भी इक नशा है
दो घूंट पीलूं तो बताऊं ऊफ यह जाम अभी पिया नहीं
मै अभी क्या जानूं
मै हूं नादान तू अंजान मै कैसे मानू
मैंने दिल अभी दिया नहीं

—६—

छैया रे छैया रे तारों की छैया
सैयां रे सैयां रे छुप के सैयां
आइके पकडालिनी क्यों, मै का करुं
चोर निकला वो शहरी बाबू, निंद चुराली मोरी
उसकी मिठी बातों में आ गई, मै गांव की गोरी
प्रेम की अखियां प्यार की बतियां
जैसे भूल भूलैया–मै क्या करुं
बेदर्दी को बाली उमर पे हाय तरस न आया
कैसे देखा जैसे देखा, जैसे तीर चला
हाय, वो न माना कोई बहाना
लाख पडी मै पैया... मै क्या करुं...

[प्रका]शक—एफ. बी. बुरहानपुरवाला, सेंट्रल प्रकाशन, सिंप्लेक्स
[बि]ल्डिंग, पाववाला स्ट्रीट, ड्रीमलैंड सिनेमा, न्यू चार्नीरोड, बंबई ४
मुद्रक—एस. के. खरगोनवाला
बाकीर प्रिंटिंग प्रेस, मुझफराबाद हॉल, ग्रांट रोड, बंबई ७

उपकार

मूल्य ३० पैसे

asha parekh • manoj kumar • kamini kaushal & pran

VISHAL PICTURES'

UPKAR

❁ विशाल पिक्चर्स कृत ❁

डायरेक्टर-मनोज कुमार ✤ म्यु.-कल्याणजी-आनंदजी

कलाकार-आशा पारेख, मनोज कुमार, प्रेम चोपडा व.

• उपकार के गाने •

महेंद्र और साथी-- १

मेरे देश कि धरती ओ मेरे देश कि धरती

सोना उगले २ हीरे मोती, मेरे देश...

बैलो के गले में जब घुंघरु

जीवन का राग सुनाते है

गम कोसो दुर हो जाता है

खुशियो के कमल मुस्काते है सुनके रेहटकी आवाज

युं लगे कही शहनाई बज आते ही मस्त बहारो के

दुल्हन की तरह हर खेत सजे मेरे देश...

जब चलते है इस धरती पे हल

ममता अंगडाईयां लेती है

क्यो ना पुजे इस माटी को

जो जीवन का सुख देती है

इस धरती पे जिसने जनम लिया

उसने ही पाया प्यार तेरा

यहां अपना पराया कोई नही

है सबपे मां उपकार तेरा, मेरे देश की...

यह बाग है गौतम नानक का
खिलते हैं चमन के फूल यहां गांधी सुभाष
गांधी सुभाष टैगोर तिलक ऐसे हैं चमन के फुल यहां
रंग हरा हरी सिंह नवले से रंग लाल है लालबहादुर से
रंग बना बसंती भगत सिंह
रंग चमन का बीर जब जब से मेरे देश...
मेरे देश कि धरती सोना उगले २ हीरे मोती
२-आया पीली २ सरसो फूली पीला उडे पतंग
ओ पीली उडी चुनरिया
ओ पीली पगडी के संग
गले लगा के दुश्मन को भी यार बनालो कहे मलंग
आई झुमके बसंत झुमो संग में
आज रंग लो दिलो को इक रंग मे
आई झुमके बसंत...
है ये धरती सभी कि गगन सब का
तेरा मेरा जो कहीं है यह चमन सब का
हो तेरा मेरा जो कहे वो है छोटे दिलका
अरे दिल से ब ल जो है खोटे दिलका
ओ कोई छोटा न बडा ओ कोई खोटा न खरा
ओ जीना सीख लो
जरा इक ढंग मे आई झुम के बसंत

मेरी मिट्टी के लाओ मन दाने
दान तेरा भट्टी में भून गये जा के
दिल को रखना ओ बुढे बचाके
भून ड लूंगी म दानो मे मिला के
ओ प्यारी फिटे मुं छोड पीछा-अरे ओ हट्टी वाले
तभी छोडूंगा जब तूने हां कि
बुढापे कि शर्म कर, फिटे मुं बच्चो वाले
अरे दो दो बच्चो वाले
ओ प्यारी इनको भी तो जरुरत है मां कि ना २ ब बू
क्या है बेटे ओ बापू झुठ न ऐसे बोल
हम तो हीरे है अनमोल हमको भट्टी में न रोल
अपने दिल के संग में आई झुमके बसंत
आज लागे नही धरती पे मेरे पांव रे
बात दिलकी चाहे जान ही ले सारा गांव रे
नरसे प्यार कि फुआर
है यह खुशी का मल्हार
आज यहां न रहेगा कोई भी अकेला
जाने तुझमें क्या है बात
तुम को याद करुं दिन रात
दिल यह चाहे थाम के हाथ
चल दुं तेरे संग में आई झुमके बसंत

३-मन्नाडे-कसमें वादे प्यार वफा

सब बातें बातों का क्या कोई किसी का नही है
यह झुठे नाते है नातो का क्या
होगा मसीहा सामने तेरे फिर भी न तू बच पायेगा
तेरा अपना खुन ही आखिर तुझको आग लगायेगा
आसमां पे उड़ने वाले मिट्टी में मिल जायेगा
सुख मे तेरे साथ चलेंगे दुखमें सब मुख मोड़ेंगे
दुनिया वाले तेरे बनकर तेरा ही दिल तोड़ेंगे
देते है भगवान को धोका इन्सां को क्या छोड़ेंगे
यह झुठ नाते है नातो का क्या कसमें वादे
यह बातें है बातों का क्या

४-मुकेश-दिवानो से ये मत पुछो
दिवानो पे क्या गुजरी है
हां उनके दिलों से यह पुछो
अरमानो पे क्या गुजरी है औरो को पिलाते रहते है
और कुद प्यास रह जाते है ये पीने वाले क्या जाने
पैमानो पे क्या गुजरी
मालिक ने बनाया इन्सां को
इन्सान मुहब्बत कर बेठा
वो उपर बैठा क्या जाने इन्सानोपे क्या गुजरी है
हां उनके दिलो से ये पुछो अरमानो पे

५-आशा-गुलाबी गुलाबी रात गुलाबी
गुलाबी रात की हर बात गुलाबी
तुमसे निगाहें मिली राज़ दिल पा पा गए
लो हम बुलाये बगैर बाहों में आ आ गए
तुम भी हो राज़ी हम भी हैं राज़ी
जीत ल बाज़ी-आ हा हा हा
गुलाबी रात की हर बात गुलाबी गुलाबी
जाने न दे हाथ से पली हंसी रात की
पहलू में ठहराले तू
बहारों की बारात को दिल जलादे शमेंअ बुझादे
तुफां उठा दे.. आ हा हा हा
काली यह काली रात काली
है काली रात की हर बात काली
६-रफी-रोती लो कहां, अफसोस यहां
पानी कि भी लाचारी है
आंचल का अमृत सुख गया
ममता भी भूख से हारी है इनकी रगों में खून कह
फल कहां है इनके पसीने का
यह प्यासी रुह पुछती है
किसने छीना हक जीने का
कुछ लोग यहां पर ऐसे हैं औरों का जीवन जीते

ुपके चुपके मदीरा की तरह
इन्सां का लहु जो पीते हु
कफ़र तन ढकने कि खातिर
ुद तन ही बिकने लगता हे
कोई पेट पालने निकला तो
ोई पेट में पलने लगता है मंहगाई बढाने वालो से
ह भूखे फरिश्ते पुछते है अनाज दबाने वालो से
ह भूख फरिश्ते पुछते है
यह हाल रहा तो दुनिया मे
ारत की कहानी क्या होगी
जिस देश का बचपन भूखा है
िर उसकी जवानी क्या होगी
ी-वह कैसी-यह कैसी रात कैसी-२
ह बढती जा रह है बात कैसी
यह कैसी रात कैसी यह कैसी रात कैसी
ारो सुलगी सिंदुर जले
ोया है कोई शोलो के बले
इस तरह जला कोई जिंदा
ो मौत हुई है शरमिंदा धरती अर्थी बन जाती है
जब जब बारुद पिघलती है
लगती है किसी मां के दिल पर

सीमा पे ये गोली चलती है

इन्सां को कौन लडाता है

क्यो जंग अभी तक जारी है

लाशे जो खरीदा करता है युं कौन एसा व्यापारी है

लता-- ८

हर खुशी हो वहां तू जहां भी रहे

जिन्दगी हो वहां तू जहां भी रहे

यह अन्धेर मुझे इसलिए पसंद

इन मे साया भी अपना दिखाई न दे

रोशनी हो वहां तू जहां भी रहे

जिन्दगी हो वहां तू जहां भी रहे

हर खुशी हो वहां तू जहां भी रहे

चांद घुंघला सही गम नही है मुझे

तेरी रातो पे रातो का साया न हो

चांदनी हो वहां तू जहां भी रहे

जिन्दगी हो जहां तू जहां भी रहे

हर खुशी हो वहां तू जहां भी रहे

प्रकाशक—एफ. बी. बुरहानपुरवाला, सेंट्रल प्रकाशन
सिंप्लेक्स बिल्डिंग, पायवाला स्ट्रीट बंबई ४
मुद्रक—एम. के. खरगोनवाला
[illegible] प्रिंटिंग प्रेस, मुजफ्फराबाद हॉल ग्रांट रोड बम्बई-७